समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• फरवरी २०२६ • वर्ष ७७ • अंक ०२
मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

77वाँ गणतंत्र दिवस के अवसर पर केंद्रीय कार्यालय के प्रांगण में ध्वज फहराते हुए निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया। चित्र में परिलक्षित हैं - सर्वश्री राष्ट्रीय महामंत्री केदारनाथ गुप्ता, निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदलाल रूँगटा, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री रतन शाह, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अनिल कुमार मलावत, आत्माराम सोंथालिया, नन्द किशोर अग्रवाल, पंकज भालोटिया, राजेश सोंथालिया, शंकर लाल कारीवाल, अरुण गाड़ोदिया, प्रदीप जीवराजका, सज्जन बेरीवाल, सरिता लोहिया, सज्जन खंडेलवाल एवं अन्य उपस्थित थे।

इस अंक में

संपादकीय

- मनुर्भव - मनुष्य बनो

अध्यक्षीय

- संस्कार-संस्कृति चेतना : राष्ट्र की आत्मा का पुनर्जागरण

प्रांतीय समाचार

- महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, पूर्वोत्तर, उत्कल, उत्तराखंड, गुजरात, झारखंड, कर्नाटक, सिक्किम, बिहार

संस्कार-संस्कृति चेतना — विशेष पेज-१९

महाशिवरात्रि, स्त्री क्यों पूजनीय है,
ईश्वर का शुक्राना करने के लिए
१० नायाब कारण
भगवान श्री कृष्ण की ६ कहानियाँ,
हमारे ग्रंथ-रामचरितमानस,
अधूरी चिट्ठी और वो आखिरी कल,
मिट्टी के घड़े की कहानी

रपट

- ७७वाँ गणतंत्र दिवस समारोह
- समन्वय बैठक आयोजित
- राजनीतिक चेतना उपसमिति की बैठक
- संगोष्ठी-दरकते रिश्ते-टूटते संबंध, महिलाओं की भूमिका...
- राष्ट्रीय अध्यक्ष का दो दिवसीय महाराष्ट्र दौरा

CENTURYPLY®

CENTURYPLY®

CENTURYLAMINATES®

CENTURYVENEERS®

CENTURYDOORS®

CENTURYEXTERIA®
Decorative Exterior Laminates

CENTURYPVC®

CENTURYPARTICLEBOARD®
The Eco-friendly and Economical Board

CENTURYPROWUD®
*MDF-The **wood** of the future*

zykron®
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS

SAINIK 710
WATERPROOF PLY

SAINIK LAMINATES™
BOLD & BEAUTIFUL

CENTURY PLYBOARDS (INDIA) LTD.

Century House, P-15/1, Taratala Road, Kolkata - 700 088

For any queries, SMS 'CPIL' to 56070 or call us on **1800 5722 122**

समाज विकास

◆फरवरी २०२६ ◆ वर्ष ७७ ◆ अंक २

◆एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक — पृष्ठ संख्या

- **चिट्ठी आई है** ३-४
- **संपादकीय :** ५-६
  मनुर्भव – मनुष्य बनो
- **अध्यक्षीय :** ७
  संस्कार-संस्कृति-चेतना :
  राष्ट्र की आत्मा का पुनर्जागरण
- **सम्मेलन समाचार एवं रपट**
  ७७वाँ गणतंत्र दिवस समारोह ८
  समन्वय बैठक आयोजित ९
  राजनीतिक चेतना उपसमिति की बैठक १०
  संगोष्ठी - दरकते रिश्ते-टूटते संबंध, महिलाओं की भूमिका... १३
  राष्ट्रीय अध्यक्ष का दो दिवसीय महाराष्ट्र दौरा १५

विशेष **संस्कार-संस्कृति चेतना**

महाशिवरात्रि १९
स्त्री क्यों पूजनीय है, ईश्वर का शुक्राना करने के लिए १० नायाब कारण २०
भगवान श्री कृष्ण की ६ कहानियाँ, हमारे ग्रंथ - रामचरितमानस २१
अधूरी चिट्ठी और वो आखिरी कल, मिट्टी के घड़े की कहानी २२

- **प्रांतीय समाचार**
  महाराष्ट्र, आन्ध्र प्रदेश, पूर्वोत्तर, उत्कल, उत्तराखंड, गुजरात, झारखंड, कर्नाटक, सिक्किम, बिहार १६-१८, २३-३१
- पुस्तक समिक्षा – श्री उमेश खंडेलिया ३२
- नए सदस्यों का स्वागत ३३-३८

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं संपर्क कार्यालय : ४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिए **भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा ◆ संपादक : शिव कुमार लोहिया

प्रकाशित रचनाओं से संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

चिट्ठी आई है

आपका आलेख 'आ गया भजन क्लबिंग का दौर' पढ़ते पढ़ते पूरा पढ़ा। बहुत ही सुन्दर, सटीक, प्रेरणादाई और सारगर्भित है।

एक नई सोच और रोचक परंपरा का उद्भव हो रहा है जो zen z को सहजता से अध्यात्म की ओर आकर्षित कर रहा है। यह अच्छा संकेत है।

अधिक से अधिक लोगों तक इस आलेख का पहुंचना समाज के लिए जरूरी है। मैं कई ग्रुप में आपकी अनुमति हो तो अग्रसारित करना चाहता हूं।

– **डॉ. पवन पोद्दार,** पूर्व उपकुलपति
विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय धनबाद,
विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग

भजन-संस्कृति : बदलते समाज की एक शांत पुकार

तेज़ रफ्तार जीवन, बढ़ती प्रतिस्पर्धा और लगातार तनाव से जूझता आज का समाज कहीं न कहीं भीतर से थक चुका है। ऐसे समय में "आ गया भजन क्लबिंग का दौर" जैसा लेख हमें यह समझने का अवसर देता है कि समाज केवल भौतिक प्रगति से संतुष्ट नहीं हो सकता। उसे शांति, अपनापन और सामूहिकता की भी उतनी ही आवश्यकता है।

समाज शास्त्रीय दृष्टि से देखें तो भजन और कीर्तन केवल धार्मिक गतिविधियाँ नहीं हैं। ये लोगों को एक साथ बैठने, सुनने और जुड़ने का अवसर देते हैं। जब परिवार और पड़ोस की बातचीत कम होती जा रही है, तब भजन-संस्कृति लोगों को फिर से साथ लाने का काम कर रही है। इस लेख में जिस तरह से सामूहिक भजनों और युवाओं की भागीदारी का उल्लेख है, वह यह दिखाता है कि नई पीढ़ी भी अब शोर से दूर सुकून की तलाश कर रही है।

आज भजन केवल मंदिरों तक सीमित नहीं हैं। वे सभागारों, घरों और डिजिटल माध्यमों से समाज के हर वर्ग तक पहुँच रहे हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि भक्ति का स्वरूप भले बदला हो, लेकिन उसकी ज़रूरत आज भी उतनी ही गहरी है। भजन-संस्कृति व्यक्ति को अपनी जड़ों से जोड़ती है और उसे यह एहसास कराती है कि वह अकेला नहीं है।

यह लेख हमें यह भी बताता है कि भजन समाज में बराबरी और अपनापन बढ़ाते हैं। यहाँ उम्र, पद या वर्ग का भेद कम हो जाता है और सभी एक ही भाव में जुड़ जाते हैं। यही सामूहिक अनुभव समाज को भीतर से मजबूत बनाता है।

कुल मिलाकर, यह लेख भजन-संस्कृति को आस्था के साथ-साथ सामाजिक जुड़ाव और मानसिक शांति के एक सरल माध्यम के रूप में प्रस्तुत करता है। यह हमें याद दिलाता है कि कभी-कभी समाज को आगे बढ़ाने के लिए तेज़ कदम नहीं, बल्कि ठहरकर गुनगुनाने की ज़रूरत होती है। – **मनीष बाजोरिया**, सूरत

आ गया भजन क्लबिंग का दौर - सुन्दर लेख

मीरा बाई एवं चैतन्य महाप्रभु भी संगीत नृत्य के माध्यम से भजन गाया करते थे।

सनातन धर्म निरन्तर प्रवाहमान है। यही इसका वैशिष्ट है।

– अरुण कुमार चुड़ीवाल

चिट्ठी आई है

आलेख सकारात्मक भावना के साथ लिखा गया है और सनातन की वापसी के संकेतों का द्योतक है। इस प्रकार के आलेख समाज में फैली गंदगी को दूर ही नहीं करेंगे, वरन गंदगी के ढ़ेर को सुगंध का अंबार बनाने का मंत्र प्रदान करेंगे।

इस परिवर्तन के लिए एक इलेक्ट्रॉनिक साहित्यिक मंच की शुरुआत करिये और उसमें प्रख्यात विचारकों को zen z से जोड़ो ताकि यह एक आंदोलन बन जाए।

– रामअवतार बिंजराजका, कोलकाता

समाज के विकास को गति देने के लिए कुछ महत्वपूर्ण कदम इस प्रकार हो सकते हैं:

सामूहिक नेतृत्व को बढ़ावा – निर्णय प्रक्रिया में अधिक लोगों को शामिल किया जाए। दूसरी पंक्ति का निर्माण – युवा और सक्षम कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी देकर आगे लाया जाए। पारदर्शिता और जवाबदेही – संगठन के कार्य और निर्णय सभी के सामने स्पष्ट हों।

सेवा भाव को प्राथमिकता – कुर्सी और माइक को साधन मानें, लक्ष्य नहीं। निरंतर प्रशिक्षण – नेतृत्व, प्रबंधन और सामाजिक मुद्दों पर नियमित प्रशिक्षण की व्यवस्था हो।

समाज का विकास किसी एक व्यक्ति के बस की बात नहीं है। यह एक सामूहिक यात्रा है, जिसमें हर व्यक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। जो नेता संगठन और समाज को अपने हाथ में कैद रखना चाहते हैं, वे अनजाने में विकास के रास्ते में दीवार खड़ी कर देते हैं। समय की मांग है कि हम व्यक्ति-केंद्रित नहीं, बल्कि मूल्य-केंद्रित नेतृत्व को अपनाएँ। तभी एक सशक्त, समावेशी और विकसित समाज का निर्माण संभव हो सकेगा।

– अनिल के. मोदी, बलांगीर

पिछले काफी समय से सम्मेलन के प्लेटफॉर्म पर एक मुद्दा उठा कर यह जानकारी मांगी जाती रही है कि क्या मारवाड़ी समाज किसी कोटे के अंतर्गत आरक्षण का हकदार है। उनकी जिज्ञासा होती है कि समाज के नेतागण यह स्पष्ट करें कि आखिर हमारे समाज के लोग किस जाति और किस अनुसूची में आते हैं और अगर हम किसी सूची के अंतर्गत आते हैं तो हमें इसका लाभ कैसे मिलेगा।

हमने अपने पुरुषार्थ से पत्थर में भी फसल उगाई है, बंजर में भी खेत लहलहाए हैं, हमने अगर अपने परिवार का पेट पाला है तो हममें से प्रत्येक ने अपनी बाजुओं की ताकत से चार-चार परिवार और पाले हैं। हमारी बाजुओं में सामर्थ्य है, हमारे अंदर संस्कार रूपी सामर्थ्य है, जन्म से ही मारवाड़ी कुशाग्र बुद्धि होते हैं।

हमें एक संकल्प लेना चाहिए कि ना तो हमें आज और ना ही हमें कभी भविष्य में किसी आरक्षण की लालसा रखनी है, ना ही अपने बच्चों के सामर्थ्य पर कोई शंका मन में रखनी है।

– अजय कुमार पोद्दार
दरभंगा, बिहार

समाज विकास के कलेवर में विगत सत्र से काफी सुधार हुआ है, हालांकि जिस तरह की सामाजिक सामग्री अपेक्षा रहती है, उस पर अभी तक हम पूर्णतया खरा नहीं उतर पाये हैं, ऐसा मेरा मानना है। कई आलेख पठनीय होने के बावजूद इतने बड़े होते हैं कि अपठनीय रह जाते हैं अब हमें छोटे रूप में अपनी बात समझानी पड़ती है। जमाना एआई का हो गया है। खैर... इससे इतर जनवरी २०२६ के अंक में पृष्ठ १९ पर प्रकाशित सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, सम्माननीय श्री सीताराम जी शर्मा के आलेख 'समाज-सुधार पर बातचीत एवं कार्यवाही का मंच' पर ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ।

इस आलेख में सर्वप्रथम ही यह लिखा गया है कि १९९० के बाद... संभवत: पहली बार २५ दिसम्बर २०२५ को आयोजित ९१वें स्थापना दिवस में शारीरिक अस्वस्थता के कारण मैं उपस्थित नहीं हो सके। साथ ही यह भी मुझे अपनी बात रखने का अवसर प्राप्त होता तो बहुत कुछ बोलना कहना चाहता था।

आगे लिखा है कि संभवत: यह पहला अवसर है जब वर्तमान पश्चिम बंगाल सरकार की एक वरिष्ठ मंत्री मारवाड़ी सम्मेलन के कार्यक्रम में पधारी हैं। साथ ही यह भी लिखा, वाममोर्चा के ३४ वर्षों की सरकार में कोई मारवाड़ी विधानसभा, लोकसभा या राज्यसभा में नहीं रहा। वर्तमान प. बंगाल विधानसभा में श्री विवेक गुप्ता को बतौर मारवाड़ी एकमात्र विधायक बताया गया है।

२०२२ में, श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया कार्यकाल में सम्मेलन के ८८वें स्थापना दिवस समारोह पर बतौर पश्चिम बंगाल सरकार के मंत्री दमकल मंत्री श्री सुजीत बोस, जो कि काफी वरिष्ठ भी हैं, बतौर उद्घाटनकर्ता तथा प्रधान अतिथि पधारे थे। इसी कार्यक्रम में श्री सीताराम जी शर्मा मुख्य वक्ता थे लेकिन उस वक्त भी वे शारीरिक अस्वस्थता के कारण नहीं आ पाये थे। इस वक्त मैं राष्ट्रीय महामंत्री था, अत: भली-भांति जानकारी है।

दूसरे तथ्य पर बात करूं तो वाममोर्चा के शासन काल में ही श्रीमती सरला माहेश्वरी राज्यसभा से सांसद रहीं। वर्तमान में भी रायगंज से विधायक श्री कृष्ण कल्याणी (मारवाड़ी) न सिर्फ विधायक हैं बल्कि विधानसभा की PAC कमेटी के चैयरमेन हैं। पश्चिम वर्धमान के कुल्टी से अजय पोद्दार वर्तमान विधानसभा में भाजपा के विधायक हैं।

सम्पादक जी, पत्र लिखने को मजबूर इसलिए होना पड़ा कि समाज विकास वह पत्रिका है, जो मारवाड़ी समाज का आईना कहलाती है। इसमें कोई भी गलत सामग्री का प्रकाशन न सिर्फ गलत दिशा दिखाती है बल्कि भविष्य में ऐतिहासिक तथ्य भी खराब करती है। आने वाली पीढ़ी के लिए यही दस्तावेज बनता है। इसके अलावा लेखक सम्मेलन के वरिष्ठ हैं तथा पत्रिका के प्रेरक सम्पादक भी, अत: यह दायित्व और ज्यादा बढ़ जाता है।

– संजय हरलालका
पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री, अ.भा.मा.स.

मनुर्भव – मनुष्य बनो

एक महात्मा का द्वार किसी ने खटखटाया। महात्मा ने पूछा - कौन? आगंतुक ने अपना नाम बताया। महात्मा ने फिर पूछा - क्यों आए हो? उत्तर मिला - खुद को जानने के लिए। महात्मा ने कहा कि तुम ज्ञानी हो, तुम्हें ज्ञान की आवश्यकता नहीं। इसी तरह का जवाब सवाल अनेक लोगों से होता गया। लोग महात्मा जी के प्रति नाराज होने लगे। एक दिन एक व्यक्ति ने दरवाजा खटखटाया। महात्मा ने पूछा - कौन? उत्तर मिला - यही तो जानने आया हूं कि मैं कौन हूं। महात्मा ने कहा - चले आओ, तुम ही अज्ञानी हो जिसे ज्ञान की आवश्यकता है। पहले के तो सभी ज्ञानी थे। लोग दुनिया को जानने का दम भरते हैं पर स्वयं से अनभिज्ञ है। स्वयं को जानना ही सबसे बड़ा ज्ञान है। ऋग्वेद कहता है **कृण्वन्तो विश्व मार्यम** (९/६३/५) अर्थात विश्व के सभी लोगों को श्रेष्ठ गुण कर्म स्वभाव वाले बनाओ। वेद स्पष्ट रूप से कहते हैं- मनुर्भव - मनुष्य बनो। सुप्रसिद्ध वैज्ञानिक आइंस्टीन से संसार में व्याप्त दुख एवं अशांति को दूर करने का उपाय पूछा गया तो उन्होंने कहा श्रेष्ठ मनुष्यों का निर्माण करो।

सृष्टि की रचना के बाद ईश्वर ने पेड़ पौधे, अति सूक्ष्म जीव एवं बड़े जीव का निर्माण किया। अंत में मनुष्य का निर्माण किया। मनुष्य परमपिता परमेश्वर की अनुपम रचना है। उसके पास असीमित शक्तियां होती हैं। अपने इच्छा शक्ति एवं बुद्धि के प्रयोग से असंभव को संभव बनाने की क्षमता वह रखता है। यह शक्तियां शारीरिक से अधिक मानसिक है। उसके पास सहनशक्ति, एकाग्रता, आत्म सुधार की शक्ति, उदार चेतना शक्ति आदि भी है। इतनी शक्तियों के बल पर मनुष्य ने सब प्राणियों पर आधिपत्य प्राप्त की है। ज्ञान, विज्ञान, भाषा, लिपि, स्वर आदि की जो विशेषताएं उसे प्राप्त है वह सब उसकी विशिष्टता की ओर इंगित करते हैं।

महर्षि व्यास ने कहा है

गुह्यं ब्रह्म तदिदं वो ब्रवीमि। न हिं मानुषात् श्रेष्ठतरं हि किंचितः। (महाभारत, शांतिपर्व, २९९/२०)

"एक भेद की बात बताता हूं, संसार में मनुष्य से श्रेष्ठ, मनुष्य के लिए मनुष्य से उपयोगी कुछ भी नहीं है।

यह भी कहा गया है कि **"यत पिंडे-तत ब्रह्माण्डे'** –अर्थात धर्म ग्रंथो में लिखा है कि जो भी कुछ मनुष्य के पिण्ड यानी शरीर में है, बिल्कुल वैसा ही सब कुछ इस ब्रह्मांड में है। संपूर्ण ब्रह्मांड में जो भी है वह द्रव्य एवं ऊर्जा (Matter and energy) का संगम है। वही हमारे शरीर में भी है। फिर भी आज हम देखते हैं कि अधिकांश मनुष्य दीन हीन और पद दलित जीवन जीते हैं। यह स्थिति तब तक ही है जब तक वह अपने में निहित शक्तियों के बारे में जानकर उसे जागृत नहीं करते। उदाहरण स्वरूप तुलसीदास जी के जीवन को हम देख सकते हैं। उनकी आंतरिक शक्तियाँ प्रकट होने के पहले तक वे निकृष्ट जीवन व्यतीत कर रहे थे। पर बाद में अपने आत्म उत्थान के द्वारा महानता को प्राप्त हो गए। योग वशिष्ठ में कहा गया है:

यद्य दासाद्यते किंचित्केन्य चित्क्वचिदेव हि,
स्व शक्ति सम्प्रवृत्या यल्लभ्यते नान्यतः क्वचित।

अर्थात् मनुष्य यदि कुछ प्राप्त करता है तो वह अपनी शक्तियों के द्वारा ही करता है, बाहरी साधन सीमित सहायता मात्र ही सहायक हो सकता है।

हमारा जीवन एक अपार संभावनाओं की नदी के समान है। कहां भी गया है - **"सर्व संभाव्यता त्वरित** (आदि पर्व, महाभारत ३४.७) तुमसे सब कुछ संभव है। सोचिए जब आपके भीतर सोने की खान है तो आप ही बाहरी संसार से इतनी मुग्ध क्यों है? मानव से बढ़कर कोई भी वस्तु, संसाधन इस जगत में न है, ना होगा। किंतु हम अपने काम, क्रोध, मोह, मद, मत्सर के कारण अपनी क्षमता एवं गुणों का उपयोग नहीं कर पाते एवं राह भटक जाते हैं। अपने जीवन को बदलने के लिए आपको केवल एक व्यक्ति की आवश्यकता है और वह है आप खुद। अथर्ववेद में मनुष्य को कैसे रहना चाहिए उसका वर्णन इस प्रकार किया गया है:

'मनुष्यः कस्मात् मत्वा कर्माणि सीव्यति' (३/८/२)

अर्थात् मनुष्य तभी मनुष्य है जब वह किसी भी कर्म को चिन्तन तथा मनन पूर्वक करता है। यही मनन की प्रवृत्ति मनुष्यता का परिचायक है अन्यथा मनुष्य भी उस पशु के समान ही है जो केवल देखता है और बिना चिन्तन मनन के विषय में प्रवृत्त हो जाता है।

भगवान श्री कृष्ण ने गीता में २.५५ में इसका पथ बताया है, जब उन्होंने कहा कि मनुष्य को इंद्रिय तृप्ति की इच्छाओं को त्यागने से उसका मन भी शुद्ध होता है एवं विशुद्ध दिव्य चेतना को प्राप्त होता है। इस स्थिति को वह प्राप्त तत्परता से करता है तो मनुष्य लक्ष्य प्राप्त करता है।

स्वे स्वे कर्मण्यभिरतः संसिद्धिं लभते नरः।
स्वकर्म निरतः सिद्धि (१८/४५)

अपने-अपने स्वाभाविक कर्मो में लगा हुआ मनुष्य सिद्धि को प्राप्त हो जाता है।

मनुष्य अपने शरीर का उपयोग मनुष्य के रूप में करता है या सिर्फ रंग रूप आकार से ही मनुष्य दिखाई देता है, और उसके अंदर में भेड़िया, स्वान, लोमड़ी आदि के आकार का डेरा जमा हुआ है। इसीलिए ऋग्वेद (१०/५/३६) में कहा गया है - **मनुर्भव जनया देव्या जन्म**। इस संदेश में कहा गया की है मनुष्य तू सच्चा मनुष्य बन तथा दिव्य गुण युक्त संतानों को जन्म दे अर्थात सुयोग्य मानव के निर्माण में सतत प्रयत्नशील रह। यह तभी संभव होगा जब हम स्वयं के वास्तविक स्वरूप को पहचान कर मानव के लिए ईश्वर द्वारा बताए गए मार्ग का अनुसरण करें।

जीवन का अपने आप में कोई अर्थ नहीं होता। अपने कर्मों द्वारा हमें अर्थ का सृजन करना पड़ता है। अगर हममें निर्माण की कला, लगन एवं निष्ठा है तो हम इस अनगढ़ पत्थर को सुंदर मूर्ति में परिवर्तित कर सकते हैं। जन्म का प्रारंभ सभी का एक जैसा होता है किंतु अंत एक जैसा नहीं।

जीवन का उतना ही मूल्य होगा जितना हम पैदा करेंगे।

सं जानीध्वं सं पृच्यध्वं सं वो मनांसि जानताम्।
देवा भागं यथा पूर्वे संजानाना उपासते।।

(अथर्व वेद ६/६४/१)

प्रत्येक मनुष्य का कर्तव्य है वह विशुद्ध ज्ञान प्राप्त कर परस्पर मिलजुल कर रहे, उत्तम संस्कारवान हों। हमारे पूर्वजों की तरह अपने कर्तव्यों का पालन करते रहे।

गोस्वामी तुलसीदास जी ने कहा है:

कर्म प्रधान विश्व रचि राखा
जो जस करहिं सो तस फल चाखा

यह विश्व कर्म प्रधान है जो जैसा कर्म करता है उसे वैसा ही फल प्राप्त होता है। कर्मों को करने के लिए गीता में भगवान श्री कृष्ण ने कुछ सिद्धांत बताएं हैं जिसे मानव को अपने जीवन में उतारना आवश्यक है। इस प्रकार मानव के रूप में प्राप्त इस जीवन को हम सफल कर सकेंगे। साधारण मनुष्य इस संसार में आकर दिग्भ्रमित हो जाता है जिसके कारण मानव जीवन मिलकर भी भटक जाता है। महान योद्धा अर्जुन ने महाभारत में इन्हीं कारणो से अपने दायित्वों का निर्वाह करने से स्वयं को असमर्थ बताया और कृष्ण के सामने अपने हथियार टेक दिए। ऐसे स्थिति पर श्री भगवान ने गीता में कहा है - हे अर्जुन नपुंसकता को प्राप्त मत हो। हृदय की तुच्छ दुर्बलता को त्याग कर युद्ध के लिए खड़ा हो। इसके बाद उन्होंने अर्जुन को कर्म के सिद्धांत बताएं।

भगवान श्री कृष्ण ने मानव मात्र के कल्याण के लिए कर्म द्वारा अपने जीवन को सफल बनाने में लिए कहा था कि

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि।।

अर्थ: "तुम्हारा अधिकार केवल कर्म करने में है, उसके फलों में कभी नहीं। इसलिए कर्म के फल की चिंता मत करो, और न ही कर्म न करने में आसक्त हो।"

भिन्न-भिन्न परिस्थितियों में अविचल रहने का एक महत्वपूर्ण सिद्धांत उन्होंने बताया था। उन्होंने कहा कि सुख और दुख का आना और चला जाना सर्दी और गर्मी ऋतुओं के आने जाने के समान है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो व्यक्ति (सम दुख सुख-धीरम २.१५) सुख-दुख में विचलित नहीं होता समभाव रखता है वह अपना उद्देश्य प्राप्त करता है। विस्तार से उन्होंने (२.३८) में बताया कि

सुखदुःखे समे कृत्वा लाभालाभौ जयाजयौ।
ततो युद्धाय युज्यस्व नैवं पापमवाप्स्यसि।।२.३८।।

जय-पराजय, लाभ-हानि और सुख-दुःख को समान समझते हुए फिर युद्ध में लग जा। इस प्रकार युद्ध करने से तू पाप को प्राप्त नहीं होगा। सुख-दुख लाभ हानि विजय पराजय में हमें समभाव रहना चाहिए। इस समभाव को ही योग की संज्ञा दी गई एवं अर्जुन को उन्होंने योगी बनने का आवाहन किया (तस्मात् योगी भव अर्जुना ६.४६)।

योगस्थः कुरु कर्माणि सङ्गं त्यक्त्वा धनञ्जय।
सिद्ध्यसिद्ध्योः समो भूत्वा समत्वं योग उच्यते।।२.४८।।

आसक्तिका त्याग करके सिद्धि-असिद्धि में सम होकर योग में स्थित हुआ कर्मों को कर; क्योंकि समत्व को ही योग कहा जाता है। योग संयुक्त होने से हमारे कर्मों में कुशलता (योग कर्म कौशुलं २.५०) आ जाता है। इस प्रकार हम समझ सकते हैं कि निराशा के अंधकार में भटकने वाले मानव के जीवन में यह संदेश आशा का प्रकाश बिखेरती है। यह संदेश हमें गुलाब में कांटे की जगह कांटों में गुलाब देखना सिखाती है। अर्जुन की स्थिति को हम इन शब्दों में बयां कर सकते हैं:

मुश्किलों से भाग जाना आसान है,
हर पहलू जीवन का इम्तिहान है,
डरने से मिलता नहीं कुछ जिंदगी में
लड़ने वालों के कदमों में जहान है।

मनुष्य की विडंबना के विषय में यह कहा गया है कि अब जबकि हम पक्षियों की तरह हवा में उड़ना और मछलियों की तरह पानी के नीचे तैरना सीख चुके हैं, तो एक ही चीज की कमी है - पृथ्वी पर मनुष्य के रूप में जीना सीखना। इसका ज्ञान हमें तभी होगा जब हममे आंतरिक जिज्ञासा उत्पन्न होगी कि मैं कौन हूं और मानव जीवन का अर्थ एवं लक्ष्य क्या है? जिस प्रकार किसी वाहन में बैठकर हम अपने गंतव्य तक पहुंचाते हैं, उसी प्रकार मानव शरीर एक वाहन है जिसे हमें हमारे गंतव्य तक पहुंचाने के लिए प्रदान किया गया है। आज स्थिति यह है की जन्म लेते ही मनुष्य को एक धर्म, एक राष्ट्रीयता और नस्ल दे दी जाती है। वह शेष जीवन एक काल्पनिक पहचान को परिभाषित करने एवं उसकी रक्षा करने में बीतता रहता है। स्वतंत्र विचार या जिज्ञासा उसमें उत्पन्न नहीं होती है। इस.कारण वह अपनी सृजनशीलता की विशेषता से अनभिज्ञ रहता है एवं जिंदगी की अंधी दौड़ में दूसरों के साथ जाने अनजाने शामिल हो जाता है। हम किसी बाग में जाकर खिले हुए फूलों को देखते हैं तो हम यह सोचते हैं कि फुल स्वस्थ हैं सुंदर हैं, सुवाष से भरे हैं। क्योंकि वे जो हो सकते थे उन्होंने अपने विकास की चरम स्थिति को पा लिया है। मनुष्य के पास में अपार संभावनाएं हैं, जिसे वह अनदेखा कर देता है। इसी कारण वह मनुष्य का जीवन नहीं जी पता।

मनुष्य को स्वयं के महता को समझते हुए मानव जन्म की विषेशताओं का स्वयं के उत्थान के लिये प्रयोग करना चाहिए। गीता में भी भगवान श्रीकृष्ण ने बहुत स्पष्ट एवं सुन्दर ढंग से इस विषय में अपना मत प्रकट किया, जो मानव मात्र के कल्याण के लिये अत्यंत उपयोगी है। उन्होने कहा :-

उद्धरेदात्मनाऽऽत्मानं नात्मानमवसादयेत्।
आत्मैव ह्यात्मनो बन्धुरात्मैव रिपुरात्मनः।। गीता ६.५

आदमी को खुद के ही प्रयासों से ही महान ऊंचाइयों तक उठना होता है। मनुष्य स्वंय ही अपना सर्वश्रेष्ठ मित्र हैं और खुद ही अपना निकृष्टतम शत्रु है। और स्वयं को नीचे नहीं गिराना चाहिए क्योंकि आत्मा ही आत्मा का मित्र है और आत्मा ही आत्मा का शत्रु है।

उपरोक्त परिप्रेक्ष्य में यह आवश्यक है कि हम गीता में भगवान श्री कृष्ण के इस संदेश को सर्वदा स्मरण करते हुए आवश्यक ज्ञान प्राप्त कर मानव जीवन को सफल बनाने में प्रयत्नशील रहे। अपने उत्थान एवं पतन के लिए दूसरे को जिम्मेदार ठहरना नासमझी है। कहा भी गया है की राह भटकाने के लिए अनेकों विकल्प मिलेंगे पर लक्ष्य हासिल करने के लिए एक संकल्प ही काफी है।

शिव कुमार लोहिया

संस्कार–संस्कृति–चेतना : राष्ट्र की आत्मा का पुनर्जागरण

पवन कुमार गोयनका

भारतीय सभ्यता केवल ईंट-पत्थरों से बना कोई भौगोलिक ढाँचा नहीं है, बल्कि यह संस्कार, संस्कृति और चेतना की वह सतत प्रवाहित होती हुई धारा है, जिसने हज़ारों वर्षों से इस राष्ट्र को जीवंत बनाए रखा है। यही वह अदृश्य शक्ति है, जिसने भारत को असंख्य आक्रमणों, संकटों और परिवर्तनों के बावजूद अक्षुण्ण रखा और विश्व को समय-समय पर मार्गदर्शन देने योग्य बनाया। इतिहास साक्षी है कि जब-जब भारत ने अपने संस्कारों को सहेजा, तब-तब वह विश्वगुरु बना; और जब-जब उनसे विमुख हुआ, तब-तब उसे पतन और आत्मविस्मृति की पीड़ा झेलनी पड़ी।

भारतीय चिंतन परंपरा में संस्कारों का स्थान अत्यंत ऊँचा रहा है। हमारे पौराणिक ग्रंथ इस बात के सजीव प्रमाण हैं कि संस्कार केवल व्यक्तिगत जीवन को नहीं, बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र को दिशा प्रदान करते हैं। रामायण में भगवान श्रीराम को "मर्यादा पुरुषोत्तम" इसलिए कहा गया क्योंकि उन्होंने सत्ता, सुख और सुविधा से ऊपर संस्कारों को रखा। पिता की आज्ञा का पालन, माता के प्रति अटूट श्रद्धा, भ्राताओं के साथ प्रेम और त्याग, तथा प्रजा के प्रति कर्तव्यबोध–ये सब उनके संस्कारित व्यक्तित्व के ही आयाम थे। उन्होंने यह सिद्ध किया कि सच्चा नेतृत्व वही है, जो नैतिकता और मूल्यों से संचालित हो।

इसी प्रकार महाभारत में जब युधिष्ठिर से यह प्रश्न किया गया कि "धर्म क्या है?", तो उन्होंने उत्तर दिया–"जो समाज को जोड़कर रखे, वही धर्म है।" यह जोड़ने की शक्ति किसी दंड या नियम से नहीं, बल्कि संस्कारों से आती है। भीष्म पितामह का आजीवन ब्रह्मचर्य, कर्ण का दानवीर स्वभाव, द्रौपदी का आत्मसम्मान और अर्जुन का कर्तव्यनिष्ठ जीवन–ये सभी उदाहरण इस बात को रेखांकित करते हैं कि संस्कार व्यक्ति को कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी नैतिक पथ से विचलित नहीं होने देते। पौराणिक कथाएँ केवल कथाएँ नहीं हैं, वे जीवन-मूल्यों की जीवंत पाठशालाएँ हैं।

हमारे पूर्वजों ने भले ही कोई लिखित संविधान न छोड़ा हो, किंतु समाज अनुशासित, मर्यादित और संतुलित था। इसका कारण था संस्कारों की मौखिक और आचरणगत परंपरा। घर, मंदिर, गुरुकुल और समाज–हर स्थान संस्कारशाला के रूप में कार्य करता था। बड़ों को प्रणाम करना, अतिथि को देवता के समान मानना, स्त्री का सम्मान करना, समाज के लिए त्याग और राष्ट्र के लिए बलिदान–ये सभी हमारे पूर्वजों की दी हुई अमूल्य धरोहर हैं। यही हमारी सांस्कृतिक विरासत के स्वर्णिम सूत्र हैं, जिनके कारण बिना किसी बाहरी नियंत्रण के भी समाज स्वयं अनुशासित रहता था।

आज का युग तकनीक, गति और सुविधा का युग है। यह परिवर्तन स्वाभाविक भी है और आवश्यक भी, परंतु चिंता का विषय यह है कि आधुनिकता की दौड़ में हम अपनी जड़ों से कटते जा रहे हैं। संस्कारों का स्थान धीरे-धीरे स्क्रीन ने ले लिया है, संवाद का स्थान संक्षिप्त संदेशों ने और अनुशासन का स्थान सुविधा ने। परिणामस्वरूप जीवन तो तेज़ हुआ है, पर गहराई कम होती जा रही है।

आज की युवा पीढ़ी अत्यंत प्रतिभाशाली, ऊर्जावान और नवाचारी है, परंतु कई बार अपने सांस्कृतिक मूल्यों से अनभिज्ञ दिखाई देती है। यह कहना उचित नहीं होगा कि युवा पीढ़ी संस्कारहीन है; अधिक सत्य यह है कि उसे संस्कारों से परिचित कराने की जिम्मेदारी हम ठीक से निभा नहीं पाए। हमने बच्चों को प्रतियोगिता में आगे बढ़ना तो सिखाया, पर सहयोग, संवेदना और करुणा का पाठ पीछे छूट गया। हमने उन्हें सफल होने की आकांक्षा दी, पर सार्थक बनने की दिशा कम दिखाई।

आज आवश्यकता है आत्ममंथन की। हमें यह स्वीकार करना होगा कि संस्कार कोई पुरानी, अप्रासंगिक परंपरा नहीं है, बल्कि भविष्य की अनिवार्य आवश्यकता हैं। संस्कारों के बिना शिक्षा अधूरी है और संस्कारों के बिना समाज दिशाहीन। यह जागरूकता केवल भाषणों, घोषणाओं या अभियानों से नहीं आएगी, बल्कि हमारे व्यक्तिगत और पारिवारिक आचरण से आएगी। जब माता-पिता स्वयं शिष्टाचार, संयम और अनुशासन का पालन करेंगे, तभी बच्चे स्वाभाविक रूप से उन्हें आत्मसात करेंगे।

संस्कारों की वास्तविक शुरुआत घर से होती है। घर का वातावरण, माता-पिता का व्यवहार, आपसी संवाद की भाषा और दैनिक जीवन की छोटी-छोटी आदतें–यही बच्चे के व्यक्तित्व की नींव रखते हैं। बच्चों को केवल उपदेश देने के बजाय यदि हम उन्हें कहानियों के माध्यम से, अपने पौराणिक पात्रों के उदाहरण देकर, त्योहारों और परंपराओं का अर्थ समझाकर संस्कारों से जोड़े, तो यह प्रक्रिया सहज, आनंददायक और स्थायी बन सकती है। संस्कार यदि बोझ के रूप में नहीं, बल्कि गर्व और पहचान के रूप में प्रस्तुत किए जाएँ, तो वे जीवन का अभिन्न अंग बन जाते हैं।

इस संपूर्ण प्रक्रिया में माताओं और महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारतीय संस्कृति में नारी को केवल गृहिणी नहीं, बल्कि संस्कारों की संवाहिका माना गया है। माँ की गोद पहली संस्कारशाला होती है, जहाँ से जीवन की दिशा तय होती है। यदि माताएँ अपने व्यवहार में शालीनता, संयम, करुणा, सेवा और अनुशासन को आत्मसात करती हैं, तो वही गुण अगली पीढ़ी में स्वाभाविक रूप से प्रवाहित होते हैं। समाज का नैतिक स्तर बहुत हद तक मातृशक्ति की चेतना पर निर्भर करता है।

अपनी जड़ों से जुड़ा युवा ही वैश्विक मंच पर आत्मविश्वास के साथ खड़ा हो सकता है। संस्कार उसे उसकी पहचान देते हैं, उसे मूल्यबोध प्रदान करते हैं और उसे भीड़ से अलग एक सशक्त व्यक्तित्व बनाते हैं।

साथ ही, हम सबको स्वयं से यह प्रश्न करना होगा कि हम व्यक्तिगत रूप से क्या कर रहे हैं। क्या हमारा व्यवहार, हमारी भाषा, हमारे निर्णय और हमारे संबंध संस्कारों के अनुरूप हैं? संस्कार केवल सिखाए नहीं जाते, वे जीए जाते हैं। जब समाज के प्रत्येक वर्ग में यह आत्मबोध उत्पन्न होगा, तभी वास्तविक और स्थायी जागरूकता संभव होगी।

इन्हीं उद्देश्यों को संगठित और प्रभावी रूप देने के लिए अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा संस्कारशाला परियोजना का शुभारंभ किया जा रहा है। यह परियोजना केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक सामाजिक आंदोलन है, जिसका उद्देश्य बच्चों, युवाओं, परिवारों और समाज को संस्कारों से जोड़ना है।

इस महत्त्वपूर्ण परियोजना के प्रभावी संचालन हेतु सम्मेलन के संगठनमंत्री श्री बसंत कुमार सुराणा जी को इसका राष्ट्रीय चेयरमैन नियुक्त किया गया है। उनके अनुभव, संगठन क्षमता और समाज के प्रति समर्पण से हमें पूर्ण विश्वास है कि संस्कारशाला परियोजना देशभर में सकारात्मक परिवर्तन की लहर उत्पन्न करेगी। प्रांतीय और जिला स्तर पर इसके क्रियान्वयन से यह पहल जन-जन तक पहुँचेगी और समाज में संस्कारात्मक चेतना का पुनर्जागरण होगा।

संस्कारों से सुसंस्कृत परिवार बनते हैं, सुसंस्कृत परिवारों से सशक्त समाज और सशक्त समाज से समृद्ध राष्ट्र। राष्ट्र निर्माण की यह यात्रा किसी एक दिन की नहीं, बल्कि निरंतर प्रयास, धैर्य और प्रतिबद्धता की मांग करती है। पूर्वजों की दी हुई इस अमूल्य धरोहर को हमें केवल स्मरण नहीं, बल्कि संरक्षण, संवर्धन और हस्तांतरण के साथ आगे बढ़ाना होगा।

आइए, हम सब मिलकर संस्कार, संस्कृति और चेतना की इस ज्योति को अपने घरों, समाज और राष्ट्र में पुनः प्रज्वलित करें। यही हमारे पूर्वजों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि और भावी पीढ़ी के प्रति हमारा सबसे बड़ा दायित्व है।

७७वाँ गणतंत्र दिवस समारोह

"अधिकारों के साथ कर्तव्यों का निर्वहन ही सशक्त राष्ट्र की नींव" : पवन कुमार गोयनका

देश के ७७वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय प्रांगण में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सम्मेलन के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया। ध्वजारोहण के पश्चात एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें समाज एवं राष्ट्र निर्माण से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श हुआ।

गोष्ठी की अध्यक्षता सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने जूम के माध्यम से की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि देश के स्वतंत्रता संग्राम में मारवाड़ी समाज का योगदान अतुलनीय रहा है। उन्होंने संविधान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान है, जिसने हमें बोलने, लिखने और सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि अधिकारों के साथ-साथ हमें अपने कर्तव्यों का भी निर्वहन करना चाहिए तथा सम्मेलन के उद्देश्यों–समाज सुधार, समाज विकास एवं संस्कार-संस्कृति–को आगे बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। बच्चों में संस्कार, महिलाओं के सशक्तिकरण, युवाओं की सहभागिता और भारतीय त्योहारों को मिल-जुलकर मनाने पर विशेष बल देते हुए भाईचारे और एकता को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया।

निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज हमारे पास गर्व करने के लिए बहुत कुछ है, किंतु हमें ऐसे कार्य करने होंगे कि आने वाली पीढ़ियाँ भी हम पर गर्व कर सकें। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के बलिदानियों को स्मरण करते हुए कहा कि देश की आज़ादी के लिए हजारों लोगों ने हँसते-हँसते अपने प्राण न्योछावर कर दिए। उन्होंने संस्कृत, वेद, गीता और रामायण की महत्ता बताते हुए बच्चों में भारतीय संस्कृति और मूल्यों के प्रति जागरूकता लाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नन्द लाल रुँगटा ने सभी उपस्थित सदस्यों एवं समाज बंधुओं को ७७वें गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ दीं। साथ ही भारत सरकार द्वारा हाल ही में घोषित राष्ट्रीय पुरस्कारों में अपने समाज के तीन व्यक्तियों को पद्मश्री सम्मान मिलने पर सम्मेलन की ओर से उन्हें बधाई दी। उन्होंने सम्मेलन के नारे **"म्हारो लक्ष्य राष्ट्र री प्रगति"** को कार्यों में आत्मसात करने का आह्वान किया।

निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी ने कहा कि आज ही के दिन देश ने संविधान को अंगीकार किया, ताकि सभी नागरिक एक छत के नीचे रहकर देश की सेवा कर सकें। सम्मेलन का उद्देश्य भी इसी भावना के अनुरूप एकजुट होकर देश एवं समाज की सेवा करना है।

सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदार नाथ गुप्ता ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया। उन्होंने माँ भारती की सुंदरता एवं तिरंगे की महत्ता पर आधारित एक भावपूर्ण कविता प्रस्तुत की, जिसे उपस्थित सदस्यों ने सराहा।

पूर्व रबर बोर्ड चेयरमैन डॉ. सावर धनानिया ने स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस के बीच के ऐतिहासिक अंतर, रियासतों के एकीकरण तथा संविधान निर्माण में डॉ. भीमराव अंबेडकर सहित अन्य महान विभूतियों के योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि देश के लिए बलिदान केवल १९४७ से पहले ही नहीं, उसके बाद भी अनेक लोगों ने दिए हैं, जिन्हें स्मरण करना हमारा कर्तव्य है।

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री नंदकिशोर अग्रवाल एवं सचिव श्री पंकज भालोटिया ने भी अपने विचार व्यक्त किए। सम्मेलन की वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन श्री आत्माराम सोंथलिया सहित श्री प्रदीप जीवराजका, श्री राजेश सोंथलिया, श्री अरुण कुमार गाड़ोदिया, श्री शंकर कारिवाल एवं श्री अरुण प्रकाश मल्लावत ने भी राष्ट्र एवं समाज से जुड़े विषयों पर अपने विचार साझा किए।

कार्यक्रम के अंत में सम्मेलन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री अनिल मलावत ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर सम्मेलन के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे, जिनमें पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री श्री रतन शाह, पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री दामोदर प्रसाद बिदवातका, श्री सज्जन बैरीवाल, श्री नविन जैन, श्री विश्वनाथ भुवालका, श्री राजेंद्र राजा, श्री बिनोद कुमार लिहला, श्री सज्जन खंडेलवाल, श्री अजय कुमार नांगलिया, श्रीमती सरिता लोहिया, श्री राज कुमार अग्रवाल, श्री राधा किशन सफ्फड़, श्री हर्ष भालोटिया एवं श्री सीताराम अग्रवाल प्रमुख रूप से शामिल थे।

समन्वय बैठक आयोजित

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका की अध्यक्षता में दिनांक: १३ फरवरी २०२६ को राष्ट्रीय पदाधिकारियों, प्रांतीय अध्यक्षों एवं महामंत्रियों की एक महत्वपूर्ण समन्वय बैठक Zoom के माध्यम से आयोजित की गई। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा, सदस्यता विस्तार, प्रांतीय रिपोर्टिंग, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक परियोजनाओं के संचालन तथा सम्मेलन के सुदृढ़ीकरण से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका द्वारा किया गया, जिसके पश्चात राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदार नाथ गुप्ता ने प्रांतों द्वारा भेजी जाने वाली गतिविधियों की रिपोर्ट के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि केंद्र द्वारा प्रेषित निर्धारित प्रारूप में प्रांतीय रिपोर्ट, राष्ट्रीय बैठकों के आयोजन से कम-से-कम एक सप्ताह पूर्व केंद्र को भेजी जानी चाहिए। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने इस बात पर विशेष बल दिया कि प्रांतों में हो रहे कार्यों की नियमित जानकारी केंद्र को प्राप्त होना आवश्यक है, जिससे सभी प्रांतों की गतिविधियों का समुचित मूल्यांकन एवं आदान-प्रदान संभव हो सके।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री बिनोद तोदी द्वारा सभी प्रांतों से मासिक रिपोर्ट मंगाने का सुझाव दिया गया, जिसका उपस्थित सदस्यों द्वारा समर्थन किया गया। पूर्वोत्तर प्रांत के अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा ने सुझाव दिया कि जिन प्रांतों से रिपोर्ट प्राप्त हो रही है, उनके नाम बैठक में साझा किए जाएं ताकि अन्य प्रांतों का मनोबल बढ़े। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राज कुमार मिश्रा ने प्रांत स्तर से शाखाओं तक रिपोर्टिंग प्रणाली को सुदृढ़ करने हेतु प्रपत्र भेजने का सुझाव दिया।

राष्ट्रीय बैठकों में राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों की अनुपस्थिति के विषय पर चर्चा करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोयनका ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर की बैठकों में सहभागिता सभी पदाधिकारियों की नैतिक जिम्मेदारी है तथा पद की गरिमा बनाए रखने के लिए अनावश्यक अनुपस्थिति से बचा जाना चाहिए। इस संदर्भ में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री बिनोद तोदी ने सुझाव दिया कि भविष्य में राष्ट्रीय बैठकों का आयोजन दो सत्रों में किया जाए– प्रथम सत्र में विभिन्न प्रांतों की गतिविधियों की जानकारी दी जाए तथा द्वितीय सत्र में सम्मेलन हित के विषयों पर विचार-विमर्श किया जाए। इस प्रस्ताव का समर्थन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पुरुषोत्तम सिंघानिया एवं श्री गिरधारी लाल गोयनका द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सुभाष अग्रवाल ने प्रांत प्रभारियों द्वारा बैठक से पूर्व प्रतिनिधियों से व्यक्तिगत संपर्क स्थापित कर उनको बैठकों में शामिल करने की आवश्यकता बताई, जिससे बैठकों में अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित हो सके। पश्चिम बंग प्रांत के अध्यक्ष श्री नंदकिशोर अग्रवाल ने सुझाव दिया कि राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं प्रांतीय प्रतिनिधियों के मध्य पृथक बैठक आयोजित की जानी चाहिए, जिसमें प्रांत-विशेष विषयों पर विचार-विमर्श किया जा सके। अंततः सभी सदस्यों की सहमति से राष्ट्रीय बैठकों को दो सत्रों में आयोजित करने एवं प्रत्येक बैठक से पूर्व एक पूर्व-समन्वय Zoom बैठक करने के प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त की गई।

बैठक में सदस्यता विस्तार एवं नई शाखाओं के गठन के विषय पर चर्चा करते हुए राष्ट्रीय महामंत्री ने वर्तमान स्थिति से सभी को अवगत कराया तथा विशेष रूप से दक्षिण भारत के प्रांतों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता बताई। पश्चिम बंग के प्रांतीय महामंत्री श्री पंकज भालोटिया ने जानकारी दी कि प्रांत द्वारा १२५ नए आजीवन सदस्य बनाए गए हैं, जिनमें लगभग ५०–६० महिला सदस्य भी शामिल हैं।

बैठक में बच्चों हेतु प्रतिभा सम्मान समारोह, भारतीय त्योहारों के आयोजन, होली एवं दीपावली मिलन तथा व्यवसायिक सम्मेलनों के आयोजन जैसे विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि बच्चों में नैतिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के विकास हेतु प्रेरणात्मक कार्यक्रमों एवं सेमिनारों में मोटिवेशनल स्पीकर बुलाने चाहिए, ऐसे कार्यक्रमों में बच्चों को साथ लेकर आयोजन करने पर बल दिया। इसके साथ ही श्री गोयनका ने मातृशक्ति को भी शामिल करने की बात कही ताकि बच्चों को उनके द्वारा अपने संस्कार–संस्कृति के बारे में जागरुक कर सके तथा साथ ही यह भी बताया कि इसी उद्देश्य से राष्ट्रीय स्तर पर "संस्कारशाला परियोजना" प्रारंभ की गई है, जिसके

राष्ट्रीय चेयरमैन श्री बसंत सुराणा हैं। आगे राष्ट्रीय अध्यक्ष ने राष्ट्रीय स्तर पर वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित करने के प्रस्ताव पर भी विचार करने का मन बनाया, जिसमें प्रत्येक प्रांत से चयनित प्रतिभागी सम्मिलित होंगे। राष्ट्रीय महामंत्री ने कहा कि ऐसे कार्य गत कुछ वर्षों में भी आयोजित किए गए है। जिसमें स्कुल के बच्चों के साथ विदुर नीति, चाणक्य नीति, रामायण एवं गीता के श्लोको पर चर्चाएं हुई जिसमें बच्चों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री बिनोद तोदी ने ऐसे कार्य हेतु स्वयं को आगे लाते हुए इस कार्यक्रम के संयोजक हेतु अपना नाम सभा के सामने रखा।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राज कुमार मिश्रा एवं डॉ. सुभाष अग्रवाल ने कहा कि हमें इन महत्वपूर्ण कार्यक्रम के साथ साथ व्यवसायिक सम्मेलन भी आयोजित करने चाहिए।

राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदारनाथ गुप्ता ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर सम्मेलन व्यवसाय को प्रमोट करने के लिए एक वहाट्सअप ग्रुप तैयार किया है। जिसमें लोग अपने व्यवसाय से जुड़े प्रोडक्ट का प्रमोट करते है। आगे उन्होंने इसके लिए जल्द प्रांतों को गाईडलाईन जारी करने की बात कही।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सभी पदाधिकारियों से सम्मेलन की मासिक पत्रिका "समाज विकास" हेतु अधिकाधिक विज्ञापन सहयोग प्रदान करने का अनुरोध किया तथा साथ ही उन्होंने सम्मेलन के स्थापना दिवस को सभी प्रांतों एवं शाखाओं द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर मनाने का आग्रह भी किया।

तमिलनाडु प्रांत के अध्यक्ष श्री अशोक केडिया द्वारा डॉ. सुनील श्रॉफ के साथ अंगदान विषयक ऑनलाइन बैठक आयोजित करने का प्रस्ताव रखा गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोयनका ने जानकारी देते हुए कहा कि संबद्ध संस्थाओं को सम्मेलन से जोड़ने के उद्देश्य से ₹५००० की सदस्यता राशि निर्धारित है, आगे उन्होंने हाल ही में सिक्किम में सिक्किम मारवाड़ी समाज एवं मारवाड़ी सहायता समिति, रांची को सम्मेलन की सदस्यता प्रदान किए जाने की जानकारी दी गई। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राज कुमार मिश्रा ने दिल्ली में उपस्थित विभिन्न संस्थाओं के साथ जल्द एक बैठक आयोजित करने की बात कही साथ ही राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने सितबंर अधिवेशन से अब तक के कार्यो की संक्षिप्त जानकारी सभा के साझा की। उन्होंने कहा कि सत्र के प्रारंभ से अब तक राष्ट्रीय कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया के पूरी होने के पश्चात झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में रांची में प्रथम कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई। अखिल भारतीय समिति की पिछली सत्र की समिति की एक बैठक कोलकाता में आयोजित थी। वर्तमान सत्र २०२५–२७ की नई अखिल भारतीय समिति की गठन की प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है। उपसमितियों के गठन की प्रक्रिया भी पूरी की जा चुकी है। इन उपसमितियों की बैठको में सर्वप्रथम राजनीतिक चेतना उपसमिति की बैठक फरवरी में ही आयोजित की जा चुकी है। सेमिनार उपसमिति द्वारा एक संगोष्ठी का आयोजन किया जा चुका है। सेमिनार उपसमिति द्वारा दूसरी प्रस्तावित "संगोष्ठी" विषय –'दरकते रिश्ते–टूटते संबंध, महिलाओं की भूमिका' पर आगामी २० फरवरी २०२६ को कोलकाता में आयोजित है। इस सत्र में अब तक के बने सदस्यों एवं नई शाखाओं के खुलने के बारे में सभा को अवगत कराया।

राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदारनाथ गुप्ता ने जिन प्रांतों के पास बैंक खाता एवं पैन नंबर उपलब्ध नहीं हैं, उन्हें शीघ्र बनवाने का अनुरोध किया गया।

बैठक के अंत में राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदार नाथ गुप्ता द्वारा सभी उपस्थित सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।

सम्मेलन समाचार

राजनीतिक चेतना उपसमिति की बैठक संपन्न

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय सभागार में ५ फरवरी २०२६ को राजनीतिक चेतना उपसमिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राजनीतिक चेतना उपसमिति के चेयरमैन डॉ. सावर धनानिया ने की। डॉ. धनानिया ने सभी उपस्थित महानुभावों का स्वागत किया। उपसमिति के संयोजक श्री अरुण प्रकाश मल्लावत ने बैठक की शुरुआत की एवं सभी सदस्यों का परिचय दिया।

राजनीतिक चेतना उपसमिति के चेयनमैन डॉ. सावर धनानिया ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को इस उपसमिति के गठन हेतु धन्यवाद दिया और कहा कि इस उप-समिति का उद्देश्य किसी दल या राजनीति से जुड़ना नहीं, बल्कि नागरिक जागरूकता और संवैधानिक सहभागिता को बढ़ावा देना है। हमारा संगठन एक पंजीकृत राष्ट्रीय संस्था है, इसलिए हमारी भूमिका संविधान की मर्यादा में रहकर, संतुलित और गैर-पक्षपातपूर्ण ढंग से कार्य करने की है। मारवाड़ी समाज ने देश के आर्थिक और सामाजिक विकास में बड़ा योगदान दिया है, पर नीतिगत विमर्श और शासन-प्रक्रिया में हमारी संगठित भागीदारी सीमित रही है। इस कमी को दूर करना ही इस समिति का उद्देश्य है। यह समिति जागरूकता बढ़ाएगी, दिशा-निर्देश नहीं देगी; समझ विकसित करेगी, समर्थन नहीं; और सहभागिता बढ़ाएगी, ध्रुवीकरण नहीं। हमारा कार्य संविधानसम्मत, तथ्य-आधारित और रचनात्मक सुझावों तक सीमित रहेगा, विशेष रूप से युवाओं और महिलाओं में नागरिक चेतना के विकास पर। हमें दीर्घकालिक दृष्टि के साथ सामूहिक हित को प्राथमिकता देते हुए आगे बढ़ना है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका (जूम) ने कहा कि इस समिति को बनाने का उद्देश्य आज धरातल पर दिख रहा है। यह समिति बहुत बड़ी समिति है, इसके उद्देश्य भी बहुत बड़े है। मेरा सुझाव है कि हमें इसमें हर प्रांतो को जोड़ना चाहिए। साथ ही हमें महिलाओं को भी जागरुक करना चाहिए। उनको भी जोड़ने की आवश्यकता है। उन्होंने आगे प्रत्येक प्रांतो से बात कर प्रत्येक प्रांत से इस विषय पर एक पर्यवेक्षक नियुक्त करने की बात कही।

राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदारनाथ गुप्ता ने कहा कि सबसे पहले राजनीति अपने घर से होती है। राजनीति का मतलब 'राज करने की नीति'। हमें जागरुक होना जरुरी है। चेतना का मतलब विवेक धारण करना है। सभी के लिए कानून है। हमें चेतना का अग्रसर करना जरुरी है।

बैठक में निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री श्री पवन कुमार बंसल, राजनीतिक चेतना उपसमिति के सदस्यगण श्री अरुण गाड़ोदिया, श्री नंदलाल सिंघानिया, श्री कमल नोपानी (जूम) ने भी अपने विचार रखे। अंत में राजनीतिक चेतना उपसमिति के संयोजक श्री अरुण प्रकाश मल्लावत ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

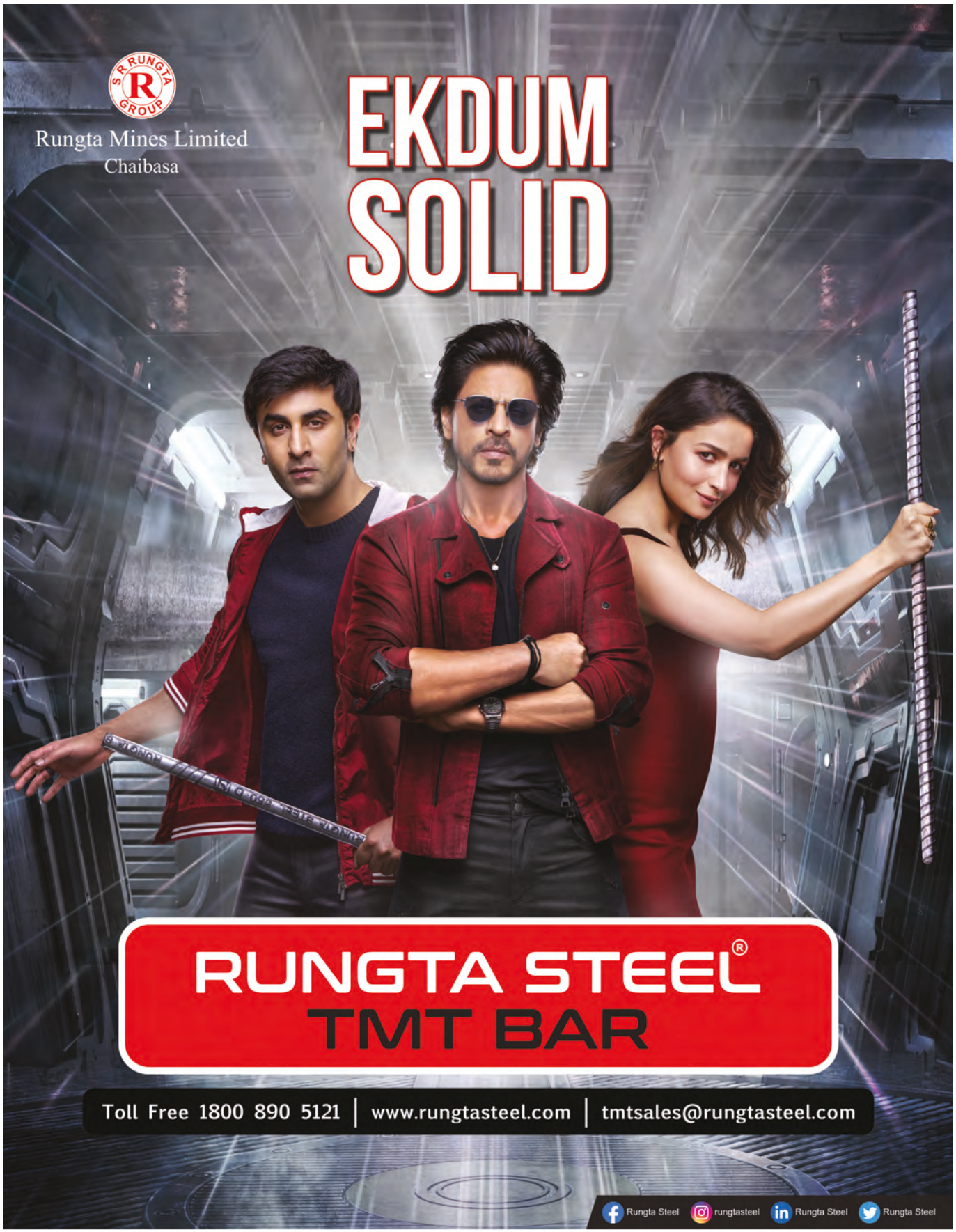

Rungta Office, Nagpur Parishad Complex, Chaibasa, Jharkhand-833201

IAC
SINCE 1959

ISO 9001:2015
ISO 14001:2015
ISO 45001:2018
NABL Accredited Lab

POWERING 47 COUNTRIES ACROSS THE WORLD

IAC Electricals Pvt Ltd is the one stop solution for providing innovative product and services to the electric power utility since 1959

PRODUCTS & SERVICES OFFERED:

- INSULATOR HARDWARE FITTINGS UPTO 1200 kV HVAC & 800 kV HVDC
- AB CABLE & OPGW FITTINGS
- POLE / DISTRIBUTION LINE HARDWARE
- EARTHING, STAY & TOWER ACCESSORIES
- HTLS CONDUCTOR ACCESSORIES & SUB-ZERO HARDWARE FITTINGS
- SUBSTATION CLAMPS & CONNECTORS
- CONDUCTOR, INSULATOR & HARDWARE TESTING FACILITY
- AB CABLES, COVERED CONDUCTORS AND ADSS CABLE ACCESSORIES

Transmission and distribution line hardwares | HTLS Conductor Testing
www.iacelectricals.com
info@iacelectricals.com
701, Central Plaza, 2/6, Sarat Bose Road, Kolkata - 700020

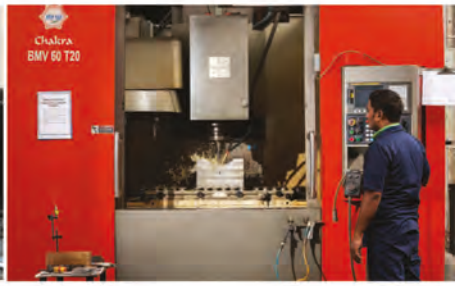

संगोष्ठी

'शादी के बाद बेटियों के जीवन में हस्तक्षेप सीमित हो'

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय सभागार, डकबैक हाउस में **दरकते रिश्ते-टूटते संबंध, महिलाओं की भूमिका...** विषय पर एक विचारोत्तेजक संगोष्ठी में वर्तमान सामाजिक परिवेश में पारिवारिक मूल्यों के क्षरण, संयुक्त परिवारों के विघटन एवं बढ़ते तलाक जैसे चिंता योग्य गंभीर विषयों पर विभिन्न वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए समाज को सार्थक दिशा देने का प्रयास किया।

वक्ता के तौर पर **श्रीमती रीना तुलस्यान** ने कहा कि आज के समय में महिलाओं एवं युवाओं में धैर्य की कमी देखने को मिल रही है। जिस प्रकार कच्ची मिट्टी को समय रहते आकार देकर घड़ा बनाया जाता है, उसी प्रकार बच्चों के बाल्यकाल में ही उन्हें सही एवं गलत का भेद सिखाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विवाह के उपरांत बेटियों को नए परिवेश में ढलने के लिए समय एवं स्वतंत्रता देना अत्यंत आवश्यक है, जिससे वे अपने नए परिवार को समझ सकें और उसमें सहजता से समाहित हो सकें।

अन्य वक्ता **श्रीमती रश्मि टांटिया** ने कहा कि टूटते रिश्तों को बचाने के लिए बच्चों को प्रारंभ से ही उत्तम शिक्षा एवं संस्कार प्रदान करना अनिवार्य है। आज की प्रमुख समस्या बच्चों का जिद्दी स्वभाव एवं कर्म क्षेत्र के कारण परिवार से दूरी है। उन्होंने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि आधुनिक शिक्षा एवं वैश्विक अवसरों के कारण युवा पीढ़ी संयुक्त परिवारों से दूर होती जा रही है, जिससे पारिवारिक संरचना प्रभावित हो रही है। ऐसे में माता-पिता का दायित्व है कि वे अपने बच्चों को संयुक्त परिवार की महत्ता एवं वृद्धावस्था में आने वाली सामाजिक एवं भावनात्मक आवश्यकताओं से अवगत कराएँ।

जूम के माध्यम से जुड़े राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री पवन कुमार गोयनका** ने कहा कि आज समाज के प्रत्येक वर्ग में पारिवारिक संबंधों में दरार एक गंभीर समस्या बन चुकी है। उन्होंने कहा कि बच्चों को संस्कार एवं संस्कृति से जोड़ना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। महिलाओं की सहभागिता को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि वे परिवार की रीढ़ होती हैं और परिवार को जोड़ने अथवा टूटने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

विषय प्रवर्तन करते हुए सेमिनार उपसमिति के चेयरमैन **डॉ. संजय हरलालका** ने कहा कि परिवर्तनशील समय में बच्चों, युवाओं एवं महिलाओं की भावनाओं एवं अपेक्षाओं को समझना आवश्यक है। उन्होंने समाज सुधारकों के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि महिलाओं की शिक्षा एवं सशक्तिकरण ने समाज को नई दिशा प्रदान की है। वर्तमान में संयुक्त परिवारों का विघटन, बुजुर्गों के प्रति असम्मान एवं तलाक की बढ़ती घटनाओं के पीछे सहनशीलता में कमी एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग प्रमुख कारण है। समाज सुधार में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिस पर गंभीर मंथन की आवश्यकता है।

राष्ट्रीय महामंत्री **श्री केदारनाथ गुप्ता** ने संचालन करते हुए कहा कि तथाकथित आधुनिकता के इस दौर में रिश्तों में संवादहीनता, अहंकार एवं समयाभाव के कारण दूरियाँ बढ़ती जा रही हैं। महिलाएँ केवल गृहस्थी तक सीमित न होकर रिश्तों को जोड़ने वाली सूत्रधार होती हैं। यदि वे धैर्य एवं संवेदनशीलता के साथ अपनी भूमिका निभाएँ, तो बिखरते परिवारों तथा तलाक को रोका जा सकता है।

इसके अलावा राजनीतिक चेतना उपसमिति के चेयरमैन डॉ. सावर धनानिया, बासुदेव अग्रवाल, नंदलाल सिंघानिया, श्रीमती सरिता लोहिया, श्रीमती सुनीता हरलालका एवं श्रीमती सुमित्रा धनानिया ने भी अपने विचार रखे।

कार्यक्रम के अंत में सेमिनार उपसमिति के संयोजक **श्री विष्णु अग्रवाल** ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सुभाष अग्रवाल सहित अजय नांगलिया, सीताराम अग्रवाल, गोपाल प्र. झुनझुनवाला, संदीप सेक्सरिया, पियुष क्याल, सज्जन बेरीवाल, सांवरमल शर्मा, श्रीमती सुमन तुलस्यान, प्रदीप गुप्ता, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, रमेश कुमार शोभासरिया, गौतम सराफ, शशि अग्रवाल, जय शुक्ला, पी.के. दीवान, सुरेश कुमार शर्मा सहित जूम के माध्यम से बिहार से महेश जालान, दिल्ली से सज्जन शर्मा, महाराष्ट्र से सुदेश करवा, कर्नाटक से शिव कुमार टेकरीवाल, श्रीमती उर्मिला बंका, अशोक केडिया, ओम प्रकाश बिहानी, अशोक लाडिया, अंशुमन जाजोदिया, प्रमोद पाटोदिया, कमल कुमार बैद, सौरभ गुप्ता, ओम अग्रवाल एवं राजेंद्र कलानी सहित अनेक गणमान्य सदस्य संगोष्ठी में शरीक हुए।

सम्मेलन की नवगठित उपसमितियाँ (सत्र २०२५-२७)

सलाहकार एवं अनुशासन उपसमिति

चेयरमैन
श्री सीताराम शर्मा
संयोजक
श्री आत्माराम सोंथलिया
पदेन सदस्य
श्री पवन कुमार गोयनका
श्री केदार नाथ गुप्ता
सदस्यगण
श्री नन्द लाल रुँगटा
डॉ. हरि प्रसाद कानोड़िया
पद्मश्री प्रह्लाद राय अगरवाला
श्री संतोष सराफ
श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया
श्री शिव कुमार लोहिया
श्री रतन शाह
श्री संजय हरलालका
श्री कैलाशपति तोदी

सीताराम रुँगटा मारवाड़ी सम्मेलन भवन उपसमिति

चेयरमैन
श्री संतोष सराफ
संयोजक
श्री पवन कुमार जालान
पदेन सदस्य
श्री पवन कुमार गोयनका
श्री केदार नाथ गुप्ता
सदस्यगण
श्री सीताराम शर्मा
श्री नन्द लाल रुँगटा
डॉ. हरि प्रसाद कानोड़िया
पद्मश्री प्रह्लाद राय अगरवाला
श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया
श्री आत्माराम सोंथलिया
श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका

उच्च शिक्षा उपसमिति

चेयरमैन
डॉ. हरि प्रसाद कानोड़िया
संयोजक
श्री संतोष सराफ
पदेन सदस्य
श्री पवन कुमार गोयनका
श्री केदार नाथ गुप्ता
सदस्यगण
श्री सीताराम शर्मा
श्री नन्द लाल रुँगटा
पद्मश्री प्रह्लाद राय अगरवाला
श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया
श्री संजय गोयनका
श्री बृज मोहन गाड़ोदिया
श्री बिनय सिंघानिया
श्री भगवान दास अग्रवाल
श्री अमित सरावगी

पुरस्कार चयन उपसमिति

चेयरमैन
पद्मश्री प्रह्लाद राय अगरवाला
संयोजक
श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया
पदेन सदस्य
श्री पवन कुमार गोयनका
श्री केदार नाथ गुप्ता
सदस्यगण
श्री सीताराम शर्मा
श्री नन्द लाल रुँगटा
श्री संतोष सराफ
श्री रतन शाह
श्री संजय हरलालका
श्री कमल कुमार केड़िया

वित्तीय उपसमिति

चेयरमैन
श्री आत्माराम सोंथलिया
संयोजक
श्री कैलाशपति तोदी
पदेन सदस्य
श्री पवन कुमार गोयनका
श्री केदार नाथ गुप्ता
सदस्यगण
श्री गोपाल अग्रवाल
श्री पवन कुमार जालान
श्री विजय डोकानिया
श्री दीपक छापड़िया
श्री अतुल चुड़िवाल
श्री राजेश कुमार सोंथलिया
श्री श्रवण केड़िया

मायड़ भाषा उपसमिति

चेयरमैन
श्री रतन शाह
संयोजक
श्री जगदीश प्रसाद सिंघी
पदेन सदस्य
श्री पवन कुमार गोयनका
श्री केदार नाथ गुप्ता
सदस्यगण
श्री संजय हरलालका
श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला
श्री तपन गाड़ोदिया
श्री प्रकाश कुमार पारख
श्री अमित डाबरीवाल

समाज सुधार एवं समरसता उपसमिति

चेयरमैन
श्री अनिल जाजोदिया
संयोजक
श्री अमित मुंधड़ा
पदेन सदस्य
श्री पवन कुमार गोयनका
श्री केदार नाथ गुप्ता
सदस्यगण
श्री कैलाशपति तोदी
डॉ. श्याम सुंदर हरलालका
श्री ओमप्रकाश अग्रवाल
श्री अरुण चुड़िवाल
श्री मधुसूदन सिकरिया
श्री जगदीश गोलपुरिया

संस्कार-संस्कृति-चेतना उपसमिति

चेयरमैन
श्री संदीप गर्ग
संयोजक
श्री प्रह्लाद राय गोयनका
पदेन सदस्य
श्री पवन कुमार गोयनका
श्री केदार नाथ गुप्ता
सदस्यगण
श्री बिश्वनाथ भुवालका
श्री विजय संकलेचा
श्री अंजनी धानुका
श्री रंजीत कुमार जालान
श्री कमलेश कुमार नाहटा
श्री मनमोहन जैन

निर्देशिका सह जनसंपर्क उपसमिति

चेयरमैन
श्री लक्ष्मीपत भुतोड़िया
संयोजक
श्री विष्णु कुमार तुलस्यान
पदेन सदस्य
श्री पवन कुमार गोयनका
श्री केदार नाथ गुप्ता
सदस्यगण
श्री मन्नालाल बैद
श्री प्रकाश कुमार पारख
श्री संदीप सेक्सरिया
श्री राजेश ककरानियां

सेमिनार उपसमिति

चेयरमैन
श्री संजय हरलालका
संयोजक
श्री विष्णु अग्रवाल
पदेन सदस्य
श्री पवन कुमार गोयनका
श्री केदार नाथ गुप्ता
सदस्यगण
श्री राजेश ककरानियां
श्री दीपक जालान
श्री प्रदीप जालान
श्री राजेश पोद्दार
श्री मुकेश कुमार जैन
श्री राजेश बंजाज
श्री संदीप सेक्सारिया
श्री उत्तम गुप्ता

राजनीतिक चेतना उपसमिति

चेयरमैन
डॉ. सावर धनानियाँ
संयोजक
श्री अरुण प्रकाश मल्लावत
पदेन सदस्य
श्री पवन कुमार गोयनका
श्री केदार नाथ गुप्ता
सदस्यगण
श्री पवन बंसल
श्री कमल नोपानी
श्री दीपक बंका
श्री नंद किशोर अग्रवाल
श्री नन्दलाल सिंघानिया
श्री अरुण गाड़ोदिया
श्री बीरेंद्र धोका
श्री गोपी राम धुवालिया

स्वास्थ्य उपसमिति

चेयरमैन
श्री बृज मोहन गाड़ोदिया
संयोजक
श्री अनिल कुमार मल्लावत
पदेन सदस्य
श्री पवन कुमार गोयनका
श्री केदार नाथ गुप्ता
सदस्यगण
श्री राज कुमार केड़िया
श्री पवन जालान
सुश्री श्वेता शर्मा
डॉ. विकास अग्रवाल (ईएनटी विशेषज्ञ)
डॉ. साधना गुप्ता (स्त्री रोग विशेषज्ञ)
डॉ. चेतन कांबरा (हड्डी रोग विशेषज्ञ)
डॉ. दीपक गुप्ता (शल्य चिकित्सक)
डॉ. सुनील ओझा (मूत्र रोग विशेषज्ञ)
डॉ. राजेन्द्र कुमार अग्रवाल (शल्य चिकित्सक)
डॉ. सुमित पड़िवाल (बाल रोग विशेषज्ञ)
डॉ. विलास लेढा (सामान्य चिकित्सक)

विधिक उपसमिति

चेयरमैन
श्री प्रदीप जीवराजका
संयोजक
अशोक पुरोहित सी.एस.
पदेन सदस्य
श्री पवन कुमार गोयनका
श्री केदार नाथ गुप्ता
सदस्यगण
श्री संतोष अग्रवाल
शोभित छावछरिया सीए
श्री राज कुमार शर्मा
श्री ओमप्रकाश झुनझुनवाला
श्री नन्दलाल सिंघानिया

रोजगार सहायता उपसमिति

चेयरमैन
श्री दिनेश कुमार जैन
संयोजक
श्री राजेश कुमार सोंथलिया
पदेन सदस्य
श्री पवन कुमार गोयनका
श्री केदार नाथ गुप्ता
सदस्यगण
श्री गिरधर झुनझुनवाला
सुश्री श्वेता शाह सीए
श्री विजय जैन सीए
श्री दीपक कुमार छापड़िया सीए

प्रोफेशनल सेल उपसमिति

चेयरमैन
श्री राज कुमार नाहटा
संयोजक
श्री बिनय सिंघानिया
पदेन सदस्य
श्री पवन कुमार गोयनका
श्री केदार नाथ गुप्ता
सदस्यगण
श्री प्रदीप जीवराजका
श्री रमेश गोयनका
श्री नारायण प्रसाद जैन
सुश्री ममता बिनानी
श्री ओमप्रकाश झुनझुनवाला
श्री पंकज सरावगी
सुश्री कविता बर्डिया

सूचना तकनीक एवं वेबसाइट उपसमिति

चेयरमैन
श्री कैलाशपति तोदी
संयोजक
श्री अजय अग्रवाल
पदेन सदस्य
श्री पवन कुमार गोयनका
श्री केदार नाथ गुप्ता
सदस्यगण
श्री संजय गोयनका
श्री सज्जन बेरिवाल
श्री पवन जैन
श्री प्रमोद अग्रवाल

वैवाहिक प्रकोष्ठ एवं पारिवारिक रिश्ते उपसमिति

चेयरमैन
श्री रामानंद रुस्तगी
संयोजक
श्री महेश जालान
पदेन सदस्य
श्री पवन कुमार गोयनका
श्री केदार नाथ गुप्ता
सदस्यगण
श्री संतोष सराफ
श्री सुभाष चंद खंडेलवाल
श्री गोपी राम धुवालिया
श्री संजय शर्मा
सुश्री सरला सिंघानिया
श्री अजय कुमार नांगलिया

राष्ट्रीय अध्यक्ष का दो दिवसीय महाराष्ट्र दौरा

२१ फरवरी २०२६ को प्रांतीय दौरो की श्रृंखला में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका द्वारा दो दिवसीय महाराष्ट्र दौरे के दौरान अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन से संबद्ध महाराष्ट्र प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की मुंबई शाखा का शुभारंभ शनिवार को अंधेरी (ईस्ट) स्थित सुनील पाटोदिया टॉवर में अत्यंत गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन कुमार गोयनका मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गोकुलचंद बजाज, महाराष्ट्र के प्रांतीय अध्यक्ष निकेश गुप्ता, मुंबई विभागीय प्रांतीय उपाध्यक्ष सुनील खाबिया, पश्चिम महाराष्ट्र प्रांतीय उपाध्यक्ष विनोद काकानी (इचलकरंजी)प्रांतीय संयुक्त मंत्री भरत गुर्जर तथा मुंबई शाखा के संयोजक प्रमोद पाटोदिया मंचासीन थे।

श्री प्रमोदजी पाटोदिया को मुंबई शाखा का संयोजक नियुक्त किया गया एवं उनके नेतृत्व में शीघ्र ही मुंबई शाखा का गठन किया जाएगा।

अपने उद्‌बोधन में श्री पवन कुमार गोयनका ने कहा कि महाराष्ट्र में भी संस्था लंबे समय से समाजोत्थान के विभिन्न कार्यों में संलग्न है। अब मुंबई में कार्यालय की स्थापना, श्री प्रमोद पाटोदिया के नेतृत्व में, सामाजिक गतिविधियों को नई दिशा और गति प्रदान करेगी। उन्होंने आगे कहा कि संस्था राष्ट्र एकता को सुदृढ़ करने, जरूरतमंदों को चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने, महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने, शिक्षा के प्रसार, नशा मुक्ति जागरूकता अभियान तथा युवाओं को व्यवसाय एवं उद्यमिता के लिए प्रेरित करने जैसे अनेक सामाजिक एवं रचनात्मक कार्यों का संचालन करती है।

प्रांतीय अध्यक्ष श्री निकेश गुप्ता ने महाराष्ट्र प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की गतिविधियों की जानकारी दी।

कार्यक्रम में समाज के अनेक गणमान्य बंधुओं की गरिमामय उपस्थिति रही और सभी ने मुंबई शाखा के शुभारंभ पर हर्ष व्यक्त करते हुए इसे समाजहित में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

इस अवसर पर श्री सुनील मदन लाल खबिया, श्री विनोद कांकाणी, श्री जय प्रकाश अग्रवाल, श्री प्रदीप शर्मा, श्री मदन गोपाल बगरी, श्री रमेश गोयनका, श्री सुभाष चौधरी, श्री ओंकार चौधरी, श्री अशोक चिरानिया, श्री शशिकांत कनोड़िया, श्री बिनोद कुमार भीमसरिया, श्री दीपेन्द्र बिनोद भीमसरिया, श्रीमती पिंकी भरतिया, श्री नंदकिशोर भरतिया, श्री भरत वि. गुर्जर, श्री संदीप मित्तल, श्री राम रतन चिरानिया, श्री लालचंद चौधरी, श्री पवन कुमार गनेरीवाल, श्री रवि कुमार जाजोदिया, श्री जीतेन्द्र कुमार कोठारी, श्री पवन अग्रवाल, श्री अनिल अग्रवाल, श्री प्रमोद पटोदिया एवं अन्य समाजबंधु उपस्थित थे।

२२ फरवरी २०२६ को दौरे के दूसरे दिन अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने समृद्धि अपार्टमेंट, भयंदर में आयोजित साधारण सभा में मारवाड़ी सम्मेलन की भाईंदर शाखा का गठन प्रक्रिया का शुभारंभ किया। जिसमें सर्वसम्मति से श्री संजय पोदार को आगामी शाखाध्यक्ष चुना गया। और २० से अधिक नए सदस्य भी बनाए गए।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गोकुल चंद्र बजाज ने आए हुए सभी सदस्यों एवं मेहमानों का अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं महाराष्ट्र प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की तरफ से अभिनंदन एवं स्वागत किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन गोयनका ने सम्मेलन के इतिहास, वर्तमान में किये जा रहे कार्यक्रमों एवं भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला एवं उपस्थित समाज बंधुओ से सम्मेलन के साथ जुड़ने एवं समाज सुधार, समाज कल्याण एवं राष्ट्र निर्माण के लिए योगदान एवं सहयोग की अपील की।

तत्पश्चात राष्ट्रीय अध्यक्ष ने भाईंदर में मारवाड़ी सम्मेलन की शाखा खोलने का आह्वान किया जिसका सभी उपस्थित समाज

बंधुओ एवं सदस्यों ने स्वागत किया। उसके बाद श्री महेंद्र जी रूंगटा ने श्री संजय पोदार का नाम शाखा अध्यक्ष के रूप में प्रस्तावित किया जिसका उपस्थित सभी समाज बंधुओ ने एवं सदस्यों ने समर्थन किया एवं सर्वसम्मति से श्री संजय पोद्दार को भयंदर शाखा का अगामी शाखाध्यक्ष निर्वाचित किया गया। सभी ने नवनिर्वाचित का अध्यक्ष श्री संजय पोदार को बधाई दी एवं शुभकामनाएं दी और उनको सम्मानित किया गया। उपस्थित समाज बंधुओ ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये। श्री संजय पोदार ने अपने अध्यक्ष अध्यक्षीय भाषण में निकट भविष्य में कम से कम १०० और मेंबरों को शाखा से जोड़ने एवं शीघ्र ही एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित करने का आश्वासन दिया। सभा का सफल संचालन श्री महेंद्र रूंगटा ने किया।

अंत में धन्यवाद ज्ञापन श्री महेंद्र जी रूंगटा ने दिया एवं राष्ट्रगान के साथ सभा समाप्त की घोषणा की गई।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाजबंधु श्री चंद्र कांत कारीवाला, श्री सुभाष कारीवाला, श्री सुभाष बिदावतका, श्री राकेश जाजोदिया, श्री गिरीश शर्मा, श्री नव रतन मूंधड़ा, श्री राजकुमार खेमका, श्री नरेंद्र शर्मा, श्री विजय अग्रवाल, श्री मूलचंद तोषनीवाल, श्री हितेश पुरोहित, श्री पवन अग्रवाल, श्री संजय पोद्दार, श्री नारायण सलामपुरिया, श्री अशोक खेड़िया, श्री एसके थानवी, राजकुमार बियाला, श्री धर्मेंद्र अग्रवाल, श्री नटवर बजाज एवं श्री दीनदयाल बजाज एवं अन्य उपस्थित रहे।

मुंबई शाखा के गठन हेतु प्रभारी नियुक्त

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन से संबद्ध महाराष्ट्र प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की मुंबई शाखा के शुभारंभ हेतु शनिवार २१ फरवरी को अंधेरी ईस्ट स्थित सुनील पाटोदिया टावर में एक बैठक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन कुमार गोयनका मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर पवन कुमार गोयनका ने कहा कि मारवाड़ियों के संस्था की लगभग ९० वर्ष पुरानी परंपरा है और देश के २५ राज्यों में इसकी ४०० से अधिक शाखाएं जनहित में कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र में संस्था पहले से ही समाज के बेहतरी के लिए कार्य कर रही है। मुंबई शाखा के गठन कार्य को गति प्रदान करने के लिए श्री प्रमोद पाटोदिया को प्रभारी नियुक्त किया गया। मुंबई शाखा के प्रभारी श्री प्रमोद पाटोदिया के नेतृत्व में कार्यालय स्थापित होने से कार्यों को और गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि संस्था राष्ट्र एकता, जरूरतमंदों को मेडिकल सहायता, महिला सशक्तिकरण, सेमिनार, शिक्षा, नशा मुक्ति के लिए जागरूकता और युवाओं को व्यवसाय के लिए प्रेरित करने जैसे सामाजिक कार्य करती है। कार्यक्रम में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गोकुल बजाज, महाराष्ट्र प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष निकेश गुप्ता, प्रांतीय उपाध्यक्ष सुनील खाबिया, प्रांतीय संयुक्त मंत्री भरत गुर्जर, संयोजक प्रमोद पाटोदिया, संदीप मित्तल, विनोद कानकानी, रमेश गोयनका, लालचंद चौधरी, राम रतन चिरानिया और सीएस अनिल अग्रवाल, प्रदीप शर्मा सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

सावधान !

इन दिनों भिन्न-भिन्न तरीकों से रुपये ठगने का गलत धन्धा चल रहा है। उदाहरणस्वरूप आपके पास किसी का फोन आ सकता है, जिसमें आपके किसी परिचित का नाम और फोटो फोन करने वाले के स्थान पर हो सकता है। अपने को उस परिचित का पारिवारिक सदस्य बताकर मुसीबत में होने की वजह से पैसे मांग सकता है, या अन्य किसी तरीके से ठगने का प्रयास कर सकता है, कृपया किसी के चक्कर में न पड़ें तथा सावधान रहें। इसी तरह के अन्य तरीके भी हो सकते हैं। कृपया सचेत रहें।

– अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

भाईंदर शाखा का गठन

"संजय पोदार बने शाखाध्यक्ष"

दिनांकः २२-२-२०२६ को समृद्धि अपार्टमेंट, भाईंदर में आयोजित साधारण सभा में मारवाड़ी सम्मेलन की भाईंदर शाखा का गठन संपन्न हुआ जिसमें सर्वसम्मति से श्री संजय पोदार को शाखाध्यक्ष चुना गया। और २० से अधिक नए सदस्य भी बनाए गए। बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे जिसमें मुख्य रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका, उपाध्यक्ष श्री गोकुल चंद बजाज, संयोजक श्री महेंद्र रूंगटा, श्री चंद्र कांत कारीवाला, श्री सुभाष कारीवाला, श्री सुभाष बिदावतका, श्री राकेश जाजोदिया, श्री गिरीश शर्मा, श्री नव रतन मूंधड़ा, श्री राजकुमार खेमका, श्री नरेंद्र शर्मा, श्री विजय अग्रवाल, श्री मूलचंद तोषनीवाल, श्री हितेश पुरोहित, श्री पवन अग्रवाल, श्री संजय पोदार, श्री नारायण सलामपुरिया, श्री अशोक खेड़िया, श्री एसके थानवी, राजकुमार बियाला, श्री धर्मेंद्र अग्रवाल, श्री नटवर बजाज एवं श्री दीनदयाल बजाज एवं अन्य उपस्थित रहे।

सभा का सफल संचालन श्री महेंद्र रूंगटा ने किया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गोकुल चंद्र बजाज ने आए हुए सभी सदस्यों एवं मेहमानों का अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं महाराष्ट्र प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की तरफ से अभिनंदन एवं स्वागत किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने भाईंदर में मारवाड़ी सम्मेलन की शाखा खोलने का आह्वान किया, जिसका सभी उपस्थित समाज बंधुओ एवं सदस्यों ने स्वागत किया। उसके बाद श्री महेंद्र जी रूंगटा ने श्री संजय जी पोदार का नाम शाखा अध्यक्ष के रूप में प्रस्तावित किया जिसका उपस्थित सभी समाज बंधुओ ने एवं सदस्यों ने समर्थन किया एवं सर्वसम्मति से श्री संजय पोदार को भाईंदर शाखा का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। सभी ने नवनिर्वाचित का अध्यक्ष श्री संजय पोदार को बधाई दी एवं शुभकामनाएं दी और उनको सम्मानित किया गया। उपस्थित समाज बंधुओ ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये। श्री संजय पोदार ने अपने अध्यक्ष अध्यक्षीय भाषण में निकट भविष्य में कम से कम १०० और मेंबरों को शाखा से जोड़ने एवं शीघ्र ही एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित करने का आश्वासन दिया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन श्री महेंद्र जी रूंगटा ने दिया एवं राष्ट्रगान के साथ सभा समाप्त की घोषणा की गई।

राजस्थानी भाषा को मान्यता देने का अनुरोध

राजस्थानी भाषा की मान्यता के लिए केंद्रीय गृह मंत्री माननीय श्री अमित शाह जी को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से एक अनुरोध पत्र दिनांकः ९ नवंबर २०२४ एवं दिनांकः २४ जनवरी २०२६ को राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा तथा राजस्थान सरकार के स्कूल शिक्षा, संस्कृत एवं पंचायती राज विभाग के कैबिनेट मंत्री श्री मदन दिलावर को भेजा गया था।

गुन्टर शाखा का गठन

दिनांक: २६ जनवरी २०२६, सोमवार को ७७वाँ गणतंत्र दिवस के उपलक्ष में "आंध्रप्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन" के शाखा अध्यक्ष ओमप्रकाश अग्रवाल की अध्यक्षता में आंध्रप्रदेश की ५ वीं शाखा का गुन्टर में **"गुन्टर मारवाड़ी सम्मेलन"** के नाम से गठन किया गया। इस सभा मे करीब करीब ४० सदस्यों ने भाग लेकर सम्मेलन बनाने में अपनी रुची दिखाई। इस सभा में २५ सदस्यों ने अपनी सदस्यता फार्म भर रुची दिखाई। सर्व सहमती से "गुन्टर मारवाड़ी सम्मेलन" के शाखा अध्यक्ष के रूप में श्रीमान जगदीश सिह राजपुरोहित और कुल १६ सदस्यों की कार्यकारणी कमेटी बनाई गई।

रक्तदान महादान

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के **९१वाँ स्थापना दिवस एवं ७७वाँ गणतन्त्र दिवस** के उपलक्ष में विशाखापट्टनम मारवाड़ी सम्मेलन के शाखा अध्यक्ष श्री पोडेश्वर पुरोहित के अध्यक्षता में दिनांक: २५ जनवरी २०२६ को King George Hospital, Visakhapatnam में सुबह ९-०० बजे से भव्य ब्लड कैम्प का आयोजन किया गया।

इस कैम्प में हॉस्पिटल शासन डॉ. श्री चन्द्र शेखर नायडू (M.S. Ortho)- डिप्टी सुपरिटेंडेंट, डॉ. श्रीमती सुनीता रानी - मेडिकल ऑफिसर, श्री T.V.S. नायडू - मेडिकल ऑफीसर और अन्य सहायक डाक्टर एवं स्टाफ १४ सदस्यों की टीम ने मिल कर इस कार्यक्रम को सफल बनाने में पुरा सहयोग दिया।

कुल ६० सदस्यों ने मेगा ब्लड कैंप में अपनी रुची दिखाई परन्तु स्वास्थ्य असुविधा होने के कारण ५२ सदस्यों को रक्तदान की स्वीकृती मिली, इस कार्यक्रम में महिला शक्ति ने भी भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

मेगा ब्लड कैम्प में विशाखापट्टनम मारवाड़ी सम्मेलन के शाखा अध्यक्ष पोडेश्वर पुरोहित, सचिव राजेश कुमार कोठारी, उपाध्यक्ष खेतसिह राजपुरोहित, संतोष कुमार बुस्सा, सुनील कुमार राठी, उपसचिव राजेश कुमार भंसाली, सीताराम शर्मा, कोषाध्यक्ष दिनेश कुमार जैन, कमेटी मेम्बर जितेंद्र शर्मा, प्रकाश कुमार राजपुरोहित, प्रकाश लाल मारतीया, प्रमोद जैन, संरक्षक संजय परसरामका एवं समाज के बंधुओ ने मिलकर इस कार्यक्रम को सफल बनाने में पुरा सहयोग दिया। विशेष कर श्रीकाकुलम मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री बाबूलाल पोद्दार, सचिव संजय अग्रवाल, ओर शांतिलाल उपाध्याय, हर्षित अग्रवाल, पधारकर मेगा ब्लड कैम्प की शोभा बढ़ाई।

आदर्श विवाह हेतु लोहिया एवं शर्मा परिवार का अभिनंदन

गुवाहाटी २२ फरवरी को तुलसी ग्रांड में **आयुष्मान पुलकित (सुपुत्रः श्रीमती सरिता - श्री विनोद कुमार जी लोहिया)** एवं **आयुष्मती प्राशी (सुपुत्री : श्रीमती ममता देवी - श्री मंगल जी शर्मा)** का पाणिग्रहण संस्कार **दिवा लग्न** में विधी विधान सम्मत सम्पन्न हुआ।

इस आदर्श विवाह की प्रत्यक्षदर्शी समाज बंधुओं ने विवाह की सादगी तथा रिती रिवाज को महत्व देने की चर्चा करते हुए, **प्री-वेडिंग शूट से परहेज, भौंडे गानों की पाबंदी, महिला तथा पुरुषों की मिलनी कागज के ४ रूपये, मद्यपान निषेध, दिन में परिवार की उपस्थिति में विवाह संस्कार** को आज के इस आधुनिक युग में सभी को प्रेरित करने वाले की संज्ञा से विभूषित किया।

इस "आदर्श विवाह" पर पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा मंचों से समाज को जागरूक करते हुए आदर्श विवाह के लिए अभिवाहक तथा युवाओं को आगे आकर उदाहरण प्रस्तुत करने का अनुरोध किया तथा इस प्रकार आदर्श विवाह करने वाली दम्पति तथा परिवार का अभिनंदन करने की मुहीम चलाई।

पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से नव युगल दम्पति तथा दोनो ही परिवारों का अभिनंदन करते हुए अभिनंदन पत्र मंच पर वाचन करते हुए परिजनों को सौंपा।

असम कैबिनेट मंत्री से भेंट वार्ता

प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा ने १६ जनवरी को असम सरकार के माननीय कैबिनेट मंत्री श्री जयंत मल्ला बरुआ से उनके निवास पर शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर श्री काबरा ने सम्मेलन के निर्माणाधीन छात्रावास से संबंधित विभिन्न कार्यों एवं प्रक्रियाओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए उनसे सरकारी स्तर पर लंबित कार्यों को शीघ्र गति प्रदान करने हेतु विशेष अनुरोध किया। उन्होंने छात्रावास परियोजना को समाज के विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी बताते हुए इसके शीघ्र पूर्ण होने की आवश्यकता पर जोर दिया।

माननीय मंत्री श्री जयंत मल्ला बरुआ ने विषय को गंभीरता से सुनते हुए छात्रावास से संबंधित कार्यों में पूरा सहयोग एवं सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि समाजहित से जुड़े ऐसे प्रकल्पों को सरकार सदैव प्रोत्साहन देती है और आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाएगा।

वार्षिक साधारण सभा आयोजित

स्थानीय किरणश्री होम, आठगांव में २० जनवरी को मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी ग्रेटर शाखा की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन किया गया। सभा की अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष श्री दीपक पोद्दार ने की। इस अवसर पर पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) श्री विनोद लोहिया एवं प्रांतीय संगठन मंत्री श्री मनोज जैन काला की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभा का संचालन शाखा सचिव श्री अरविंद सराफ द्वारा किया गया। कार्यवाही के दौरान शाखा सचिव ने अपने पिछले कार्यकाल की गतिविधि रिपोर्ट प्रस्तुत की, वहीं कोषाध्यक्ष श्री संतोष चौधरी ने गत वित्तीय वर्ष का आय-व्यय विवरण सभा के समक्ष रखा, जिसे सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से पारित किया गया। इस अवसर पर प्रांतीय पदाधिकारियों द्वारा शाखा सदस्यों को आजीवन सदस्यता प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। साथ ही सत्र २०२५-२७ के लिए १५ सदस्यीय नवगठित कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से चयन किया गया। इसके अंतर्गत श्री दीपक पोद्दार को अध्यक्ष, श्री रवि सुरेका को उपाध्यक्ष, श्री अरविंद सराफ को सचिव, श्री शैलेश अग्रवाल को संयुक्त सचिव तथा श्री अमित गोयल को कोषाध्यक्ष चुना गया। इसके अतिरिक्त श्री विकास पट वारी, श्री मनोज लाहोटी, श्री विकाश पगडिया, श्री अनिल सराफ, श्री जय प्रकाश पोद्दार, श्रीमती रेणु चौधरी, श्रीमती सुमिता सिंघल, श्रीमती आरती बागड़ी, श्रीमती करिश्मा जालान एवं श्रीमती डॉली चौधरी को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में चयनित किया गया।

बिजनी महिला शाखा का गठन

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की बिजनी महिला शाखा का विधिवत गठन अत्यंत गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में प्रान्तीय उपाध्यक्ष श्री राजेन्द्र हरलालका, मण्डलीय उपाध्यक्ष श्री श्रीधर शर्मा, सहायक मंत्री श्रीमती स्मिता धिरासरिया तथा बरपेटा रोड शाखा के अध्यक्ष श्री संजय चिड़िया की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर मातृशक्ति की १९ बहनों ने सम्मेलन की सदस्यता ग्रहण कर संगठन को सशक्त आधार प्रदान किया।

सर्वसम्मति से बिजनी महिला शाखा की कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें श्रीमती सुनीता अग्रवाल को अध्यक्ष, श्रीमती संतोष शर्मा को उपाध्यक्ष, श्रीमती गरिमा अग्रवाल को सचिव, श्रीमती प्रेरणा मंत्री को सह-सचिव, श्रीमती मनीषा कोठारी को कोषाध्यक्ष तथा श्रीमती दीक्षा भूरा को सह-कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसके अतिरिक्त श्रीमती साक्षा माहेश्वरी, एकता अग्रवाल, प्रियंका माहेश्वरी, सरिता मोर एवं रीता अग्रवाल को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में मनोनीय किया गया। सहायक मंत्री श्रीमती स्मिता धिरासरिया ने सभी नव-नियुक्त सदस्यों को सदस्यता की शपथ दिलाई। इसके पश्चात प्रान्तीय उपाध्यक्ष श्री राजेन्द्र हरलालका द्वारा अध्यक्ष पद की शपथ श्रीमती सुनीता अग्रवाल को दिलाई गई, जबकि अन्य पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों को मण्डलीय उपाध्यक्ष श्रीधर जी शर्मा ने शपथ ग्रहण कराई। कार्यक्रम के अंत में श्रीमती साक्षी माहेश्वरी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।

गुड़, चुड़ा का वितरण

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी मकर संक्रांति महापर्व के पावन अवसर के पूर्व मारवाड़ी सम्मेलन सोनारी शाखा के द्वारा दोमुहानी बस्ती में २०० परिवारों एवं राम मंदिर, भूतनाथ मंदिर के पुजारी एवं ब्राह्मण परिवारों के बीच गुड़, चूड़ा एवं बिस्कुट का वितरण किया गया।

महाशिवरात्रि

महाशिवरात्रि भगवान शिव की सबसे महत्वपूर्ण और पवित्र रात मानी जाती है। इस दिन से जुड़ी कई पौराणिक कथाएँ हैं, जिनके कारण इसे अलग-अलग रूप में मनाया जाता है। नीचे महाशिवरात्रि की मुख्य और प्रसिद्ध कथाएँ आसान भाषा में दी गई हैं।

१. शिव और पार्वती विवाह की कथा

सबसे प्रसिद्ध मान्यता के अनुसार इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था।

कहानी के अनुसार:

माता पार्वती ने शिव को पति के रूप में पाने के लिए कठोर तपस्या की।

उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर शिव ने विवाह के लिए सहमति दी।

फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष चतुर्दशी की रात उनका विवाह हुआ – यही दिन महाशिवरात्रि कहलाया।

इसलिए इस दिन को शिव-पार्वती के दिव्य मिलन का पर्व माना जाता है और वैवाहिक सुख के लिए व्रत रखा जाता है।

२. समुद्र मंथन और नीलकंठ बनने की कथा

जब देवता और असुर अमृत पाने के लिए समुद्र मंथन कर रहे थे, तब सबसे पहले भयंकर विष (हलाहल) निकला।

उस विष से पूरा संसार नष्ट होने लगा।

तब भगवान शिव ने संसार को बचाने के लिए वह विष पी लिया।

माता पार्वती ने उनका गला दबा दिया ताकि विष पेट में न जाए।

विष गले में रुक गया और उनका कंठ नीला हो गया – इसलिए उन्हें नीलकंठ कहा गया।

मान्यता है कि यह घटना भी शिवरात्रि के दिन हुई, इसलिए इस दिन शिव की पूजा से जीवन के विष (कष्ट) दूर होते हैं।

३. शिवलिंग के प्रकट होने की कथा (लिंगोद्भव)

एक बार ब्रह्मा और विष्णु में यह विवाद हुआ कि सबसे बड़ा कौन है।

तभी अचानक अनंत प्रकाश का एक विशाल स्तंभ प्रकट हुआ।

दोनों देवता उसके आदि और अंत को खोजने निकल पड़े।

कोई भी उसका अंत नहीं खोज पाया।

तब उस स्तंभ से भगवान शिव प्रकट हुए और बताया कि वे ही सृष्टि के मूल हैं।

यह अनंत ज्योति-स्तंभ ही शिवलिंग का रूप माना गया। इसलिए शिवरात्रि को शिवलिंग पूजा विशेष महत्व रखती है।

४. शिकारी और बेलपत्र की कथा

एक गरीब शिकारी जंगल में शिकार करने गया लेकिन कुछ नहीं मिला। रात में वह एक पेड़ पर बैठा रहा।

उसे पता नहीं था कि पेड़ के नीचे शिवलिंग है।

जागते रहने के लिए वह पेड़ की पत्तियाँ तोड़कर नीचे गिराता रहा।

वे बेलपत्र शिवलिंग पर गिरते रहे – यह शिव पूजा मानी गई।

उसकी अनजानी भक्ति से प्रसन्न होकर शिव ने उसे मोक्ष दिया।

इससे सीख मिलती है कि सच्ची भक्ति भाव से होती है, दिखावे से नहीं।

संक्षेप में महाशिवरात्रि का महत्व

शिव-पार्वती विवाह का दिन
संसार को विष से बचाने का दिन
शिवलिंग के प्रकट होने का दिन
सच्ची भक्ति का प्रतीक

इसी कारण इस दिन व्रत, रात्रि जागरण, शिवलिंग अभिषेक और 'ॐ नमः शिवाय' जप किया जाता है।

५. महाशिवरात्रि का वैज्ञानिक महत्व

वैज्ञानिक दृष्टि से, महाशिवरात्रि की रात पृथ्वी की ऊर्जा सबसे अधिक ऊर्ध्वगामी (ऊपर की ओर प्रवाहित) होती है। इस दिन, चंद्रमा और पृथ्वी की स्थिति ऐसी होती है कि मानव रीढ़ की हड्डी (spine) पर एक प्राकृतिक ऊर्जावान प्रभाव पड़ता है। यदि इस समय व्यक्ति सीधा बैठकर ध्यान करता है, तो वह इस ऊर्जा का सर्वोत्तम लाभ प्राप्त कर सकता है। इसी कारण, महाशिवरात्रि की रात को रातभर जागने का विशेष महत्व है। इसके अलावा, योग और ध्यान विज्ञान के अनुसार, महाशिवरात्रि की रात शरीर की ऊर्जा स्वाभाविक रूप से ऊपर की ओर प्रवाहित होती है। सीधा बैठने और ध्यान करने से यह ऊर्जा मस्तिष्क तक पहुँचती है, जिससे मानसिक स्पष्टता और आध्यात्मिक अनुभव बढ़ते हैं। इसलिए योगी और साधक इस रात को जागकर ध्यान और साधना करते हैं, ताकि वे अपनी चेतना को ऊँचे स्तर पर ले जा सकें।

महाशिवरात्रि पर चंद्रमा और पृथ्वी की स्थिति मानव शरीर की जैविक घड़ी को संतुलित करने में मदद करती है। इस दिन व्रत रखने से शरीर का पाचन तंत्र सुधारता है, विषैले तत्व बाहर निकलते हैं और मेटाबॉलिज्म सही रहता है। इससे शरीर डिटॉक्स (detox) होता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। इसलिए उपवास (फलों और जल का सेवन) करने से शरीर की ऊर्जा शुद्ध होती है और मन शांत रहता है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि महाशिवरात्रि की रात को जागने से शरीर में मेलाटोनिन (Melatonin) हार्मोन का स्तर बढ़ता है, जो तनाव कम करता है, मानसिक शांति और ध्यान केंद्रित करने की शक्ति बढ़ाता है, गहरी आध्यात्मिक अनुभूति उत्पन्न करता है। इसीलिए, महाशिवरात्रि पर रातभर भजन, ध्यान और सत्संग करने का महत्व बताया गया है।

वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि चंद्रमा का गुरुत्वाकर्षण बल मानव मस्तिष्क और समुद्र की लहरों पर प्रभाव डालता है। पूर्णिमा और अमावस्या के समय मनुष्य की भावनाएँ अधिक संवेदनशील होती हैं। महाशिवरात्रि अमावस्या की रात के ठीक पहले आती है, इसलिए यह मानसिक और आध्यात्मिक रूप से सर्वोत्तम समय माना जाता है। इस रात ध्यान करने से मन शांत होता है और व्यक्ति गहरी आंतरिक चेतना से जुड़ सकता है।

स्त्री क्यों पूजनीय है

एक बार सत्यभामाजी ने श्रीकृष्ण से पूछा, 'मैं आप को कैसी लगती हूँ?

श्रीकृष्ण ने कहा, 'तुम मुझे नमक जैसी लगती हो ।

सत्यभामाजी इस तुलना को सुन कर क्रुद्ध हो गयी, तुलना भी की तो किस से। आपको इस संपूर्ण विश्व में मेरी तुलना करने के लिए और कोई पदार्थ नहीं मिला।

श्रीकृष्ण ने उस वक़्त तो किसी तरह सत्यभामाजी को मना लिया और उनका गुस्सा शांत कर दिया ।

कुछ दिन पश्चात श्रीकृष्ण ने अपने महल में एक भोज का आयोजन किया छप्पन भोग की व्यवस्था हुई।

सर्वप्रथम सत्यभामाजी से भोजन प्रारम्भ करने का आग्रह किया श्रीकृष्ण ने ।

सत्यभामाजी ने पहला कौर मुँह में डाला मगर यह क्या - सब्जी में नमक ही नहीं था । कौर को मुँह से निकाल दिया ।

फिर दूसरा कौर मावा-मिश्री का मुँह में डाला और फिर उसे चबाते-चबाते बुरा सा मुँह बनाया और फिर पानी की सहायता से किसी तरह मुँह से उतारा।

अब तीसरा कौर फिर कचौरी का मुँह में डाला और फिर.. आक्..थू !

तब तक सत्यभामाजी का पारा सातवें आसमान पर पहुँच चुका था। जोर से चीखीं.. किसने बनाई है यह रसोई?

सत्यभामाजी की आवाज सुन कर श्रीकृष्ण दौड़ते हुए सत्यभामाजी के पास आये और पूछा क्या हुआ देवी? कुछ गड़बड़ हो गयी क्या? इतनी क्रोधित क्यों हो? तुम्हारा चेहरा इतना तमतमा क्यूँ रहा है ? क्या हो गया?

सत्यभामाजी ने कहा किसने कहा था आपको भोज का आयोजन करने को?

इस तरह बिना नमक की कोई रसोई बनती है? किसी वस्तु में नमक नहीं है। मीठे में शक्कर नहीं है। एक कौर नहीं खाया गया।

श्रीकृष्ण ने बड़े भोलेपन से पूछा, तो क्या हुआ बिना नमक के ही खा लेती ।

सत्यभामाजी फिर क्रुद्ध होकर बोली कि लगता है दिमाग फिर गया है आपका? बिना शक्कर के मिठाई तो फिर भी खायी जा सकती है मगर बिना नमक के कोई भी नमकीन वस्तु नहीं खायी जा सकती है।

तब श्रीकृष्ण ने कहा तब फिर उस दिन क्यों गुस्सा हो गयी थी जब मैंने तुम्हे यह कहा कि तुम मुझे नमक जितनी प्रिय हो ।

अब सत्यभामाजी को सारी बात समझ में आ गयी की यह सारा वाक्या उसे सबक सिखाने के लिए था और उनकी गर्दन झुक गयी ।

ईश्वर का शुक्राना करने के लिए १० नायाब कारण:

१. टायर चलने पर घिसते हैं, लेकिन पैर के तलवे जीवनभर दौड़ने के बाद भी नए जैसे रहते हैं।

२. शरीर ७५% पानी से बना है, फिर भी लाखों रोमकूपों के बावजूद एक बूंद भी लीक नहीं होती।

३. कोई भी वस्तु बिना सहारे नहीं खड़ी रह सकती, लेकिन यह शरीर खुद को संतुलित रखता है।

४. कोई बैटरी बिना चार्जिंग के नहीं चलती, लेकिन हृदय जन्म से लेकर मृत्यु तक बिना रुके धड़कता है।

५. कोई पंप हमेशा नहीं चल सकता, लेकिन रक्त पूरे जीवनभर बिना रुके शरीर में बहता रहता है।

६. दुनिया के सबसे महंगे कैमरे भी सीमित हैं, लेकिन आंखें हजारों मेगापिक्सल की गुणवत्ता में हर दृश्य कैद कर सकती हैं।

७. कोई लैब हर स्वाद टेस्ट नहीं कर सकती, लेकिन जीभ बिना किसी उपकरण के हजारों स्वाद पहचान सकती है।

८. सबसे एडवांस्ड सेंसर भी सीमित होते हैं, लेकिन त्वचा हर हल्की-से-हल्की संवेदना को महसूस कर सकती है।

९. कोई भी यंत्र हर ध्वनि नहीं निकाल सकता, लेकिन कंठ से हजारों फ्रीक्वेंसी की आवाजें पैदा हो सकती हैं।

१०. कोई डिवाइस पूरी तरह ध्वनियों को डिकोड नहीं कर सकती, लेकिन कान हर ध्वनि को समझकर अर्थ निकाल लेते हैं।

ईश्वर ने हमें जो अमूल्य वस्तुएं दी हैं, उनके लिए उसका आभार मानिए और उससे शिकायत करने का हमें कोई अधिकार नहीं है।

भगवान श्री कृष्ण की ये ६ कहानियां पढ़ें, आप उनकी बुद्धि का लोहा मान जाएंगे

सभी जानते हैं कि श्री कृष्ण को छलिया भी कहा जाता है! कृष्णा ने प्रण लिया था कि वो महाभारत के युद्ध में शस्त्र नहीं उठाएंगे और न ही प्रत्यक्ष रूप से युद्ध में शामिल होंगे। लेकिन अप्रत्यक्ष रूप से ही सही कृष्ण ने कई बार पांडवों की सहायता की। जानिए पांडवों से किए अपने वादे को कैसे निभाया।

१. बर्बरीक से उसका धड़ मांगना: बर्बरीक घटोत्कच का पुत्र था, उसने भगवान शिव को प्रसन्न कर उनसे तीन अभेद्य बाणों का वरदान प्राप्त किया था, जो कि उसे तीनों लोको में विजयी बनाने में समर्थ थे। श्री कृष्ण ने ब्रह्मण का वेष धारण कर बर्बरीक से उसका सिर मांग लिया, ताकि पाण्डव ये युद्ध जीत सके।

२. कर्ण की दिव्य शक्ति से अर्जुन को बचाकर घटोत्कच को मरवाना: कृष्ण ने दुर्योधन के मन में घटोत्कच के लिए भय व्याप्त कर दिया था। इसलिए दुर्योधन के कहने पर कर्ण ने अमोघ शक्ति द्वारा घटोत्कच का वध कर दिया। यह अमोघ शक्ति कर्ण ने अर्जुन के लिए बचाकर रखी थी लेकिन घटोत्कच से घबराए दुर्योधन ने कर्ण से इस शक्ति का प्रयोग करने को कहा। यह ऐसी शक्ति थी जिसका वार कभी खाली नहीं जा सकता था।

३. जरासंध का वध करवाना: जब युद्ध में भीम द्वारा जरासंध के शरीर के टुकड़े किए जाने पर भी उसका धड़ पुनः जुड़ जाता था, तब वो श्री कृष्ण ही थे जिन्होंने तिनके को तोड़कर अलग-अलग दिशाओं में फेकने का इशारा किया। जिसके बाद भीम ने जरासंध के शरीर को चीरकर विपरीत दिशाओं में फेंक दिया।

४. शिखंडी द्वारा भीष्म पितामह का वध करवाना: कृष्ण जानते थे कि भीष्म पितामह ने स्त्री पर प्रहार न करने का प्रण किया था। इसलिए कृष्ण ने पांडवों को इस विषय से अवगत कराया, और पांडवों ने कृष्ण की सलाह पर शिखंडी को पितामह के रथ के सामने भेज कर उनका वध करवाया।

५. सूर्यदेव को छिपाकर जयद्रथ का वध करवाना: अभिमन्यु के मारे जाने पर अर्जुन ने जयद्रथ को अगले दिन सूर्यास्त से पहले मारने की प्रतिज्ञा की अन्यथा अग्नि समाधि ले लेने का वचन दिया था। जिस पर कौरवों ने जयद्रथ को सेना के पिछले भाग में छुपा दिया। तब कृष्ण ने माया से सूर्यास्त कर दिया और छिपा हुआ जयद्रथ अर्जुन को अग्नि समाधि लेता देख के बाहर आया, उसी समय श्रीकृष्ण की कृपा से सूर्य पुनः निकल आया और तुरंत ही अर्जुन ने सबको रौंदते हुए जयद्रथ को मारकर उसका मस्तक उसके पिता के गोद में गिरा दिया।

६. दुर्योधन को मारने का इशारा: भीम और दुर्योधन की लड़ाई के समय श्री कृष्ण ने अपनी जांघ ठोककर, भीम को दुर्योधन की जांघ पर गदा प्रहार करने का इशारा किया। केवल कृष्ण ही थे, जो ये बात जानते थे कि दुर्योधन की जांघ के अतिरिक्त उसका सारा शरीर लोहे का था।

हमारे ग्रंथ - रामचरितमानस

शताब्दियों से सनातन धर्मावलंबियों की आस्था एवं श्रद्धा का अटूट केंद्र रहे तुलसीदास कृत रामचरितमानस की रचना संवत १६३३ में की गई थी.

इसे ग्रंथ के रूप में संग्रहित करने के लिए तुलसीदास जी को कुल २ वर्ष ७ माह एवं २६ दिनों का समय लगा था जिसके उपरांत सन १५७६ में मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष की तिथि को इसे पूर्ण किया गया था

रामनवमी की तिथि से प्रारंभ किये गए इस ग्रंथ के संकलन में तुलसीदास ने भगवान शिव की प्रेरणा से इसे अवधि भाषा में रचा जिसमें सम्पूर्ण रामायण को कुल ७ अध्यायों में समेटा गया है

रामचरितमानस की ख्याति अद्वितीय है और भारत के उत्तरी भाग में तो इसका पाठन समाज के एक बड़े वर्ग की दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा है

सामान्य भाषा शैली में मर्यादापुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के चरित्र को परिभाषित करता मानस अवधी की एक महान कृति है

जिसका अध्ययन मात्र ही आने वाली पीढ़ियों को भारतीय संस्कृति के महान नैतिक मूल्यों की शिक्षा प्रदान करता रहेगा

हनुमान तेहि परसा कर पुनि कीन्ह प्रणाम
राम काजु कीन्हें बिनु मोहि कहां विश्राम!

मेरी संस्कृति...मेरा अभिमान

अधूरी चिट्ठी और वो आखिरी कल

शहर के सबसे बड़े अस्पताल के कमरा नंबर ४०२ में सन्नाटा पसरा था। वहां लेटे ७० वर्षीय रिटायर्ड प्रोफेसर दीनानाथ जी की नजरें दीवार पर टिकी घड़ी की सुइयों को देख रही थीं। वे सुइयां नहीं थीं, मानो उनके जीवन की शेष बची सांसें थीं जो धीरे-धीरे खिसक रही थीं।

दीनानाथ जी ने पूरी उम्र 'कल' के भरोसे जी थी। जब बच्चे छोटे थे, तो उन्होंने सोचा- 'कल बच्चों के साथ पार्क जाऊंगा, आज ऑफिस में काम ज्यादा है।' जब पत्नी ने साथ बैठने की जिद की, तो कहा- 'कल फुर्सत से बातें करेंगे, आज थक गया हूँ।' जब बूढ़े माता-पिता ने याद किया, तो मन बनाया- 'अगले महीने गांव जाऊंगा।'

पर वह 'कल' कभी नहीं आया। बच्चे बड़े होकर विदेश चले गए, पत्नी का साथ बीमारी ने छीन लिया और माता-पिता यादों में सिमट गए। आज जब मृत्यु उनके सिरहाने बैठी थी, तो उन्हें अपनी सारी डिग्रियां, बैंक बैलेंस और बड़ा बंगला मिट्टी के ढेर जैसा लग रहा था।

तभी नर्स अंदर आई और पूछा, 'सर, क्या आप किसी को बुलाना चाहते हैं?'

दीनानाथ जी की आँखों में आंसू भर आए। उन्होंने कांपते हाथों से एक कागज मांगा और एक 'अधूरी चिट्ठी' लिखनी शुरू की। उन्होंने लिखा:

'मेरे प्रिय बेटे, आज जब मैं जीवन की आखिरी दहलीज पर खड़ा हूँ, तो मुझे समझ आ रहा है कि जिसे मैं अपनी 'उपलब्धियां' समझता था, वे सिर्फ दिखावा थीं। असली पूंजी तो वो हंसी थी जो मैंने काम के चक्कर में दबा दी। असली कमाई तो वो रिश्ते थे जिन्हें मैंने 'कल' पर टाल दिया। काश! मैंने 'मैं' के बजाय 'हम' को चुना होता। काश! मैंने उस दिन क्षमा मांग ली होती जब मेरा अहंकार बड़ा था और रिश्ता छोटा।'

उन्होंने महसूस किया कि मृत्यु के करीब पहुँचकर इंसान की नजर धुँधली नहीं, बल्कि और भी साफ हो जाती है। उन्हें याद आया कि उनके छोटे भाई से दस साल पहले एक जमीन के टुकड़े के लिए झगड़ा हुआ था। तब उन्होंने सोचा था- 'कल उसे फोन करूँगा।' पर वो फोन कभी नहीं हुआ।

दीनानाथ जी ने नर्स से अपना फोन मांगा और अपने भाई का नंबर मिलाया। जैसे ही भाई ने फोन उठाया, दीनानाथ जी सिर्फ इतना कह पाए - 'मुझे माफ कर देना भाई...' उधर से भाई की सिसकियां सुनाई दीं। दस साल की कड़वाहट एक पल के 'वर्तमान' में बह गई।

उस शाम दीनानाथ जी चले गए, लेकिन उनके चेहरे पर एक अजीब सी शांति थी। वे समझ गए थे कि जीवन को 'कल' के लिए बचाकर रखना ही सबसे बड़ी भूल है।

मिट्टी के घड़े की कहानी

संतों की एक सभा में एक घड़े में शीतल गंगाजल भरकर रखा गया था। बाहर खड़ा एक व्यक्ति उस घड़े को देखकर सोचने लगा, 'अहा! यह घड़ा कितना भाग्यशाली है। इसमें साक्षात गंगाजल भरा है और अब यह संतों की सेवा में काम आएगा। ऐसी किस्मत किसी-किसी की ही होती है!'

घड़े ने उसके मन के भाव पढ़ लिए और बोल पड़ा- 'बंधु! आज तुम्हें मेरी किस्मत दिख रही है, पर इसके पीछे का संघर्ष नहीं। मैं तो मिट्टी के रूप में शून्य पड़ा था।

फिर एक दिन कुम्हार आया, उसने फावड़े मार-मारकर मुझे खोदा, रौंदा, और गूंथा। फिर चाक पर चढ़ाकर तेजी से घुमाया, मेरा गला काट ा और थापी मार-मारकर पीटा।

बात यहीं नहीं रुकी, मुझे आग की भट्टी में झोंक दिया गया। मैं हर पल यही सोचता था कि हे ईश्वर! सारे अन्याय मेरे ही साथ क्यों?

लेकिन! जब किसी सज्जन ने मुझे खरीदा और मुझमें गंगाजल भरकर संतों की सभा में भेज दिया, तब मुझे आभास हुआ।

कुम्हार का वह फावड़ा चलाना भी कृपा थी।

वह गूंथना, चाक पर घुमाना भी कृपा थी।

और आग में तपाना भी भगवान की कृपा ही थी!

अगर मैं उन कष्टों से न गुजरता, तो आज गंगाजल धारण करने और संतों की सेवा करने योग्य न बनता।'

जीवन का सार:-

मित्रों, कई बार हम जीवन की परेशानियों से टूट जाते हैं और ईश्वर को कोसने लगते हैं।

हम यह नहीं समझ पाते कि यह ईश्वर द्वारा हमें 'तैयार' करने की प्रक्रिया है।

जिस प्रकार हम अपनी गाड़ी किसी अनाड़ी ड्राइवर को नहीं देते, वैसे ही ईश्वर अपनी विशेष कृपा उस व्यक्ति को कैसे सौंप सकते हैं जो अभी मन से पक्का न हुआ हो?

परीक्षा की घड़ी में धैर्य रखें। जो प्राप्त है, उसमें संतोष रखें।

याद रखें, ईश्वर आपको तोड़ने के लिए नहीं, बल्कि 'गढ़ने' के लिए संघर्ष देता है।

विभिन्न शाखाओं ने मनाया शिल्पी दिवस

असमिया साहित्य, संस्कृति, संगीत, रंगमंच एवं सिनेमा को नई दिशा देने वाले महान शिल्पकार रुपकुवर ज्योतिप्रसाद अगरवाला की ७५वीं पुण्यतिथि के अवसर पर गुवाहाटी शाखा पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की गुवाहाटी शाखा द्वारा स्थानीय मार्केट स्थित कार्यालय में **'शिल्पी दिवस'** का गरिमामय आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रुप में प्रख्यात लेखक एवं साहित्यकार श्री विनोद रिंगानिया, वरिष्ठ पत्रकार एवं संपादक श्री प्रमोद तिवाड़ी, प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा, प्रांतीय संगठन मंत्री श्री मनोज काला एवं प्रांतीय संयोजक श्री प्रदीप भुवालका भी मौजुद थे। गुवाहाटी शाखा के अध्यक्ष श्री शंकर बिड़ला ने सभी आगंतुओं एवं श्रोताओं का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की। इस अवसर पर श्री संतोष वेद एवं श्रीमती प्रज्ञा माया शर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए महान साहित्यकार को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं संयोजन श्री मनोज चांडक नायाब द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन श्री अशोक सेठिया ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में शाखा सचिव सहित कार्यकारिणी सदस्य श्री प्रदीप पाटनी, श्री राकेश भातरा, श्री विनोद कुमार जिंदल, श्री राजेश भजनका एवं श्री कैलाश चितलांगिया की भी उपस्थिति रही।

इसके अलावा पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की डिब्रूगढ़ शाखा, शिलापथार शाखा, शिलापथार महिला शाखा, तिनसुकिया शाखा, जोरहाट शाखा, गुवाहाटी शाखा, कामरुप शाखा, गुवाहाटी मेट्रो शाखा, बंगाईगांव शाखा एवं बंगाईगांव महिला शाखा, नगांव शाखा, नगांव महिला शाखा, मोरनहाट शाखा, धुबड़ी शाखा, धेमाजी शाखा, धेमाजी महिला शाखा, आमगुड़ी शाखा, नावजान शाखा, शिवसागर शाखा, नाजिरा–गेलेकी शाखा, देरगांव शाखा, मरियानी शाखा, दुमदुमा शाखा, गोसाईगांव शाखा, गोलकगंज शाखा, बिहपुरिया शाखा एवं सरुपथार शाखा सहित अन्य शाखाओं ने विभिन्न कार्यक्रमों के साथ शिल्पी दिवस मनाया तथा रुपकुंवर ज्योतिप्रसाद अगरवाला को श्रद्धांजलि दी।

गणतंत्र दिवस मनाया गया

मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी ग्रेटर शाखा एवं श्री गणेश मंदिर ट्रस्ट, गणेशगुड़ी के संयुक्त तत्वावधान में गणतंत्र दिवस का भव्य आयोजन श्री गणेश उद्यान प्रांगण गणेशगुड़ी मे किया गया। शाखा अध्यक्ष दीपक पोद्दार, श्री गणेश मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष रंजित बर्मन और पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के उपाध्यक्ष विनोद लोहिया ने ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। ततपश्चात शाखा के अध्यक्ष दीपक पोद्दार ने सभी का स्वागत करते हुए गणतंत्र दिवस की शुभकामनायें प्रेषित की। विनोद लोहिया ने अपने संबोधन मे सम्मेलन की गतिविधियों के बारे मे जानकारी दी। इस अवसर पर एक चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे ५५ प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम मे पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा, कोषाध्यक्ष दिनेश गुप्ता, संगठन मंत्री मनोज काला, ई मंडल के उपाध्यक्ष सुशील गोयल और गुवाहाटी मेट्रो शाखा के अध्यक्ष की गरिमामयी उपस्थिति रही। उल्लेखनीय है कि इस आयोजन के अवसर पर ४६ नये सदस्यों ने शाखा की सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम को सफल बनाने मे श्री गणेश मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों, शाखा के सचिव अरविंद सराफ, कोषाध्यक्ष अमित गोयल, कार्यक्रम संयोजक रवि सुरेका, संयोजिका डौली चौधरी का विशेष योगदान रहा और सभी सदस्यों का सक्रिय सहयोग रहा।

निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा केंद्र

'नर सेवा ही नारायण सेवा है' की शाश्वत भारतीय विचारधारा को आत्मसात करते हुए मारवाड़ी सम्मेलन, धुबड़ी शाखा द्वारा शाखा कार्यालय परिसर में निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा केंद्र खोला गया है। इस सेवा केंद्र का विधिवत उद्घाटन विशिष्ट समाजसेवी श्री राजेंद्र कुमार बजाज ने किया। प्राचीन एवं वैज्ञानिक भारतीय आयुर्वेद परंपरा को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से स्थापित इस केंद्र में प्रसिद्ध आयुर्वेदाचार्य डॉ. जय प्रकाश व्यास द्वारा निःस्वार्थ भाव से रोगियों की चिकित्सा की जाएगी। इससे समाज के जरूरतमंद लोगों कदो आरोग्य, आशा और आत्मबल प्राप्त होगा।

इस अवसर पर शाखा के अध्यक्ष श्री अनूप चंद सेठिया एवं मंत्री श्री दिनेश कुमार धनावत ने विशिष्ट अतिथि श्री राजेंद्र कुमार बजाज तथा आयुर्वेदाचार्य डॉ. जय प्रकाश व्यास को पारंपरिक दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित मारवाड़ी सम्मेलन के गणमान्य सदस्यगण एवं समाजबंधुओं ने इस पहल को धर्म, संस्कृति और सामाजिक उत्तरदायित्व का अनुपम संगम बताया।

विभिन्न शाखाओं ने मनाया मकर संक्रांति एवं माघ बिहु

मकर संक्रांति एवं माघ बिहु के पावन अवसर पर पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के विभिन्न शाखाओं द्वारा सांस्कृतिक उत्सवों के साथ, सेवा, समर्पण और सामाजिक सौहार्द के प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित किए गए।

जिसमें नंगाव शाखा द्वारा समन्वय सांस्कृतिक कार्यक्रम, गुवाहाटी मेट्रो शाखा द्वारा दादरा में गौ सेवा, गुवाहाटी महिला शाखा द्वारा जरुरतमंद लोंगो को भोजन कराना, सिलचर शाखा द्वारा २०० से अधिक कंबल वितरण, नार्थ लखीमपुर महिला शाखा द्वारा जरुरतमंद महिलाओं एवं बच्चों के बीच बैग, बिस्कुट, चिप्स एवं संतरे वितरण, शिवसागर शाखा द्वारा जरुरतमंदो के बीच वस्त्र एवं खाद्य सामग्री का वितरण, बिहुपुरिया महिला शाखा द्वारा बुजुर्गो से आत्मीय संवाद एवं उन्हें सम्मान कंबल वितरण, खारुपेटिया शाखा द्वारा बच्चों एवं जरुरतमंदो के बीच २०० कंबल का वितरण, बरपेटा रोड शाखा द्वारा २० किलोमीटर दुर जाकर कमजोर परिवार की ९० वर्षीय महिला के घर जाकर कंबल प्रदान, सिलापथार शाखा और सिलापथार शाखा द्वारा विकलांगजनों एवं जरुरतमंदो के बीच कंबल वितरण, डिब्रूगढ़ शाखा एवं बंगाईगांव शाखा द्वारा मकर संक्रांति एवं माघ बिहु मनाया गया।

मंडलीय सभा एवं प्रांतीय कार्यशाला सम्पन्न

पुर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के नवगठित मंडल जे की प्रथम मंडलीय सभा एवं प्रांतीय कार्यशाला का सरूपथार हनुमान मंदिर भवन में आयोजन किया गया। ज्ञातव्य हो कि नवगठित मंडल जे मे १० शाखाये वर्तमान में है।

मंडलीय उपाध्यक्ष दिनेश भिलवाड़िया तथा मंडलीय सहायक मंत्री जयंत हरलालका ने अपने मंडल कि सभी शाखाओ के पदाधिकारीयो को आमंत्रित करके प्रथम मंडलीय सभा तथा प्रान्तीय कार्यशाला का आयोजन किया था।

प्रांतीय संयोजक बिमल अग्रवाल द्वारा संचालित प्रान्तीय कार्यशाला सारथी का यह तीसरा आयोजन था। प्रथम आयोजन डिबरुगड़ शाखा मे और दुसरा आयोजन विश्वनाथ चारआलि शाखा मे आयोजित किया गया था। आज सारथी का तीसरा आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न किया गया। तीनो आयोजन मे प्रांतीय संयुक्त मंत्री बिरेन अग्रवाल को भी उपस्थित होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस आयोजन मे प्रान्तीय उपाध्यक्ष माखनलाल गट्टानी भी उपस्थित हुए। आयोजन मे बहुत से सदस्य व सदस्याओ ने सम्मेलन के बिषय मे जानकारी चाही और सभी का संतोषजनक जवाब विमल अगरवाल ने दिया।

गणतंत्र दिवस का पालन

मारवाड़ी सम्मेलन की कामरूप शाखा ने अपनी गोद ली हुई स्कूल चाभीपुल आठगांव प्राथमिक विद्यालय में गणतंत्र दिवस मनाया। इस कार्यक्रम में मारवाड़ी सम्मेलन की महिला शाखा और मारवाड़ी महिला एकता मंच ने भी अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई। इस अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा ने झंडोत्तोलन करके कार्यक्रम की शुरुआत की। इस उपलक्ष्य में कामरूप शाखा के शाखा अध्यक्ष अजीत शर्मा, महिला शाखा की शाखा अध्यक्ष संतोष शर्मा, महिला एकता मंच की अध्यक्ष सरोज मित्तल उपस्थित थी।

कार्यक्रम में प्रांतीय संगठन मंत्री मनोज काला, मंडलीय उपाध्यक्ष सुशील गोयल, प्रांतीय कोषाध्यक्ष दिनेश गुप्ता, शाखा संस्थापक अध्यक्ष संपत मिश्र के अलावा वाल्मीकि समाज के सचिव कैलाश कुमार, विप्र फाउंडेशन की प्रांतीय अध्यक्ष मंजू लता शर्मा विशेष रूप से उपस्थित थे।

कार्यक्रम का सफल संचालन प्रभात शर्मा द्वारा किया गया और संयोजक के रूप में विनोद शर्मा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम को सफल बनाने में कामरूप शाखा की सरिता लोहिया, संजय खेतान, संजय घिरिया, कुसुम जालान, सुनीता गुप्ता, विजया शर्मा, बबिता खेतान, पूजा नीमोदिया, रोहित खंडेलवाल, संतोष जैन, बीसंबर शर्मा, सुरेश अग्रवाल, संजय अग्रवाल, संजय नीमोदिया, विजय भीमसरिया एवं रतन अग्रवाल का सक्रिय सहयोग रहा।

प्रांतीय समाचार : उत्कल

शिष्टाचार भेंट

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अधिवेशन शिखर २०२६ हेतु प्रांतीय अध्यक्ष श्री दिनेश अग्रवाल ने श्री धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय शिक्षा मंत्री, भारत सरकार से भेंटकर उन्हें प्रांतीय अधिवेशन शिखर २०२६ के लिए आमंत्रित करते हुए एवं केंद्रीय शिक्षा मंत्री जी द्वारा कार्यक्रम में आने हेतु सहर्ष अपनी सहमति प्रदान की। साथ में अधिवेशन के चेयरमैन श्री राजकुमार पोद्दार, पीआरओ, श्री शंभू बरेलिया, प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य श्री मनोज सिंघानिया, प्रांतीय प्रोफेशनल फोरम के सीए श्री केशव पोद्दार, श्री गोपाल शाह उपस्थित थे।

मिट्टी लेप से चिकित्सा शिविर

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की बालासोर शाखा द्वारा ३ दिन का नेचुरोपैथी कैम्प का आयोजन हुआ। ८० लोगो का मट्टी लेप से चिकित्सा किया गया।

इस अवसर पर धर्मेन्द्र मोर - प्रेसिडेन्ट, गौरव राठी - सेक्रेटरी, प्रकाश पोद्दार, शिब पोद्दार, नवल अग्रवाल, राम लढ़नीआ उपस्थित थे।

कंबल एवं पुस्तक वितरण

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की बालासोर शाखा द्वारा दिनांकः २२ दिसंबर २०२५ को कंबल, ओडिया पुस्तक और कॉपी वितरण ट्राइबल जगह में किया गया।

इस अवसर पर धर्मेन्द्र मोर - अध्यक्ष, गौरव राठी - मंत्री, प्रकाश पोद्दार, चंद्र प्रकाश भरतिया, शिब पोद्दार, नवल अग्रवाल, श्री भगवान गुप्ता उपस्थित थे।

प्रांतीय समाचार : उत्तराखंड

गणतंत्र दिवस समारोह सम्पन्न

उत्तराखंड प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा २६ जनवरी २०२६ को ७७वें गणतंत्र दिवस को धूमधाम से मनाया गया। इस बार हमारे मुख्य अतिथि सिडकुल थाना अध्यक्ष श्री नितेश शर्मा जी थे। उनके द्वारा ही तिरंगा ध्वज को फहराया गया। उन्होंने अपने उद्बोधन में बोला कि हमने आपस में और ज्यादा समन्वय रखने की जरूरत है।

इस अवसर पर उत्तराखंड के प्रांतीय अध्यक्ष श्री रंजीत टिबड़ेवाल, प्रांतीय महामंत्री श्री आशीष गुप्ता, प्रांतीय कोषाध्यक्ष श्री अजय शर्मा, प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री संजय जाजोदिया, श्री नवनीत जलान, श्री अमित जलान, श्री मनोज गोयल, श्री संजय भरतिया, श्री राजेश अग्रवाल, श्री राहुल शर्मा एवं अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे।

श्रद्धांजलि

साहित्यप्रेमी एवं वरिष्ठ समाजसेवी श्री दाऊलाल कोठारी का निधन ७ फरवरी २०२६ को हो गया। हिंदी में रवीन्द्र संगीत को रूपांतरित करने और उसे सुप्रतिष्ठित करने में दाऊलाल जी का अवदान अविस्मरणीय है। परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

श्रद्धांजलि

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के सक्रिय सदस्य, समाजसेवी श्री बिनोद जी टेकड़ीवाल का स्वर्गवास २८ जनवरी २०२६ को हो गया। परिवार को इस दुःखद घड़ी को सहन करने की शक्ति दे। सम्मेलन परिवार की ओर से विनम्र श्रद्धाजंलि।

गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की प्रथम कार्यकारिणी बैठक संपन्न

गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की कार्यकारिणी की प्रथम बैठक आज शांतम हॉल में प्रादेशिक अध्यक्ष संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गोकुलचंद बजाज सहित संरक्षक श्री कन्हैयालाल वैद्य, श्री विनोद अग्रवाल व श्री निरंजन अग्रवाल उपस्थित रहे। सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुई बैठक में महामंत्री के प्रतिवेदन व कोषाध्यक्ष द्वारा बजट प्रस्तुतीकरण के बाद आगामी प्रादेशिक कार्यक्रमों पर विचार-विमर्श किया गया। इसमें विवाह परिचय सम्मेलन, प्रतिभा सम्मान समारोह, १५ अगस्त को हास्य कवि सम्मेलन, दिसंबर तक 'रंगीलो राजस्थान' सहित विभिन्न कार्यक्रम तय किए गए। साथ ही गर्मी में प्याऊ व छठ पूजा सेवा जैसे सामाजिक कार्यक्रमों पर भी सहमति बनी। अंत में श्री शंकरलाल गोयल ने धन्यवाद ज्ञापन किया। अल्पाहार के साथ बैठक का समापन हुआ।

३०० जरूरतमंदों को कराया भोजन

गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का सूरत प्रादेशिक शाखा के अध्यक्ष सुशील अग्रवाल ने अपना जन्मदिन एक प्रेरणादायी पहल के रूप में मनाते हुए पूरे परिवार के साथ न्यू सिविल हॉस्पिटल पहुँचकर करीब ३०० जरूरतमंद मरीजों व उनके परिजनों को भोजन कराकर उनका अशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर सम्मेलन के सचिव शिवकुमार अग्रवाल भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सुशील अग्रवाल ने कहा कि सेवा के माध्यम से उत्सव मनाना ही सच्ची खुशी है।

सम्मेलन स्थापना दिवस समारोह संपन्न

गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, सूरत शाखा के सदस्य सूर्यकांत अग्रवाल की ५०वीं वर्षगांठ पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ हर्षोल्लासपूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर ५१ पौधे लगाकर प्रकृति के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया और समारोह को विशेष रूप से यादगार बनाया गया।

कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष सुशील अग्रवाल एवं शाखा सचिव शिवकुमार अग्रवाल ने सूर्यकांत अग्रवाल का दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत किया तथा उनके स्वस्थ, सुखद और दीर्घायु जीवन की कामना की। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने भी उन्हें जन्मदिन की बधाई देते हुए सामाजिक और पर्यावरणीय कार्यों में उनके योगदान की सराहना की। समारोह में बड़ी संख्या में समाज के लोगों की उपस्थिति रही और सभी ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

गौ सेवा कार्यक्रम

दिनांक: ८ फरवरी २०२६ को गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की वेसू शाखा द्वारा गांधारी गौ आश्रम अमरोली में गौ सेवा प्रदान की गई। सम्मेलन की वेसू शाखा के सदस्य अपने साथ हरी सब्जियां, ककड़ी, गाजर, बंदगोभी, पालक और गुड़ लेकर गाड़ियों से गांधारी गौ आश्रम पहुंचे और स्वयं अपने हाथों से गौ माता को भोजन कराया। इस दरमियान गौ आश्रम के सभी सेवक सम्मेलन के सदस्यों का साथ देते रहे। तत्पश्चात सम्मेलन के सभी सदस्यों ने गौशाला में हो रहे कार्यों में कार सेवा भी प्रदान की। वहां जाने वाले सदस्यों में श्री प्रकाश बिंदल, श्री सुशांत बजाज, श्री दीपक डालमिया, श्री राजेश डालमिया, श्री अमित मस्कारा, श्री विमल अग्रवाल, श्री प्रभात जालान एवं श्री सिद्धार्थ अग्रवाल सक्रिय दिखे। इस अवसर पर सम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल भी उपस्थित रहे।

प्रांतीय समाचार : झारखंड

गणतंत्र दिवस समारोह सम्पन्न

७७वें गणतंत्र दिवस पर झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन, रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन, मारवाड़ी सहायक समिति तथा अग्रवाल सभा के तत्वावधान में विभिन्न स्थानों पर झंडोत्तोलन एवंसामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज के पदाधिकारियों, महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों की उल्लेखनीय भागीदारी देखने को मिली। झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय कार्यालय मारवाड़ी भवन, रांची में प्रांतीय वरीय उपाध्यक्ष ललित कुमार पोद्दार एवं रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष सज्जन पाड़िया द्वारा संयुक्त रूप से राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। वहीं मारवाड़ी सहायक समिति के अध्यक्ष पवन कुमार शर्मा ने भी मारवाड़ी भवन परिसर में ध्वजारोहण कर गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं।

गणतंत्र दिवस मनाया

गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन से संबद्ध झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन की दुमका जिला मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा पूजनीय महान कथावाचक श्री राधे श्याम जी शास्त्री जी की स्वर्णिम उपस्थिति में एवं असंख्य सदस्यों की महती उपस्थिति में माननीय जिला अध्यक्ष श्री हरि शंकर मोदी जी एवं शास्त्री जी के द्विय करकमलों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फराया गया।

राष्ट्रीय गान कर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गई।

प्रांतीय समाचार : कर्नाटक

स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन

अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन की प्रांतीय इकाई कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की बेंगलूरु प्रोफेशनल शाखा द्वारा सदस्यों एवं उनके परिवारजनों के लिए एक विशेष स्नेह मिलन का आयोजन बेंगलूरु स्थित सेंचुरी क्लब में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संगठन से जुड़े सदस्यों और उनके परिवारों के बीच आपसी परिचय, संवाद एवं सहयोग को प्रोत्साहित करना रहा।

इस अवसर पर विशेष अतिथि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सुभाष अग्रवाल एवं बेंगलूरु प्रोफेशनल शाखा के अध्यक्ष दीपक जैन तथा सचिव महेश अग्रवाल भी उपस्थित रहे। उन्होंने आयोजन की रूपरेखा एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। इस मिलन समारोह ने सदस्यों को आपस में अनुभव साझा करने, संवाद स्थापित करने तथा दीर्घकालिक सामाजिक संबंधों को सुदृढ़ करने का अवसर प्रदान किया।

इस कार्यक्रम में नीलम अग्रवाल, मयूर कानोडिया, सोनम, रचित अग्रवाल, रचना, एकता श्याम अग्रवाल, पवन केजरीवाल, सुरुचि केजरीवाल, आकाश, संजय अग्रवाल व अमृता अग्रवाल ने भाग लिया।

वसंत पंचमी पर माँ शारदा की आराधना

वसंत पंचमी के पावन अवसर पर माँ शारदा देवी मंदिर, वनसंकरी में कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की महिला परिधि की ओर से भव्य पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम परिषद की अध्यक्षा माया अग्रवाल के नेतृत्व में श्रद्धा एवं भक्ति भाव से संपन्न हुआ। इस अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों ने माँ शारदा का आशीर्वाद प्राप्त किया और ज्ञान, विद्या व समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में सचिव शालिनी अग्रवाल, कोषाध्यक्ष हेमलता सांवरिया, सह-अध्यक्षा लता चौधरी के अलावा पूजा अग्रवाल, पिंकी अग्रवाल एवं पूजा अग्रवाल (मदन) उपस्थित रहीं। पूरे वातावरण में भक्ति, उल्लास और वसंत पंचमी की पावनता की झलक देखने को मिली।

संयुक्त बैठक

दिनांक: २० जनवरी २०२६ को जोरथांग मेले में पारंपरिक फैशन शो में भाग लेने वाले हमाजे समाज के दो बच्चे **चाहत अग्रवाल** और **सिमरन डालमिया** को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया और समाज की ओर से प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इसके अलावा दिनांक: २७ जनवरी २०२६ को सिक्किम प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन और सिक्किम मारवाड़ी समाज की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सिक्किम प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पच्चीस सदस्यों में से पंद्रह सदस्य उपस्थित थे, जिनको खादा पहनाकर स्वागत और सम्मान किया।

डिब्रूगढ़ में मिलन

गत ३ फरवरी को सिक्किम प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष और वर्तमान में राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्री रमेश पेड़ीवाल का डिब्रूगढ़ पधारने एवं ICMR (भारत सरकार का स्वास्थ्य अनुसंधान उपक्रम) द्वारा सम्मानित किये जाने पर असमिया गमछा ओढ़ाकर हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। बाद में श्री रमेश जी ने भी सिक्किम का पारंपरिक खादा ओढ़ाकर उनका आभार व्यक्ति किया। इस अवसर पर डिब्रूगढ़ मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री कैलाश जी धानुका, उपाध्यक्ष श्री सुरेश जी अग्रवाल एवं सचिव श्री संदीप जी केजरीवाल उपस्थित रहे। इस मुलाकात में सम्मेलन और महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया जो आगामी दिनों में एक नई पहल होगी। श्री रमेश जी पेड़ीवाल ने सभी को सिक्किम आने का न्योता दिया।

विद्यार्थियों को पुरस्कृत करने की योजना

सिक्किम राज्य के दसवीं और बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण घोषणा है। सिक्किम मारवाड़ी समाज ने निर्णय लिया है कि जो विद्यार्थी इस वर्ष बोर्ड परीक्षा में ९० प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करेंगे, उन्हें पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। इसके अलावा, जो विद्यार्थी राज्य में टॉपर होंगे, उनके लिए अलग से विशेष पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिए जाएंगे।

यह योजना केवल सिक्किम निवासियों के लिए है, जिसके लिए उनके माता-पिता का सिक्किम का मतदाता पहचान पत्र होना अनिवार्य है। चाहे वे सिक्किम के बाहर ही पढ़ाई कर रहे हों, लेकिन सिक्किम का दस्तावेज होना आवश्यक है।

उपलब्धियाँ

प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के सलाहकार एवं गुवाहाटी शाखा के संरक्षक श्री अशोक धानुका के पौत्र तथा श्रीमती स्वाति धानुका एवं श्री घनश्याम धानुका के सुपुत्र मास्टर प्रज्ञान्य कुमार धानुका ने यूनाइटेड किंगडम की RSL अवॉर्ड्स संस्था द्वारा आयोजित RSL ग्रेडेड म्यूजिक परीक्षा (ड्रम्स डेब्यू, एंट्री लेवल-३) उत्तीर्ण कर सबसे कम उम्र में यह परीक्षा सफलतापूर्वक पास करने वाले बालक बनने का रिकॉर्ड स्थापित किया है। इस असाधारण उपलब्धि को असम बुक ऑफ रिकॉर्ड्स (ABR) द्वारा आधिकारिक रूप से मान्यता प्रदान करते हुए पंजीकृत किया गया है। सम्मेलन परिवार मास्टर प्रज्ञान्य कुमार धानुका को प्रेरणादायी भविष्य की मंगल कामना करता है।

डॉ. सुनीता सरावगी एआई पर चर्चा के लिए अन्य शीर्ष गणमान्य व्यक्तियों के साथ प्रधानमंत्री से उनके आवास पर मुलाकात। स्वर्गीय बिस्वनाथ सरावगी और पार्वती सरावगी की बेटी आईआईटी, खड़गपुर से पढ़ाई की पूर्व निर्धारित पर आईआईटी बॉम्बे में प्रोफेसर गूगल रिसर्च सेंटर में विजिटिंग साइंटिस्ट (२०१४-२०१६) कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान प्रभाग से पीएचडी। उनके भाई राजेश सरावगी बालासोर शाखा बोर्ड सदस्य हैं।

पद्मश्री सम्मान पर हार्दिक बधाई

श्री सत्यनारायणजी एन. नुवाल को पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर हमारी ओर से हार्दिक एवं आत्मीय शुभकामनाएँ।

INTRODUCING

manipal hospitals
LIFE'S ON

Comprehensive Cancer Care Centre

200-bed Manipal Comprehensive Cancer Care Centre, EM Bypass is one of the most advanced Cancer Care units today. The hospital is equipped with a comprehensive cancer treatment facility and provides latest cutting-edge technology along with a team of Senior Onco-Specialists.

Our Specialities:

- Organ specific Onco-Surgeons for Head & Neck, Urology, Gynaecology, Breast, Orthopaedic, GI & Thoracic, and Reconstructive Surgery
- Senior Specialists for Medical Oncology, Clinical Hematology, Hemato Oncology & Bone Marrow Transplant (BMT), Radiation Oncology, Paediatric Cancer, Nuclear Medicine
- Robotic & Advanced Microsurgery by latest version Da Vinci X Surgical Robot
- Radiation Oncology by latest TrueBeam Technology
- Advanced Onco Pathology Lab with molecular diagnosis facility

City's most Dedicated Team with Unparalleled Skill

Da Vinci X Surgical Robot

THE BRAIN OF A HUMAN AND THE HANDS OF A MACHINE

Robotic Surgeries at Manipal Hospitals offer the quickest way to heal

Manipal Hospital EM Bypass: 127 Mukundapur, E.M. Bypass, Kolkata, West Bengal 700099

www.manipalhospitals.com | 033 **6680 0000**

GAMCO
LET'S GROW
(Golden Goenka Group)

BUILDING A UNIQUE PORTFOLIO OF ASSETS

Creating sustainable value for all stakeholders

- Multi-Asset Investments
- Capital Market Investments
- Real Estate
- Warehousuing
- Structured Finaring & Secured Lending
- Investments in Emerging Companies

At Gamco, our vision is to stay successful through strategic multi-asset investments and sustainable value creation.
Our distinctive asset curation strategy makes us unique among listed companies.

GAMCO LIMITED

25A S.P. Mukherjee Road, Kolkata-700025
Phone: 03324750073
Email: gamcoltd@gamco.co.in
Website: www.gamco.co.in

गणतंत्र दिवस का पालन

गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर राध्या श्री, गौशाला रोड में बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की नवगछिया शाखा द्वारा झण्डोतोलन का कार्यक्रम हुआ। शाखाध्यक्ष विश्वनाथ यादुका ने राष्ट्रीय ध्वज को फहराने के उपरांत समाज में एकता व भाईचारा का संदेश दिया। वहीं संयुक्त मंत्री व संयोजक विनय प्रकाश ने सभी को एकजुट होकर समाज को जोड़ने व तरक्की के पथ पर सदा अग्रसित रहने के लिए बताया। विनोद केजरीवाल, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अंग प्रदेश, बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन ने सभी सम्मानित सदस्यों को आज के इस भव्य आयोजन पर बहुत बहुत बधाइयाँ दी। मौके पर सह संयोजक राहुल यादुका, विक्रम आनन्द, कन्हैया यादुका, कृष्ण कुमार यादुका, अमीत वर्मा, पिन्टू यादुका, कमल टिबड़ेवाल, ईण्डियन बैंक के मैनेजर रीतेश कुमार, मनोज सर्राफ, मुकेश अग्रवाल, मीडिया प्रभारी अशोक केडिया मनोज केडिया व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

जरूरतमंदों की सेवा

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन नवगछिया शाखा के तत्वावधान में समाजसेवी पुरुषोत्तम यादुका, बीणा यादुका के सहयोग से गोपाल गोशाला में कंबल व लेडीज शॉल का वितरण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अंग प्रदेश क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सह महामंत्री नगर शाखा विनोद केजरीवाल व संचालन क्षेत्रीय सहायक मंत्री विनय प्रकाश सर्राफ द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि पुरुषोत्तम यादुका व बीणा यादुका ने अपने पोते साहिल कुमार सुपुत्र महेश यादुका के जन्मदिन पर वितरण किया। मौके पर नगर शाखा अध्यक्ष विश्वनाथ यादुका, कोषाध्यक्ष सुरेश हिसारिया, मीडिया प्रभारी अशोक कुमार केडिया, उपाध्यक्ष संतोष यादुका, नटवर यादुका, पल्लवी यादुका, तेजस हिसारिया, विक्रम आनन्द, विद्या सागर सर्राफ, मनोज यादुका, अरविंद रूंगटा, कन्हैया यादुका, रचित गाड़दिया, मुरारी लाल पंसारी, गौशाला के मैनेजर अशोक शर्मा, अनिल व अन्य उपस्थित थे।

सदस्य क्यों बने?

- देश के सभी भागों से सम्पर्क स्थापना।
- रोजगार सहायता, व्यापार सहयोग, स्वास्थ्य सहयोग, उच्च शिक्षा सहयोग कार्यक्रम का लाभ।
- समाज सुधार, संस्कार संस्कृति चेतना कार्यक्रम से जुड़ना।
- मायड़ भाषा के प्रचार-प्रसार में भागीदारी।
- सामाजिक सुरक्षा, भाईचारा की भावना का विकास।
- समाज में विभिन्न घटकों को एकजुट होकर **'म्हारी चाह - संगठित समाज'** के नारे को सार्थक करना।
- व्यक्ति चला जाता है उसका व्यक्तित्व रह जाता हैं।
- समाज विकास में अवदान के अवसर।
- राष्ट्र की उन्नति में भागीदारी।

सदस्य कैसे बने?

१. देश के २५ प्रांतो की प्रांतीय सम्मेलनों से सम्पर्क करें।

२. सदस्यता आवेदन प्रांतीय या राष्ट्रीय कार्यालय सदस्यता शुल्क के साथ भेंजे।

३. अधिक जानकारी के लिए **www.marwarisammelan.com** को देखें एवं सदस्यता आवेदन पत्र डाउनलोड करें।

४. राष्ट्रीय कार्यालय के संपर्क सूत्र पते - **अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन, ४बी, (चौथा तल) ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७ या व्हाट्सएप नं. - ८६९७३१७५५७ एवं ई-मेल- aimf1935@gmail.com पर सम्पर्क करें।**

सबा स निवेदन है आपणां घरा में टाबरां सागै अर आपसरी में मायड़ भासा मारवाड़ी में ही बोल बतलावण करो।

पुस्तक समीक्षा

श्री उमेश खंडेलिया की नई पुस्तक

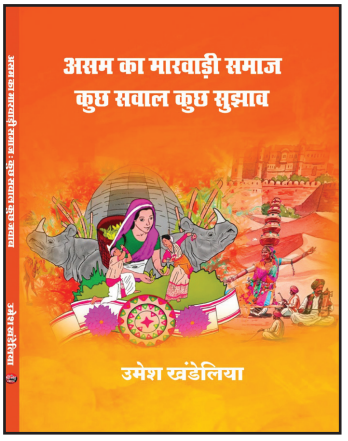

उमेश खंडेलिया की नई कृति "असम का मारवाड़ी समाज : कुछ सवाल, कुछ सुझाव" असम के मारवाड़ी समाज को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करने वाले विविध सामाजिक, सांस्कृतिक और संस्थागत विषयों पर लिखे गए उनके विचारोत्तेजक लेखों का एक चयनित संकलन है। इन लेखों में लेखक ने न केवल अपने समाज की वर्तमान स्थिति पर टिप्पणी की है, बल्कि उससे जुड़े उन प्रश्नों को भी सामने रखा है, जिनसे मुठभेड़ किए बिना कोई भी समाज आत्मचेतन नहीं बन सकता।

इस संकलन के आलेख तीन स्पष्ट हस्तक्षेपकारी दिशाओं में आगे बढ़ते हैं। पहली दिशा उस संवादहीनता की ओर संकेत करती है, जो असमिया समाज और मारवाड़ी समाज के बीच लंबे समय से मौजूद है। खंडेलिया स्पष्ट रूप से कहते हैं कि आर्थिक योगदान सांस्कृतिक दूरी की भरपाई नहीं कर सकता। असमिया समाज अपनी भाषा और संस्कृति को लेकर जितना सचेत है, उतना ही संवेदनशील भी है।

खंडेलिया मारवाड़ी समाज के भीतर व्याप्त कुरीतियों पर सीधे प्रहार करते हैं। वे सुधार को परोपकारी भाषणों या प्रतीकात्मक आयोजनों तक सीमित नहीं रखते। वे यह प्रश्न उठाते हैं कि क्या समाज वास्तव में परिवर्तन चाहता है, या केवल अपनी छवि को सुरक्षित रखना चाहता है। सामाजिक विमर्श से बचना, असहमति को दबाना और आलोचना को "अपमान" मान लेना जैसी प्रवृत्तियों को खंडेलिया बिना लाग-लपेट के सामने रखते हैं। उनका स्पष्ट मत है कि आत्मालोचना के बिना कोई भी समाज नैतिक रूप से आगे नहीं बढ़ सकता।

तीसरी दिशा समाज की सभा-संस्थाओं की भूमिका पर केंद्रित है। यहाँ खंडेलिया का स्वर सबसे अधिक तीखा हो जाता है। वे इन संस्थाओं से सीधे सवाल करते हैं। क्या वे समाज की वास्तविक चिंताओं का प्रतिनिधित्व कर रही हैं, या केवल सीमित वर्गों के हितों की संरक्षक बनकर रह गई हैं। क्या उनका नेतृत्व जन सरोकारों से जुड़ा है, या सामाजिक यथास्थिति को बनाए रखने में ही सहज महसूस करता है। खंडेलिया का लेखन इस संस्थागत जड़ता को चुनौती देता है। यहां इस बात का उल्लेख करना ज़रूरी है कि नेतृत्व की उदासीनता और संस्थागत जड़ता पर उनकी आलोचना व्यक्तिगत नहीं है। यह संरचनात्मक है और जन सरोकारों से प्रेरित है।

विशेष रूप से असमिया लेखकों द्वारा मारवाड़ी समाज पर लिखे गए आलेखों का उनके प्रयासों से किया गया संकलन "कृति सुहास" यह प्रमाणित करता है कि वे संवाद को एकतरफ़ा नहीं रखना चाहते। वे चाहते हैं कि मारवाड़ी समाज केवल अपने बारे में न बोले, बल्कि दूसरों की दृष्टि से स्वयं को देखने का साहस भी करे। यह कार्य किसी भी समाज के लिए आसान नहीं होता।

आलेख

दक्षिण भारत की सनातनी आस्था – एक आकाशदीप

सन् २०१२ में एक ऑडिटर मेरे निजी सहयोगी (एक्जीक्यूटिव असिस्टेंट) के रूप में २० वर्षों की सेवा के पश्चात् सेवानिवृत हुये थे। ऑडिटर श्री सुरेश कुमार कोलकाता से सेवा निवृत होकर चेन्नई अपने पैतृक शहर चले गए जहां उनकी माता जी एवं शेष तीन भाई रहते थे।

सन् २०२१ की कोविड के समय श्री सुरेश कुमार का स्वर्गवास हो गया।

दिनांक: १८ फरवरी २०२६ को प्रात: ५.३० बजे मेरे पास श्री शेखर नाम के व्यक्ति का एक व्हाट्सएप आया कि वह सुरेश कुमार का अनुज है एवं कोलकाता आ रहा है और मुझसे मिलना चाहता है।

श्री सुरेश कुमार ने अपने परिवार के संबंध में कभी कोई चर्चा नहीं की थी अत: श्री शेखर मेरे लिए पूर्णतया अनजान व्यक्ति था। स्व. सुरेश कुमार के कारण मैंने उन्हें मिलने का समय दे दिया।

श्री शेखर निर्धारित समय दोपहर १.३० बजे मुझसे मिलने मेरे कार्यालय पधारे। परिचय स्वरूप श्री शेखर ने अपना कार्ड दिया उस पर अंकित था कि वह बीग-४ डेलोइट (Deloitte) के सीनियर पार्टनर हैं।

श्री शेखर से स्व. सुरेश कुमार के संबंध में वार्ता प्रारंभ हुई। मैंने उल्लेख किया कि अन्य विविध गुणों के अतिरिक्त स्व. सुरेश कुमार जी का एक विशिष्ट गुण मुझे सदा याद रहता है कि वे प्रत्येक वर्ष अपने पिताजी की पुण्यतिथि पर श्राद्ध करने के लिए छुट्टी लेकर चेन्नई आया करते थे।

इस संदर्भ में श्री शेखर ने बताया कि चार भाइयों में वे स्वयं सबसे छोटे हैं। सुरेश कुमार के अतिरिक्त एक अन्य भाई का स्वर्गवास हो गया है अत: अब दो ही भाई हैं। श्री शेखर ने बताया कि अपने जीवन काल में चारों भाई पिताजी की पुण्यतिथि पर श्राद्ध हेतु सदैव चेन्नई स्थित पैतृक घर में आया करते थे। श्री शेखर ने आगे कहा कि ४० वर्ष पहले पिताजी एवं अब पिताजी एवं माताजी दोनों की पुण्यतिथि पर वे निर्बाध रूप से बेंगलुरु से चेन्नई जाते हैं। इसके लिए डेलोइट की आवश्यक बैठकों से भी वे छुट्टी ले लेते हैं।

मातृ-पितृ सेवा भाव की उद्धात भावना सुनकर मैं पूर्णत: रोमांचित हो गया।

उत्तर भारत एवं विशेष कर तथाकथित संभ्रांत मारवाड़ी समाज में ७ दिन की बैठक २ घंटे में सिमट गई। एक दिन की २ घण्टे की बैठक में भी विवाह की तरह विशिष्ट भोज का आयोजन, अति शोचनीय स्थिति है।

एक ओर बैठक का महत्व जहां समाप्त हो रहा है वहां श्रद्धापूर्ण श्राद्ध भावना बहुत दूर का प्रश्न है।

दक्षिण भारत के समृद्ध सनातनी परिवार एवं महानगर के राजस्थानी सनातनी परिवारों के श्रद्धाभाव में विशाल अंतर है।

यह लेख राजस्थानी समाज को आत्मचिंतन - आत्ममंथन का अवसर प्रदान करे, इस हेतु प्रस्तुत है।

– अरुण चूड़ीवाल, कोलकाता

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य

श्री आनंद अग्रवाल अग्रवाल हाउस, मीरा सिनेमा रोड, सहरसा, बिहार मो. ७००४२८४३८५	**श्री अनुराग केडिया** बेतिया, बिहार	**श्री अशोक कुमार शर्मा** श्री बलानन्दजी नगर, जमला रोड, मोतीहारी, ईस्ट चंपारण, बिहार मो. ९७०९४६१४१९	**श्री विनोद कुमार अग्रवाल** बहुमानी, सब्जी बाजार, नवादा, बिहार मो. ९९३४०४७५६०	**श्री दीपक कुमार अग्रवाल** मेसर्स अग्रवाल चुरी घर, महावीर चौक, सहरसा, बिहार मो. ९९३९२२१०००
श्री अनिल कुमार अग्रवाल तारापुर मुंगेर मेन रोड, मुंगेर, बिहार मो. ९४३१८२७८३६	**श्रीमती अर्चना मवांडिया** जय राम मारवाड़ी लाइन, गुरुद्वारा रोड, भागलपुर, बिहार मो. ९९३९७४७७७७	**श्री अशोक सोनी** सीतामढ़ी, बिहार	**श्री विनोद कुमार अग्रवाल** न्यू मार्केट, राम नगर, वेस्ट चंपारण, बिहार मो. ९९३९८४४८८०	**श्री दीपक कुमार डालमिया** मेसर्स दीपक इंटरप्राइजेज, छोटा रमना,बेतिया, बिहार, मो. ९४३१२१२४७३
श्री अनिल कुमार बोहरा छतौनी चौक, मोतीहारी, ईस्ट चंपारण, बिहार मो. ९४३१४६७१०७	**श्री अरुण कुमार अग्रवाल** भारतीय नगर, वार्ड नंबर २६, सहरसा, बिहार मो. ८८२५२८९३२७	**श्री अश्वनी कुमार जालान** एट.- खावा, पोस्ट- किरणपुर लखीसराय, बिहार मो. ९४३१२३५८४३	**श्री विनोद कुमार शर्मा** मौन फाटक, नियर हनुमान मंदिर, छपरा, बिहार मो. ८७८९२५१९७७	**श्री दीपक कुमार सराफ** आर्य समाज चौक, मोतीहारी, ईस्ट चंपारण, बिहार मो. ९१९९९२५९५५
श्री अनिल कुमार केडिया रानीगंज, गया, बिहार मो. ९४३१४७७८८१	**श्री अरुण कुमार बांका** शंकर नगर, रामना, मुजफ्फरपुर, बिहार मो. ९८३५२५८७२३	**श्री अविनाश केडिया** पूनम सिनेमा रोड मिर्जापुर, दरभंगा, बिहार मो. ९४७०६४४१००	**श्री विनोद रुंगटा** मारवाड़ी मोहल्ला, पर्वती स्टोर, बेगूसराय, बिहार मो. ९८३५६४७४७४	**श्री धीरज बाजोरिया** बाजोरिया गली, स्टेशन चौक, भागलपुर, बिहार मो. ९४३१२१४५४८
श्री अनिल संथालिया जयनगर, मधुबनी, बिहार	**श्री आशीष कुमार भरतिया** कटरा बाजार, पोस्ट- छपरा, छपरा, बिहार मो. ८००२००७८४५	**श्री अविनाश कुमार** कोर्ट बाजार, वार्ड नंबर १६ सीतामढ़ी, बिहार मो. ९११३४५१२७५	**श्री विपिन कुमार हिसारिया** मारवाड़ी मोहल्ला, नियर यूको बैंक, बेगूसराय, बिहार मो. ९३०४ १७७७७०	**श्री दिलीप कुमार अग्रवाल** सदर बाजार, जमालपुर, मुंगेर, बिहार मो. ९९३४८०६६७५
श्री अंकित कुमार केडिया मेसर्स मां दुर्गा एजेंसी सूर्यगढ़, लखीसराय, बिहार मो. ९५४६१४७७६७	**श्री आशीष कुमार भुवानिया** आर.एन. अग्रवाल रोड, चुनीहरि टोला, भागलपुर, बिहार मो. ९४३१२१३५४८	**श्री आयुष कुमार बाजोड़िया** कोर्ट बाजार, वार्ड नंबर १६, सीतामढ़ी, बिहार मो. ९४७२५६८९६८	**श्री विष्णु कुमार शर्मा** डीएसएम कॉलेज रोड, जमुई, झाझा, बिहार मो. ९८३५६१३७५८	**श्री दिलीप कुमार चौधरी** मझौलिया शुगर इंडस्ट्री मिल्ल्स, पोस्ट- मझौलिया, वेस्ट चंपारण, बिहार
श्री अंकित पोद्दार मारवाड़ी मोहल्ला, नरकटियागंज, वेस्ट चंपारण, बिहार मो.९७७१३४०८७२	**श्री आशीष कुमार केडिया** नगेंद्र नगर, बेला रोड, मिठनपुरा, मुजफ्फरपुर, बिहार मो. ७०३३१९११२४	**श्री बालमुकुंद झुनझुनवाला** एम.पी द्विवेदी रोड, दवा पट्टी, भागलपुर, बिहार	**श्री बृज मोहन भरतिया** अखाड़ाघाट रोड, सुरेखा काम्प्लेक्स, मुजफ्फरपुर, बिहार मो. ७०६१२५०२६०	**श्री दीनदयाल शर्मा** सलेमपुर, पोस्ट- छपरा, सारण, छपरा, बिहार मो. ९४३०८५४२७०
श्री अनमोल कुमार मोदी रानीगंज मोहल्ला, बड़ा चाकिया, ईस्ट चंपारण, बिहार मो. ७००४००८५६२	**श्री आशीष कुमार शर्मा** जागीर मोहल्ला, कॉलेजिएट स्कूल रोड, बेगूसराय, बिहार मो. ८९३६०५२८७९	**श्री भारतीय चंद्र** बेतिया, बिहार	**श्री बृजमोहन पंसारी** मेन रोड, जयनगर, मधुबनी, बिहार मो. ८७८९२२३७८०	**श्री दिनेश खेतान** मेसर्स क्रिस्टल अपैक्स रूपसपुर थाना, पटना, बिहार मो. ९००२७८५३१८
श्री अनूप कुमार अग्रवाल मे. अग्रवाल वस्त्रालय, बाढ़ बाज़ार, बाढ़, पटना, बिहार मो. ८६७८०६०९२३	**श्री आशीष पोद्दार** मेसर्स जय भवानी ड्रग्स लाल बाजार, बेतिया, बिहार मो. ९४७००८९४९०	**श्री भोलानाथ सिकरिया** राधा नगर, नकछेदी टोला, मोतीहारी, ईस्ट चंपारण, बिहार मो. ९९३४६५२९९८	**श्री चंदन कुमार** ठाकुरबाड़ी रोड, उड़ा किशुनगंज, मधेपुरा, बिहार मो. ८८७७९१८३८२	**श्री दिनेश प्रसाद अग्रवाल** टोला पोस्ट एंड पुलिस स्टेशन - बरियारपुर, मुंगेर, बिहार मो. ७७३९४३०३४८
श्री अंशु कुमार जैन नया बाजार, जगदीशपुर, भागलपुर, बिहार मो. ८४०९६७४९५४	**श्री अशोक कुमार गोयनका** मारवाड़ी मोहल्ला, गौशाला रोड, बेगूसराय, बिहार मो. ९४३०४८१६६६	**श्री बिजय अग्रवाल** अंबेडकर चौक, बनमनखी, पूर्णिया, बिहार मो. ९१०२५५०६५६	**श्री चेतन कुमार हिसारिया** मारवाड़ी मोहल्ला, बेगूसराय, बिहार मो. ७२९४०४१९०९	**श्री दीपक कुमार शर्मा** सीतामढ़ी, बिहार
श्री अंशुमन मुरारका होटल राजस्थान, जयनगर, मधुबनी, बिहार मो. ७००४१००२२०	**श्री अशोक कुमार मोदी** रानीगंज, गया, बिहार मो. ९०६५३८९९८०	**श्री विमल मस्कारा** स्टेशन रोड, जयनगर, मधुबनी, बिहार मो. ९४३०४४६३६३	**श्री दीपक अग्रवाल** मेन रोड, जयनगर, मधुबनी, बिहार मो. ९५२३९०९९७९	**श्री फतेह चंद्र गिरिया** हरी नगर, शुगर मिल्ल्स, रामनगर, वेस्ट चंपारण, बिहार मो. ९४७०४६०६८३
श्री अनूप कुमार अग्रवाल मारवाड़ी मोहल्ला, गोपालगंज, बिहार मो. ७५०५०६००९०	**श्री अशोक कुमार सराफ** जी.एल.एम कॉलेज रोड, बनमनखी, पूर्णिया, बिहार मो. ७६५४७५००१५	**श्रीमती बिना देवी मुरारका** बासोपट्टी, मधुबनी, बिहार	**श्री दीपक कुमार** चर्च रोड, नियर एस.टी. मैरी स्कूल, बेतिया, बिहार, मो. ९४३१२१२९८१	**श्री गगन शर्मा** गजाधर चौधरी लेन, सरैयागंज, मुजफ्फरपुर, बिहार मो. ७००४८३७०११

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य

श्री गौरव कुमार अग्रवाल अंबेडकर चौक, कटिहार, बिहार मो. ८९८६६८१०२३	**श्री हरीश अग्रवाल** मंगल बाजार फलपट्टी, कटिहार, बिहार मो. ९३०४६८७११९	**श्री कन्हैया कुमार सराफ** वार्ड नंबर- १७, नगर परिषद, सीतामढ़ी, बिहार, मो. ७९०३५५२३४५	**श्री लड्डू कुमार छापडिया** चौक बाजार, बरियारपुर, मुंगेर, बिहार मो. ९९३४६१८७८६	**श्री मनीष कुमार अग्रवाल** पोस्ट- बरियारपुर, पुलिस स्टेशन-बरियारपुर, मुंगेर, बिहार मो. ८८७७२९३२४९
श्री गौतम कुमार मेन बाजार, रानीगंज, गया, बिहार मो. ९४३०६६३१३७	**श्री हितेश मुरारका** बासोपट्टी, मधुबनी, बिहार मो. ९५४६२१६७२६	**श्री कन्हैया लाल अग्रवाल** बैंक ऑफ़ बड़ोदा गली, सवराजपूरी रोड, गया, बिहार मो. ९००६५०६४५९	**श्री ललित कुमार सराफ** जवाहर चौक, बिहारीगंज, मधेपुरा, बिहार मो. ९४३०६९५६१२	**श्री मनीष कुमार झुनझुनवाला** सोवा बाबु चौक, बेत्तिया, बिहार मो. ९४३१४००७६१
श्री गिरधारी कुमार कनोड़िया मारवाड़ी टोला, अमरपुर, बिहार मो. ९१६२४३९०४९	**श्री जगदीश कुमार अग्रवाल** सुगौली बाजार, ईस्ट चंपारण, बिहार मो. ९५०७९२००६२	**श्री कन्हैया लाल शर्मा** भगवान दास लाइन नंबर- १, भागलपुर, बिहार मो. ९४७०७७३६७७	**श्री माधव अग्रवाल** श्याम सुपर मार्केट, मेन रोड, गोपालगंज, बिहार मो. ९२३४५४१७२१	**श्री मनीष कुमार मुरारका** वार्ड नंबर- ९, मारवाड़ी मोहल्ला, मधुबनी, बिहार मो. ९४३१४१५६६९
श्री गिरधारी लाल केडिया बाजार थावे रोड गोपालगंज, बिहार मो. ७४८८१६६४८८	**श्री जगदीश कुमार खंडेलवाल** मेन रोड सुगौली, ईस्ट चंपारण, बिहार मो. ९९३१६३६१९६	**श्रीमती कांता टेकरीवाल** पोस्ट ऑफिस कंपस, सिंघेश्वर, मधेपुरा, बिहार मो. ९९५५३०५१०१	**श्री मधुसूदन पोद्दार** जवाहरलाल रोड, थाना नगर, मुज़फ़्फ़रपुर, बिहार मो. ९३३४१३४६००	**श्रीमती मंजू शर्मा** चनपटिया, वेस्ट चंपारण, बिहार मो. ७०३३३९०७२६
श्री गिरधारी उदयका सीतामढ़ी, बिहार	**श्री जगदीश प्रसाद सराफ** स्टेशन रोड, जयनगर, मधुबनी, बिहार मो. ८५२९८१२३७०	**श्री केतन कुमार बांका** सुट्टापट्टी, मारवाड़ी धर्मशाला, मुजफ्फरपुर, बिहार मो. ९१५५३६३५०८	**श्री मधुसूदन सराफ** टूटवाड़ी मोड़, न्यू गोदाम गया, बिहार मो. ९४३०५६९५५१	**श्री मनमोहन केडिया** नियर रानी सती मंदिर सहरसा, बिहार मो. ७७६६९२४६४६
श्री गोपाल कुमार अग्रवाल सदर बाजार, जमालपुर, मुंगेर, बिहार मो. ९४७००२३९५३	**श्री जयप्रकाश भूटिया** नियर थाना, बाढ़ बाजार, बाढ़, पटना, बिहार मो. ९४७२८००२९०	**श्रीमती किरण देवी मुरारका** बासोपट्टी, मधुबनी, बिहार	**श्री महादेव प्रसाद** भिम्सरिया, धर्मशाला रोड, सहरसा, बिहार मो. ७९९२३८९५२४	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** न्यू मार्केट, राम नगर, वेस्ट चंपारण, बिहार मो. ९३०४२५२३९६
श्री गोपाल कुमार बुराकिया कुंवर सिंह चौक, जयनगर, मधुबनी, बिहार मो. ९६६१४८८१८३	**श्री जयप्रकाश चोखानी** काली कोठी, दुर्गा स्थान, गली नंबर- १, मुजफ्फरपुर, बिहार मो. ९४३१६१३५९५	**श्री कृष्ण कुमार अग्रवाल** वार्ड नंबर- ४, पोस्ट फुलौत, मधेपुरा, बिहार मो. ७००४३८५९३७	**श्री महेश कजरिया** मेसर्स घर संसार लाल बाजार, बेतिया, बिहार मो. ९५२५०४७४७१	**श्री मनोज कुमार दारुका** नया बाजार चौक, लखीसराय, बिहार मो. ९८३५८५४६२०
श्री गौतम अग्रवाल मिर्चिबानी, अंबेडकर चौक, कटिहार, बिहार मो. ८३४०२२०९२९	**श्री जयदीप कुमार अग्रवाल** सुगौली बाजार, मेन रोड, ईस्ट चंपारण, बिहार मो. ९४३०२३४८१८	**श्री कृष्ण कुमार जैन** ऑपोजिट टाटा मोटर्स, ईस्ट चंपारण, बिहार मो. ९७७१२८०२३१	**श्री महेश केशन** जय नगर, मधुबनी, बिहार	**श्री मोहन कुमार भिवानिया** कर्पूरी स्थान चौक, बेगूसराय, बिहार मो. ९३०४१७७६०९
श्री गोविंद प्रसाद चांदगोठिया, पुरानी गुर्हत्ति, छपरा, बिहार मो. ९४३१२१६२१५	**श्रीमती जुली तुलस्यान** सहरसा, बिहार मो. ७९७०६२३००६	**श्री कृष्ण कुमार केडिया** पुरानी बाजार, मधुबन पोस्ट ऑफिस रोड, ईस्ट चंपारण, बिहार मो. ९९३४२०८६३६	**श्री महेश कुमार खेतान** सदर बाजार, जमालपुर मुंगेर, बिहार मो. ९९३१०८१९३०	**श्री मुकेश कुमार अग्रवाल** कपड़ा पट्टी, सहरसा, बिहार मो. ९४३१४९७१७१
श्री गुलजारी लाल अग्रवाल शंकर नगर, कच्ची सराय रोड, मुजफ्फरपुर, बिहार मो. ९३३४९०४२२३	**श्री कालूराम अग्रवाल** काली मंदिर रोड, बनमंखी, पूर्णिया, बिहार मो. ९८३५६६०५४६	**श्री कृष्ण मुरारी अग्रवाल** मिसकौट, मोतीहारी, ईस्ट चंपारण, बिहार मो. ९४७०२३३३५०	**श्री महेश नाथ अग्रवाल** मेन रोड, मोतीहारी, ईस्ट चंपारण, बिहार मो. ९४३१०५३२५६	**श्री मुकेश कुमार माधोगड़िया** तिखी राम नारायण, लाल बाजार, बेतिया, बिहार मो. ९४३१२१२९०९
श्री हरिप्रसाद बांका चनपटिया, वेस्ट चंपारण, बिहार मो. ९०१६३११०७८	**श्री कन्हैया अग्रवाल** नरकटियागंज, वेस्ट चंपारण, बिहार मो. ९१६२६१४४४४	**श्री कुमार राज** बन्दना, डी.बी. रोड, सहरसा, बिहार मो. ७९७९७२६०८९	**श्री महेश सराफ** पुरैनी बाजार, मधेपुरा, बिहार मो. ९७७१२३६११६	**श्री मुरली मनोहर गनेरीवाल** होटल रास दरबार गली, डी.बी. रोड, सहरसा, बिहार मो. ९४३१४११४१४
श्री हरिप्रसाद शर्मा ३०, रामेश्वरम अग्रवाल रोड, चुनिहारी टोला, भागलपुर, बिहार मो. ९९३४२३७७०७	**श्री कन्हैया कुमार** वार्ड नंबर- ८, पोस्ट- सुगौली, ईस्ट चंपारण, बिहार मो. ९६३१८६४०६९	**श्रीमती कुमारी प्रियंका** शम्भु घराना, दुर्गाबाड़ी रोड, गया, बिहार मो. ९७०८४७७७४६	**श्री मनीष कुमार** चौक बाजार, बरियारपुर, मुंगेर, बिहार मो. ६२०११६३६७७	**श्री नरेंद्र केडिया** गडारी चौक, उड़ा किशुनगंज, मधेपुरा, बिहार मो. ९९५५५२११३५

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य

श्री नवीन कुमार माधोगड़िया कवि रमण पथ, नागेश्वर कॉलोनी, पटना, बिहार, मो. ९५२३२५७४४४	**श्री ओम प्रकाश अग्रवाल** वार्ड नंबर ८, बनमनखी, पूर्णिया, बिहार मो. ८००२५६५१०१	**श्री पवन कुमार मोटानी** लाल बाजार, वार्ड नंबर-१७, बेतिया, बिहार मो. ९४३०५५१८९१	**श्री प्रमोद कुमार बैरोलिया** डोनर रोड, दरभंगा, बिहार मो. ९३३४८५५२००	**श्रीमती प्रेरणा जैन** वशीकुंज, डॉ. आर.पी रोड भागलपुर, बिहार मो. ९९००८११४५८
श्री नवल मुरारका बासोपट्टी, मधुबनी, बिहार	**श्री ओम प्रकाश डिडवानिया** दीनानाथ शाह लाइन, पटल बाबू रोड, भागलपुर, बिहार मो. ८७८७२८६९०५	**श्री पीयूष सिंघानिया** सोनापट्टी, वार्ड नंबर- ५, जयनगर, मधुबनी, बिहार मो. ९१०२१८८६७८	**श्री प्रमोद कुमार चौधरी** स्टेशन चौक, सुजागंज, भागलपुर, बिहार मो. ८२५२१९४१६१	**श्री प्रीतम कुमार पोद्दार** कालीबाड़ी, नियर कली मंदिर, कटिहार, बिहार मो. ९०३१३८०००० १
श्री नीरज अग्रवाल मेन रोड, मोतीहारी, ईस्ट चंपारण, बिहार मो. ८५९५१९०३४५	**श्री ओमप्रकाश केडिया** रानीगंज, गया, बिहार मो. ९४३१०५४९४८	**श्री प्रभाकर सुरेका** काली मंदिर रोड, बनमनखी, पूर्णिया, बिहार मो. ८०८४२५९९०९	**श्री प्रमोद कुमार रुंगटा** पोस्ट-बरौली, गोपालगंज, बिहार मो. ९९७३५४३८९६	**श्रीमती प्रीति सराफ** मेन रोड, वार्ड नंबर-२०, मधेपुरा, बिहार मो. ९४३०५१७४७३
श्री नीरज कुमार अग्रवाल कपड़ा पट्टी- ४८, न्यू मार्केट, सहरसा, बिहार मो. ७०९११२५३६६	**श्री पंकज झुनझुनवाला** रानी सती मॉल, रानी सती टावर, गढ़पर, नवादा, बिहार मो. ९४३१२६६४७०	**श्री प्रभाष कुमार बांका** पुरानी बाजार, दुर्गा मंदिर रोड, पोस्ट-झाझा, जिला-जमुई, बिहार मो. ९९३४४७५९५१	**श्री प्रमोद कुमार सराफ** सीतामढ़ी, बिहार	**श्रीमती प्रिया जैन** सुखी शाह लेन, ए.सी. रोड, भागलपुर, बिहार मो. ८९८६२६६७७०
श्री नीरज कुमार क्याल पुरानी बाजार, गुल्वारा मधुबन, ईस्ट चंपारण, बिहार मो. ९७०९९४११४३	**श्री पंकज कुमार** चनपटिया, पोस्ट-चनपटिया वेस्ट चंपारण, बिहार मो. ९४३०६८९३००	**श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल** प्रसाद बीघा, नवादा, बिहार, मो. ९३३४०४७४०२	**श्री प्रमोद कुमार सिर्सिलेवाल** श्री गणेश मंदिर, लाल बाजार, बेतिया, बिहार मो. ७००४३२६०१०	**श्रीमती प्रियंका देवी सराफ** न्यू गोदाम, टुटवाड़ी मोड़, गया, बिहार मो. ९२६४२४३३२९
श्रीमती नेहा तुलसियन मरुफ्गंज, सहरसा, बिहार मो. ७५४७००२८१४	**श्री पंकज कुमार** पुरानी बाजार, रामनगर, वेस्ट चंपारण, बिहार मो. ९९३४४२८९४४	**श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल** स्टेशन रोड, नियर सिविल कोर्ट, बेतिया, बिहार मो. ९१६२८३२८८३	**श्री प्रशांत कुमार पोद्दार** नवाब रोड, पोस्ट- झाझा, जिला- झाझा, बिहार मो. ९८०१५९७८०५	**श्री पुरुषोत्तम झुनझुनवाला** पुरानी बाजार, रामनगर, वेस्ट चंपारण, बिहार मो. ९५३४२९९०८२५
श्री निखिल कुमार वेस्वाला जयनगर, मधुबनी, बिहार	**श्री पंकज कुमार बांका** मिर्चो पट्टी, जयनगर, मधुबनी, बिहार मो. ९९३९११८३६३	**श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल** बनमनखी, पूर्णिया, बिहार मो. ७०७९१११११८३	**श्री प्रशांत कुमार संघी** छोटू चौधरी लेन, सरैयागंज, मुजफ्फरपुर, बिहार मो. ६२०२३५६१७४	**श्री राहुल कुमार रुंगटा** मारवाड़ी मोहल्ला, नियर दुर्गा मंदिर, बेगूसराय, बिहार मो. ६२०४२३९५८९
श्री नीरज कुमार जैन बोरिंग रोड, शिवपुरी गणेश पथ रोड, पटना, बिहार मो. ९४३१२१६०३२	**श्री पंकज कुमार बांका** अपोजिट सिविल कोर्ट, शास्त्री नगर, नवादा, बिहार, मो. ८२१०४७९२९१	**श्री प्रदीप कुमार भरतिया** जवाहर चौक, वार्ड नंबर-२४, सीतामढ़ी, बिहार मो. ९४७०७२२३९२	**श्री प्रशांत कुमार सुल्तानिया** सोनापट्टी, पुलिस स्टेशन-झाझा, जमुई, बिहार मो. ८३२०२८२२३८	**श्री राहुल कुमार सिकरिया** नियर गयात्री मंदिर, लाल बाजार, बेतिया, बिहार मो. ९९६७०८१५६३
श्री नितेश छापोलिया मझौलिया, वेस्ट चंपारण, बिहार मो. ८१००८८७९९७	**श्री पशुपति कुमार** नरकटियागंज, वेस्ट चंपारण, बिहार मो. ८०८३०१७२०१	**श्री प्रदीप कुमार धानुका** आनंदम, घराना अपार्टमेंट, रामपुर रोड, गया, बिहार मो. ९९३४२३८७५१	**श्री प्रशांत राजगढ़िया** लाल बाजार, बेतिया, बिहार	**श्री राजकुमार चांदगोठिया** बनमनखी, पूर्णिया, बिहार मो. ९४७०८९७२२२
श्री नितेश डालमिया पानी टंकी चौक, बड़ा बाजार, कटिहार, बिहार मो. ९८३११६१६०२	**श्री पवन जालान** खावा, पोस्ट- किरणपुर, लखीसराय, बिहार मो. ९९३१८५९९३७	**श्री प्रदीप कुमार पोद्दार** बनमंखी, पूर्णिया, बिहार मो. ९४३१६३९८१६	**श्रीमती प्रतिगाया तुलस्यान** सहरसा, बिहार मो. ९५७२६२२०६२	**श्री राजकुमार मेहरिया** धर्मशाला रोड, सदर बाजार, पोस्ट-जमालपुर, मुंगेर, बिहार मो. ८७०९८२६८३४
श्री नितिन कुमार बैरोलिया पटना गद्धी रोड, जयनगर, मधुबनी, बिहार मो. ८७०९९८९८८०	**श्री पवन कुमार अग्रवाल** बाल भारती रोड, बनमनखी, पूर्णिया, बिहार मो. ८८६३८५०८१९	**श्री प्रकाश केशान** जयनगर, मधुबनी, बिहार	**श्री प्रतीक सुरेका** जयनगर, मधुबनी, बिहार	**श्री राजकुमार मोदी** बलुआ चौक, मोतीहारी, ईस्ट चंपारण, बिहार मो. ९४३०४९३२०२
श्रीमती नूपुर अग्रवाल गुरुद्वारा रोड, गोसाई बाग, महरी मंडल, गया, बिहार, मो. ९९३१३७३२०३	**श्री पवन कुमार भरतिया** बनमनखी, पूर्णिया, बिहार मो. ७००४३३८१४१	**श्री प्रकाश कुमार झुनझुनवाला** लाल बाजार, बेतिया, बिहार मो. ९४७३३०२३००	**श्री प्रवीण कुमार केडिया** केडिया मार्केट, मेन रोड, गोपालगंज, बिहार मो. ७००४५४६६३८	**श्री राजकुमार पोद्दार** बनमंखी, पूर्णिया, बिहार मो. ९९५५०६१६७०

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य

श्री राजकुमार टिंबरेवाल गांधीनगर, बारहट, इशिपुर, भागलपुर, बिहार मो. ९११३४००८९५	**श्री राजेश कुमार केजरीवाल** किलाघट, नियर टाउन थाना, दरभंगा, बिहार मो. ७००४३३८३७५	**श्री रमेश कुमार अग्रवाल** राजा बाजार, मोतीहारी, ईस्ट चंपारण, बिहार मो. ९९३४४७२००४	**श्री रितेश कुमार केशान** शिवपुरी कॉलोनी, सुप्रिया सिनेमा रोड, बेतिया, बिहार मो. ९९७३५७६२२२	**श्री संजय अग्रवाल** जयनगर, मधुबनी, बिहार
श्री रजत कुमार मोटानी जनता सिनेमा चौक, बेतिया, बिहार मो. ९१६२८१५५५५	**श्री राजेश कुमार लाथ** बाराहाट, इशीपुर, भागलपुर, बिहार मो. ९९३१०८१७०२	**श्री रमेश कुमार बैद** वार्ड नंबर- ९, सोनार पट्टी, बनमंखी, पूर्णिया, बिहार मो. ९१२२१३३७९३	**श्रीमती रितु अग्रवाल** शंकर नगर, कच्ची सराय रोड, मुजफ्फरपुर, बिहार, मो. ९३३४९०४२२३	**श्री संजय कुमार अग्रवाल** सब्जी बाजार, नवादा, बिहार मो. ९४३१६१६६३१
श्री राजेंद्र कुमार जालान मेन रोड, मोतीहारी, ईस्ट चंपारण, बिहार मो. ९५३४९३४०७४	**श्री राजेश कुमार रुंगटा** नियर यूको बैंक, बेगूसराय, बिहार मो. ९८३५४३३००३	**श्री रंजीत अग्रवाल** मिल पट्टी, बनमंखी, पूर्णिया, बिहार मो. ७०३३१४५९७७	**श्री रोहित कुमार डालमिया** पुरानी बाजार, गुल्वारा मधुबन, ईस्ट चंपारण, बिहार मो. ९८०१४८६३९९	**श्री संजय कुमार भरतिया** स्टेशन रोड, जवाहर चौक, सीतामढ़ी, बिहार मो. ९४३१२४१०७८
श्री राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल पुरानी बाजार, नवादा, बिहार मो. ९८३५२२५६६०	**श्री राजेश कुमार सुल्तानिया** पोस्ट- झाझा, झाझा, बिहार मो. ९९३१३१३०८८	**श्री रंजीत कुमार घिरिया** जयनगर, मधुबनी बिहार	**श्री रोहित पोद्दार** बिहाइंड एस.पी कोठी, सिकंदरपुर, मुजफ्फरपुर, बिहार मो. ९३३४४९१४१७	**श्री संजय कुमार जदुका** महावीर चौक, गुप्ता हाउस, बनगांव रोड, सहरसा, बिहार मो. ९०६०९०४६०७
श्री राकेश अग्रवाल नियर वेबसाइड, मेन रोड, कंकड़बाग, पटना, बिहार मो. ९३३४३८८६२१	**श्री राजेश कुमार तुलस्यान** जगदंबा श्री, न्यू मार्केट, रामनगर, वेस्ट चंपारण, बिहार मो. ९९३१९३०६५१	**श्री रतन अग्रवाल** सुगौली बाजार, ईस्ट चंपारण, बिहार मो. ९५०७३०२५००	**श्री रुपेश सरावगी** जी.एन. गनी, लखीसराय, दरभंगा, बिहार मो. ९९३९९५५५४७	**श्री संजय कुमार खेतान** लक्ष्मी मार्केट, थाना रोड, गोपालगंज, बिहार मो. ९४३०९०५५८१
श्री राजेश जैन स्टेशन रोड, जयनगर, मधुबनी, बिहार मो. ९४०८१०७८५६	**श्री राकेश केजरीवाल** उमानाथ मंदिर, बाढ़ बाजार, बाढ़, पटना, बिहार मो. ९९३४८२४९३१	**श्री रतन कुमार अग्रवाल** पोस्ट- लोक्खी बाजार, मधुबनी, बिहार मो. ७०७०२६२६४४	**श्री सचिन कुमार चांदगोठिया** वार्ड नंबर-८, बनमनखी, पूर्णिया, बिहार मो. ७००४५७९४५३	**श्री संजय कुमार मुरारका** मिर्ची पट्टी, जयनगर, मधुबनी, बिहार मो. ९४२६८१४३५१
श्री राजेश कुमार लाल बाजार, पोस्ट-छपरा, सारण, छपरा, बिहार मो. ७६५४२२८३०८	**श्री राकेश कुमार** पुरानी बाजार, रामनगर वेस्ट चंपारण, बिहार मो. ८००२२७७७६५	**श्री रौनक कुमार बैरोलिया** मिर्ची पट्टी, जयनगर, मधुबनी, बिहार मो. ९८८६६५१५७२	**श्री सज्जन कुमार केडिया** पोस्ट- बाढ़ बाजार, पटना, बिहार मो. ९७७११०३७७१	**श्री संजय कुमार सुल्तानिया** दुर्गा मंदिर चौक, जिला- जमुई, झाझा, बिहार मो. ९७०८७३१६०१
श्री राजेश कुमार अग्रवाल पुरानी बाजार, झाझा, बिहार मो. ९९३१६७१५९५	**श्री राकेश कुमार तुलस्यान** बाराहाट, इशीपुर, भागलपुर, बिहार मो. ८७८९७३५५१८	**श्री रवि मेगोटिया** कॉलेजिएट स्कूल रोड, जागीर मोहल्ला, बेगूसराय, बिहार मो. ९३३४४४७०११	**श्री संदीप कुमार खेतान** चनपटिया, वेस्ट चंपारण, बिहार मो. ९९३१०३६४७६	**श्री संजीव कुमार नोपानी** मेन रोड, मोतिहारी, ईस्ट चंपारण, बिहार मो. ९४३१२३३२४३
श्री राजेश कुमार अग्रवाल बजाज पट्टी, प्रधानपथ, मोतिहारी, ईस्ट चंपारण, बिहार मो. ९५७२००५६७८	**श्री राकेश संथालिया** जय नगर, मधुबनी, बिहार	**श्री रिंकेश अग्रवाल** कपड़ा पट्टी, सहरसा बिहार मो. ९४३१६५७१०३	**श्री संदीप कुमार शर्मा** पोस्ट- झाझा, जिला- जमुई, झाझा, बिहार मो. ९९३१७९९४६५	**श्रीमती संतोष धानुका** आनंदम, घराना टावर, रामपुर, गया, बिहार मो. ९३८६६८६३६६
श्री राजेश कुमार भालोटिया मेन रोड, नवादा, बिहार मो. ९४७२०३४४२७	**श्री रामचंद्र शर्मा** हरी नगर, शुगर मिल्ल्स, रामनगर, वेस्ट चंपारण, बिहार	**श्री ऋषभ दारूका** दारूका कैंपस, मेन रोड जयनगर, मधुबनी, बिहार, मो. ९०३११४८७२८	**श्री संदीप कुमार तोदी** उज्जैन टोला, बेतिया, बिहार मो. ६२०४४९७१०६	**श्री संतोष कुमार अग्रवाल** आजाद नगर, बलुआ ताल, ईस्ट चंपारण, बिहार मो. ९७७१४५५८६७
श्री राजेश कमार दारुका धर्मशाला रोड, सहरसा, बिहार मो. ९३०४०२९८३३	**श्री रमेश भीमसरिया** स्टेशन रोड, जयनगर, मधुबनी, बिहार मो. ९९३९५३३२४६	**श्री ऋषभ जोशी** कॉलेज रोड, बर्तल्ला, सूरजगढ़, लखीसराय, बिहार मो. ७५४१०४६५०३	**श्री संदीप केडिया** केडिया लेन, मेन रोड, गोपालगंज, बिहार मो. ९४७००५९६९०	**श्री संतोष कुमार तुलस्यान** लाल बाजार, बेतिया, बिहार मो. ९५३४६९४६३६
श्री राजेश कुमार जाजोदिया पुरानी चौक, मोतीझील, मुजफ्फरपुर, बिहार मो. ९८३५६०९५४३	**श्री रमेश घिरिया** जयनगर, मधुबनी, बिहार	**श्री रितेश अग्रवाल** मेन रोड, बासोपट्टी, मधुबनी, बिहार मो. ७००४३६१५१३	**श्रीमती संगीता बांका** चनपटिया, पोस्ट-चनपटिया, वेस्ट चंपारण, बिहार मो. ९७०८८१६७०४	**श्री संतोष कुमार तुलस्यान** सुतापट्टी, महाराजा अग्रसेन पाथ, मुजफ्फरपुर, बिहार मो. ७९७९०५१२०२

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य

श्री रवि कुमार अग्रवाल गाँधी हाई स्कूल के पीछे रामगढ, झारखण्ड मो. ७९७९८२५७८५	**श्री अमर लाल अग्रवाल** स्टेशन रोड, शक्ति, छत्तीसगढ़ मो. ९३०१०८८८५९	**श्रीमती अनुपमा गोयल** वि.आई.पी. सिटी, नैला जांजगीर-चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ८३१९७४१३६७	**श्रीमती एकता अग्रवाल** मेन रोड, नैला, जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९४०६०३९०३१	**श्रीमती काजल अग्रवाल** वि.आई.पी. सिटी, नैला जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९१११५७५६७६
श्री अभय मित्तल कोरबा रोड, जांजगीर-चांपा छत्तीसगढ़ मो. ७९९९५०७८१०	**श्रीमती अमीषा अग्रवाल** कुबेर पाड़ा, नैला, जांजगीर- -चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९९०७४३१७७७	**श्री अनुराग अग्रवाल** मेसर्स - मंगल ट्रेडिंग स्टेशन रोड, शक्ति, छत्तीसगढ़ मो. ९४२५२३०२२५	**श्रीमती गंगा गट्टानी** नेताजी चौक, जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ७८०३९६९१९४	**श्री कमलेश अग्रवाल** सेक्टर- सी, सिरगिट्टी बिलासपुर, छत्तीसगढ़ मो. ९८२७१६६२५१
श्री अभिषेक शर्मा मेसर्स - मारवाड़ी रेस्टोरेंट हरेठी मार्ग, शक्ति, छत्तीसगढ़ मो. ८३१९९४६०५१	**श्री आनंद अग्रवाल** अविनाश एम्प्रेस्सा कोटा रायपुर, छत्तीसगढ़ मो. ९०३९६६६०६०	**श्री अरुण बजाज** २५५, मारवाड़ी लाइन बिलासपुर, छत्तीसगढ़ मो. ८०१७२८७५८०	**श्री गोपाल मित्तल** श्री कुंज, मंझली तालाब जांजगीर-चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९८९३५६१६३९	**श्री कपूर चंद अग्रवाल** गायत्री मंदिर के पास शक्ति, छत्तीसगढ़ मो. ९३००२८१०५०
श्री अजय कुमार अग्रवाल संगीता भवन, मेन रोड, नैला, जांजगीर-चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९३२९४४५०३३	**श्री आनंद कुमार अग्रवाल** महाराजा अग्रसेन मार्ग, नैना जांजगीर-चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९४२५५२९५०२	**श्री अशोक कुमार खेतान** हात्री हॉस्पिटल मार्ग, शक्ति छत्तीसगढ़ मो. ८७७००४११४५	**श्री हरिओम अग्रवाल** हात्री हॉस्पिटल रोड, शक्ति, छत्तीसगढ़ मो. ९८२६१८७०७०	**श्री किशोर मोदी** बजरंग टॉकीज के सामने जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९४२५५४९६४१
श्री अजय कुमार अग्रवाल वी.आई.पी. सिटी, नैला, स्टेशन रोड, जांजगीर-चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ८१०३३६९३२३	**श्री आनंद कुमार अग्रवाल (सी.ए.)** तिलक नगर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ मो. ९४२५२१९४४२	**श्रीमती बबीता धानुका** वि.आई.पी. सिटी, स्टेशन रोड, जांजगीर-चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९३००१३०४१३	**श्री हरीश कुमार अग्रवाल** गांधी चौक, नैला, जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९७१३४६६४४५	**श्री कृष्ण कन्हैया गोयल** गौरव पथ, बुधवारी बाज़ार शक्ति, छत्तीसगढ़ मो. ९३००२१२४१२
श्री अजय कुमार गट्टानी नेताजी चौक, जांजगीर– चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९४२४१५५१६६	**श्री अनिल कुमार अग्रवाल** जूना बिलासपुर बिलासपुर, छत्तीसगढ़ मो. ९८२६५२८९००	**श्री विवेक अग्रवाल** सेलिब्रिटी होम, कबीर नगर रायपुर, छत्तीसगढ़ मो. ९७७०७५७६५४	**श्री हिमांशु अग्रवाल** बी.डी. महंत उपनगर जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९७७०१७३१६०	**श्री कुंज बिहारी अग्रवाल** गौशाला के पास, मेन रोड जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९३२९५१३१०१
श्री अजय कुमार शर्मा मुकुंद टॉकीज के सामने जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९९७७६१७४८५	**श्री अंकित अग्रवाल (सी.ए.)** एम. ५९, यदुनंदन नगर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ मो. ८८७८९५९६३७	**श्री विश्वंभर दयाल अग्रवाल** ओम सिटी, चांपा जांजगीर-चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९४२५२५३२४९	**श्री हिमांशु अग्रवाल** मेन रोड, जांजगीर- चांपा छत्तीसगढ़ मो. ९३०२६८५३३०	**श्री मदन मोहन शर्मा** बदरपुर रोड, शक्ति, छत्तीसगढ़ मो. ९३०१७१२६६८
श्री आकाश बंसल बी.डी. महंत उपनगर जांजगीर-चंपा, छत्तीसगढ़ मो. ९७५४७३७६६५	**श्री अंकित मोदी** लच्छनपुर चौक, जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९९९३३०८८७७	**श्री बृजेश अग्रवाल** नहर पुल के पास, चांपा रोड जांजगीर-चंपा, छत्तीसगढ़ मो. ९८२७९६३९९९	**श्री ईश्वर प्रसाद अग्रवाल** बंधवा तालाब के पास, शक्ति, छत्तीसगढ़ मो. ९३२९६०६२६०	**श्री महेंद्र मित्तल** सुल्कदम मार्ग, शक्ति, छत्तीसगढ़ मो. ९३०१९१४६२५
श्री आकाश सिंघानिया नेताजी चौक, जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ७८७९९६३९७५	**श्री अंकित सिंघल** वैशाली नगर, बिलासपुर छत्तीसगढ़ मो. ९४२४१४३०९०	**श्री छैल बिहारी अग्रवाल** सदर बाजार,जांजगीर-चांपा छत्तीसगढ़ मो. ९८२६५१७८३५	**श्री जय किशन अग्रवाल** मेसर्स - सुमित इन्न जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९८२६१४३७७६	**श्री महेश कुमार अग्रवाल** रेलवे कॉलोनी के बगल में शक्ति, छत्तीसगढ़ मो. ८७७०९३३३४६
श्री अखिल बंसल मेन रोड, जांजगीर - चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९८२७९७९५४१	**श्री अनमोल अग्रवाल** लिंक रोड, वार्ड नंबर- ७ जांजगीर-चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ८१०३७९०६६६	**श्री दीपक कुमार अग्रवाल** मेन रोड, जांजगीर-चांपा छत्तीसगढ़ मो. ९८२६१२२४६५	**श्री जुगल किशोर खेमका** महाराजा अग्रसेन मार्ग नैला, जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़	**श्री मानस अग्रवाल** नवादा चौक, शक्ति, छत्तीसगढ़ मो. ९९९३०६६६६०
श्री आलोक चंद अग्रवाल हात्री हॉस्पिटल मार्ग, वार्ड नंबर- ७, शक्ति, छत्तीसगढ़ मो. ९८९३८८५२२२	**श्री अंशु अग्रवाल** वार्ड नंबर- १५, मेन रोड जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ८१०३७३७१३७	**श्री दीपक सिंघानिया** शारदा चौक, जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९०९८११३१११	**श्री कैलाश चंद्र अग्रवाल** स्टेशन रोड, सी ब्लॉक ६०२ जांजगीर-चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९४२५५३८५४२	**श्री मनीष अग्रवाल** मेन रोड, जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९८२७९६९००३
श्री अमर सुल्तानिया बनारी, नैला, जांजगीर– चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९३०१२४२६६२	**श्री अंशुमन जाजोदिया** माँ संत कृपा आवास, मध्यनगरी चौक, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ मो. ९८२७१०७२८१	**श्री दिनेश कुमार अग्रवाल** १३१, लिंक रोड, जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९८२६५५२९९५	**श्री कैलाश कुमार अग्रवाल** माल खरोदा बस स्टैंड शक्ति, छत्तीसगढ़ मो. ९३००६३५५३२	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** सदर बाजार, चांपा, जांजगीर-चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९४२४१४३२७६

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य

श्री मुकेश अग्रवाल महलवाला विनोभा नगर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ मो. ९८२७१९२७०७	**श्री पंकज केडिया** सदर बाजार, चांपा, जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९३००६७५८५५	**श्री रजत सुल्तानिया** स्टेशन रोड, नैला जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९६६९९८१८१८	**श्री राम अवतार अग्रवाल** स्टेशन रोड, शक्ति, छत्तीसगढ़ मो. ९४२५५४२८४२	**श्री संदीप अग्रवाल** नैला, जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९८२७९६२७६७
श्री मुकेश भोपालपुरिया महाराज अग्रसेन मार्ग, नैला जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९८२७१०७४४४	**श्री पंकज कुमार जाजोदिया** खापरगंज मारवाड़ी लाइन बिलासपुर, छत्तीसगढ़ मो. ८४६१०००७०२	**श्री राजेंद्र अग्रवाल (राजु)** मेडिकल कंपलेक्स, तेलीपाड़ा, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ मो. ९४२५२२०१६२	**श्री रमेश अग्रवाल** सदर बाजार जांजगीर-चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९९२६९४८१०१	**श्री संजय अग्रवाल** मेन रोड, जांजगीर- चांपा छत्तीसगढ़ मो. ९४२५२३०५४०
श्री मुकेश कुमार अग्रवाल मोदी चौक, चांपा, जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़, मो. ९४२५२८०४००	**श्री पंकज कुमार जिंदल** अग्रसेन मार्ग, जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ८९०८९०४१००	**श्री राजेंद्र कुमार अग्रवाल** स्टेशन रोड, शक्ति, छत्तीसगढ़ मो. ९३००४७७७५२	**श्री रमेश चंद अग्रवाल** श्रीराम मंदिर रोड, शक्ति, छत्तीसगढ़ मो. ९७७०११४४४४	**श्री संजय जयप्रकाश** भोपालपुरिया, जूना तालाब, नैला, जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९९७७३२०१२५
श्री मुरारी लाल अग्रवाल कोरबा रोड, अग्रसेन चौक जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९४२४१४२६५०	**श्री पीतांबर अग्रवाल** स्टेशन रोड, बरपाली चौक जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९४२४१४२४८८	**श्री राजेश अग्रवाल** स्टेशन रोड, शक्ति, छत्तीसगढ़ मो. ८७१९९५६४७९	**श्री रवि अग्रवाल** पुष्पक अपार्टमेंट, छोटापाड़ा रायपुर, छत्तीसगढ़ मो. ९३२९१०००७७	**श्री संजय कुमार अग्रवाल** संगीता भवन, मेन रोड, नैला, जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९३००९०७२२१
श्री नारायण मित्तल मछली तालाब, जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ७९९९५१७६२६	**श्री पीयूष सराफ** महाराजा अग्रसेन मार्ग जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९३२९८३३३३२	**श्री राजेश मंगल अग्रवाल (सी. ए.)** अशोक नगर चौक, सरकंडा सीपत रोड, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ मो. ९४२५२१९२५२	**श्री रविकांत जालान** मेन रोड, विद्यानगर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ मो. ७०००००८७५२२	**श्रीमती सपना सिंघानिया** मेन रोड, नेताजी चौक, जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९३०३६१०९९०
श्री नरेश कुमार अग्रवाल हात्री हॉस्पिटल रोड, शक्ति छत्तीसगढ़ मो. ९४२५५४८६३७	**श्री प्रदीप सोनी** मेन रोड, जांजगीर-चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९८२७९६२४१२	**श्री रजनीश कुमार अग्रवाल** केरा रोड, जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९९२६१०२९२०	**श्री ऋकेश कुमार अग्रवाल** अकालतारा रोड, जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ७०००३१४७८९	**श्रीमती सरोज अग्रवाल** गांधी चौक, नैला, जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ६२६४८९९३६९
श्री नवदीप गुप्ता माधव मार्केट, कचहरी चौक जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९९९३४४७४७७	**श्री प्रकाश सिंघानिया** नेताजी चौक, जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९३०३५४२५३०	**श्री राजुल कुमार जाजोदिया** सेंट्रल एवेन्यू, वी.आर. रिंग रोड, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ मो. ९३००३१२२२५	**श्री ऋषि कुमार गोयल** बुधवारी बाजार, शक्ति, छत्तीसगढ़ मो. ९३००६२११५२	**श्री सतीश अग्रवाल** वि.आई.पी. सिटी, नैला जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९३००६०३०९१
श्री नवीन जाजोदिया सेंट्रल एवेन्यू अपार्टमेंट, लिंक रोड, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ मो. ९४२५२२७४४४	**श्री प्रवीण कुमार अग्रवाल** लिंक रोड, चान्दनिया पाड़ा, जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९८२६११३५०८	**श्री राकेश कुमार अग्रवाल** वी.आई.पी. सिटी, नैला, जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ८२६९७२७७४९	**श्रीमती रितु अग्रवाल** वी.आई.पी. सिटी, नैला जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९१३१०६१०९४	**श्री शैलेश अग्रवाल** जूना बिलासपुर बिलासपुर, छत्तीसगढ़, मो. ९८२७१३००००
श्री नीलेश अग्रवाल न्यू चांपा रोड, जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९४२५२३०४६१	**श्री प्रेम प्रकाश अग्रवाल** सदर बाजार जांजगीर-चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९४२५५३८४२८	**श्री राकेश कुमार अग्रवाल** स्टेशन रोड, शक्ति, छत्तीसगढ़ मो. ९८९३९७२०५१	**श्री रोहित अग्रवाल** स्टेशन रोड, रायपुर, छत्तीसगढ़ मो. ९४२५२८५८८१	**श्री शरद कुमार मोदी** केमिस्ट भवन, नैला, जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९३०१११७६९०
श्री नीरज कुमार अग्रवाल अलकतरा रोड, जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९४२५२३०४६३	**श्री पुरुषोत्तम अग्रवाल** हॉस्पिटल के विपरीत शक्ति, छत्तीसगढ़ मो. ७०००७४४१७७	**श्री राकेश पालीवाल** मेन रोड, जांजगीर- चाम्पा छत्तीसगढ़ मो. ९५८९३२३००००	**श्री रूपक जाजोदिया** वैशाली नगर- २, श्रीकांत वर्मा मार्ग, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ मो. ९३००३२७१२३	**श्री शीतल केडिया** कोरबा रोड, चांपा, जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९४२५२१९८०८
श्री ओम प्रकाश अग्रवाल अग्रसेन चौक, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ मो. ९३९९११४१५७	**श्री राज अग्रवाल** पुराना कॉलेज रोड, चांपा जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ७०००२९२६१२	**श्री राकेश शर्मा** चौबे कॉलोनी, रायपुर, छत्तीसगढ़ मो. ८८८९३६६६६०	**श्री रुपेश कुमार अग्रवाल** नवाद चौक, शक्ति, छत्तीसगढ़ मो. ९३००८२५४९९	**श्री शिव सोनी** महाराजा अग्रसेन मार्ग, नैला, जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९८२७९६४००४
श्री ओमप्रकाश मोदी विनोभा नगर, बिलासपुर छत्तीसगढ़ मो. ९३००३३११६८	**श्री रजत अग्रवाल** न्यू शेष कॉलोनी, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ मो. ९०३९०२०१०४	**श्री राम सिंघानिया** अज्ञेय नगर कॉलोनी, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ मो. ९८२७११६५१८	**श्री सचिन अग्रवाल** स्टेशन रोड, नैला, जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९८९३६६९२५४	**श्री सोमिल मोदी** नीम चौक, सोनार पाड़ा, चंपा, जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ७८२८२६५१५८

RUPA
FRONTLINE
YEH STYLE KA
MAMLA HAI!
SCAN & EXPLORE
Toll-free No.: 1800 1235 001
www.rupaonlinestore.com
Follow Us:
We are also available at:
amazon | Flipkart | JioMart

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2024-2026
Date of Publication - 28th February, 2026
RNI Regd. No. 2866/1968

www.genus.in

Genus
energizing lives

Making society
smarter, more sustainable and liveable
with our End-to-End Smart Metering,
Power-Back & Solar Solutions

SPL-3, RIICO Industrial Area, Sitapura, Tonk Road, Jaipur-302022,
(Raj.), INDIA T. +91-141-7102400/500
metering_exports@genus.in, metering@genus.in

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com